शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 260 | गुवाहाटी | रविवार, 21 अप्रैल, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

हम 400 पार की बात करते हैं, तो कांग्रेस के पेट में दर्द होता है : अमित शाह पेज 2
कांग्रेस ने निर्दोष लोगों की हत्या की : मंत्री पीयूष हजारिका पेज 3
कांग्रेस विकास विरोधी पार्टी, मोदी ने जो कहा कर दिखाया : शाह पेज 5
ग्रेटर नोएडा खेल महोत्सव के प्रथम संस्करण का रंगारंग शुभारंभ पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

कार्य करने वाले के लिए उपाय सहायक होता है।

– आचार्य चाणक्य

10वीं का रिजल्ट जारी, 75.70 प्रतिशत छात्र हुए पास

593 अंकों के साथ जोरहाट के अनुराग दलै ने किया टॉप

गुवाहाटी (हि.स.)। असम माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने शनिवार को 10वीं वार्षिक बोर्ड परीक्षा के लिए हाई स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट (एचएसएलसी) परिणाम घोषित कर दिया है। इस साल 10वीं बोर्ड परीक्षा में कुल 75.70 प्रतिशत परीक्षार्थी पास हुए हैं। इनमें लड़कों का पास प्रतिशत 77.3 और लड़कियों का 74.4 प्रतिशत है। वहीं परीक्षा में शामिल 80 प्रतिशत ट्रांसजेंडर छात्र भी सफल हुए हैं। असम हाईस्कूल रिजल्ट में 105873 छात्र फर्स्ट डिवीजन, 150764 छात्र सेकेंड डिवीजन और 60680 छात्र थर्ड डिवीजन से पास हुए हैं। कुल 317317 छात्र पास हुए हैं। छात्रों का ओवरऑल पास प्रतिशत 75.7 रहा है। 10वीं बोर्ड परीक्षा में 4,25,966 छात्रों ने रजिस्ट्रेशन किया था। इनमें से 4,19,078

छात्र ही परीक्षा देने पहुंचे थे। 6,888 छात्र अनुपस्थित रहे थे, जबकि 361 छात्रों को रोक दिया गया और 61 छात्रों को निष्कासित कर दिया गया था। उपस्थित परीक्षार्थियों में 1,87,904 लड़कें, 2,31,164 लड़कियां और 10 ट्रांसजेंडर थे। -शेष पृष्ठ दो पर

मां और बेटे ने एकसाथ पास किया मैट्रिक

बिश्वनाथ (हि.स.)। मन में दृढ़ इच्छा शक्ति हो तो शिक्षा के मामले में कोई बाधा नहीं आ सकती। यह आज बिश्वनाथ में देखने को मिला। उल्लेखनीय है कि प्रदेश भर में मैट्रिक परीक्षा में बिश्वनाथ की झरना सैकिया ने दूसरा स्थान हासिल कर बिश्वनाथ का नाम रोशन किया है। साथ ही बिश्वनाथ में दो अन्य परीक्षार्थियों के रिजल्ट को लेकर -शेष पृष्ठ दो पर

दूरदर्शन के लोगो के नए रंग पर शुरू हुआ बवाल

नई दिल्ली। दूरदर्शन के लोगो के नए रंग को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। प्रसार भारती के पूर्व बॉस और तृणमूल कांग्रेस सांसद जवाहर सरकार ने इसकी कड़ी आलोचना की है। उन्होंने चुनाव से ठीक पहले दूरदर्शन पर चैनल के लोगो का भगवाकरण करने का आरोप लगाते हिए कहा कि यह देखकर उन्हें बहुत दुख हुआ है। दरअसल डीडी न्यूज ने हाल ही में एक्स पर एक नया प्रमोशनल वीडियो साझा करते हुए लोगो के नए रंग का खुलासा किया। इसके बाद से इसकी आलोचनाओं का सिलसिला भी शुरू हो गया है। सोशल मीडिया पर कुछ लोग इसे भगवा रंग कहकर सवाल पूछा है कि चुनाव से ठीक पहले यह कदम क्यों उठाया गया। प्रसार भारती के पूर्व सीईओ और तृणमूल कांग्रेस सांसद जवाहर सरकार ने एक्स पर लिखा -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

ट्रंप के खिलाफ ट्रायल बाहर समर्थक ने खुद को लगा ली आग

न्यूयार्क। अमेरिका के एक कोर्ट में डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ ट्रायल के दौरान कोर्ट के बाहर एक शख्स ने खुद को आग ली। फलोरिडा निवासी मैक्सवेल अजारेलो नामक शख्स ने 19 अप्रैल को मैनहट्टन कोर्ट के बाहर खुद को आग के हवाले कर दिया। घटना के बाद मैक्सवेल को गंभीर हालत में कॉर्नेल विश्वविद्यालय की बर्न यूनिट में भर्ती कराया -शेष पृष्ठ दो पर

मैट्रिक पास करने वाले सभी छात्रों का कॉलेज में दाखिला होगा नि:शुल्क : सीएम

कछार (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज घोषणा की है कि मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण होने वाले सभी छात्रों का कॉलेज में दाखिला नि:शुल्क करवाया जाएगा। इसी बीच मुख्यमंत्री ने मैट्रिक पास करने वाली छात्राओं का कॉलेज में दाखिला नि:शुल्क करवाने की घोषणा की थी। इसके साथ ही मैट्रिक पास करने वाली छात्राओं के खाते में 10 हजार रुपए सरकार द्वारा देने की भी घोषणा मुख्यमंत्री ने की थी। आज मुख्यमंत्री ने छात्रों का भी कॉलेज में दाखिला नि:शुल्क करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री शुक्रवार को सिलचर लोकसभा क्षेत्र के बड़खोला में असम सरकार के मंत्री तथा भाजपा प्रत्याशी परिमल शुक्लबैद्य के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा है कि सिलचर के लोगों को इतनी लंबी दूरी तय करके सचिवालय में काम करवाने के लिए अब गुवाहाटी जाने की जरूरत नहीं होगी। 2026 के चुनाव से पहले सिलचर में मिनी सेक्रेटेरिएट बनाया जाएगा। इस सेक्रेटेरिएट में लोगों का अधिकांश काम हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब गुवाहाटी से सिलचर जाने के लिए मेघालय होते हुए 12 घंटे की दूरी तय करना नहीं पड़ेगा। 2026 के चुनाव से पहले हाफलौंग से सिलचर तक सड़क बनाकर तैयार हो जाएगा। इसके बन जाने से सिलचर से गुवाहाटी लोग सिर्फ 6 घंटे में पहुंच सकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिलचर से गुवाहाटी दूर होने की वजह से सिलचर में दलालों का बोलबाला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र में तीसरी बार 400 से अधिक सीटों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनेगी। यह सरकार बनने के बाद लोगों को मुफ्त चावल, आयुष्मान भारत के तहत मुफ्त ईलाज की व्यवस्था, अरुणोदय में प्रत्येक को मिलने वाले 1250 रुपए आदि मिलना जारी रहेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकसभा चुनाव संपन्न होने के छह महीने के अंदर और 50 हजार बेरोजगारों को सरकारी नौकरी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद लखपति बाईदेउ योजना के तहत असम की महिलाओं के खाते में 10-10 हजार रुपए दे दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर परिवार में अरुणोदय योजना के तहत महिलाओं को शामिल करने का सरकार का -शेष पृष्ठ दो पर

नए कानूनों से सीजेआई भी खुश, बोले– भारत अब बड़े बदलाव के लिए तैयार

नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने मोदी सरकार के तीन नए कानूनों की तारीफ की है। सीजेआई ने नए आपराधिक न्याय कानूनों के लागू होने को समाज के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण बताया है। डी वाई चंद्रचूड़ ने आईपीसी और सीआरपीसी और साक्ष्य अधिनियम (एविडेंस एक्ट) को नए कानूनों से बदलने की खूब तारीफ की। विधि एवं न्याय मंत्रालय की तरफ से *आपराधिक न्याय प्रणाली के प्रशासन में भारत का प्रगतिशील पथ* विषय पर आयोजित एक सम्मेलन -शेष पृष्ठ दो पर

पहले चरण के चुनाव में ही मतदाताओं ने इंडी गठबंधन को नकार दिया : मोदी

मुंबई (हि.स.)। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नांदेड में कहा कि पहले चरण के चुनाव में ही मतदाताओं ने इंडी गठबंधन को नकार दिया है। दरअसल, देश की जनता को यह एहसास हो रहा है कि इंडी गठबंधन अपने भ्रष्टाचार को छिपाने के लिए एक साथ आया है। इंडी अलायंस की पार्टियां देश की 25 फीसदी सीटों पर एक-दूसरे के खिलाफ लड़ रही हैं, इन पर आम जनता विश्वास नहीं कर पा रही है। मोदी शनिवार को भाजपा के नांदेड़ लोकसभा सीट से

उम्मीदवार प्रतापराव चिखलीकर और हिंगोली लोकसभा सीट से उम्मीदवार बाबूराव कोहलीकर के प्रचार के लिए आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शुक्रवार को देश में पहले चरण का मतदान हुआ। मैं सभी मतदाताओं और विशेषकर पहली बार के मतदाताओं को धन्यवाद देता हूं। मतदान के बाद कई लोगों ने बूथ स्तर तक का विश्लेषण किया है। इसे देखकर ऐसा लग रहा है कि पहले चरण में एनडीए के पक्ष में एकतरफा वोट पड़ा है। मैं देश -शेष पृष्ठ दो पर

महानदी में नाव पलटने से सात की मौत, लापता की खोज जारी

नई दिल्ली। ओडिशा के झारसुगुडा में शुक्रवार शाम को एक बड़ा हादसा हुआ। यहां की महानदी में नाव पलट गई। नाव में तकरीबन 50 से ज्यादा लोग सवार थे। अब तक 48 लोगों को बचाया जा चुका है। अब तक लगभग सात लोगों का शव बरामद किया जा चुका है रेस्क्यू टीम राहत कार्य में बची हुई है। जिसकी नदी में डूबने से मौत हो चुकी है। शुक्रवार को महानदी से एक नाव पाथरसेनी कुडा से बरगढ़ जिले के बंजीपल्ली की ओर 50 से ज्यादा लोगों को लेकर जा रही थी। जैसे की नाव झारसुगुडा के सारदा घाट के पास पहुंची, वह -शेष पृष्ठ दो पर

दुनिया की कोई शक्ति नहीं जो भारत के संविधान को बदल सके : राहुल

मेरठ (हि.स.)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि पहली बार आईएनडीआईए गठबंधन संविधान और लोकतंत्र की रक्षा कर रहा है। भाजपा और आरएसएस के लोग संविधान व लोकतंत्र को खत्म करने में लगे हुए हैं। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि अगर यह चुनाव जीत गए तो संविधान को बदल देंगे। दुनिया में ऐसी कोई शक्ति नहीं है, जो भारत के संविधान को बदल सके। अमरोहा जनपद के गजरौला में शनिवार को अमरोहा लोकसभा सीट से कांग्रेस-सपा गठबंधन के उम्मीदवार दानिश अली के समर्थन में कांग्रेस नेता राहुल

गांधी और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने जनसभा की। राहुल गांधी ने कहा कि चुनाव में एक ओर आईएनडीआईए गठबंधन और दूसरी ओर भाजपा व आरएसएस है। यह विचारधारा की लड़ाई है। पिछले दस साल केंद्र सरकार ने 15-20 अरबपतियों का काम किया है। देश के सारे एयरपोर्ट, पोर्ट, बिजली, रक्षा उद्योग अडानी को दे दिए। एक ओर आपका ध्यान भटकाते हैं और दूसरी ओर हिंदुस्थान का सारा धन इन चुनिंदा -शेष पृष्ठ दो पर

पार्टी के ही नेता के खिलाफ छह दिन से भूख हड़ताल कर रहीं टीएमसी नेता

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस की एक पार्षद बीते छह दिनों से अपनी ही पार्टी के एक नेता के खिलाफ भूख हड़ताल कर रही हैं। टीएमसी की महिला नेता का आरोप है कि उन्हें काम नहीं

करने दिया जा रहा है और उनके इलाके में एक अन्य टीएमसी नेता ने अपना कार्यालय खोल लिया है। टीएमसी नेतृत्व की तरफ से अभी तक इस मामले पर कोई बयान नहीं दिया गया है। कोलकाता म्युनिसिपल कॉरपोरेशन के वार्ड 49 से पार्षद मोनालिसा बनर्जी बीते छह दिनों से अपने कार्यालय के बाहर भूख हड़ताल पर बैठी हैं। मोनालिसा बनर्जी का -शेष पृष्ठ दो पर

पाकिस्तान में महिला ने एक साथ चार बेटों और दो बेटियों को दिया जन्म

पेशावर। पाकिस्तान में रावलपिंडी के जिला अस्पताल में एक महिला ने 6 बच्चों को एक साथ जन्म दिया है। खबर फैलते ही लोग हैरान हो रहे हैं बच्चों व महिला के हैल्थ को लेकर कई सवाल कर रहे हैं। डॉक्टरों को मुताबिक, महिला और बच्चे स्वस्थ हैं। महिला को गुरुवार रात लेबर पेन के चलते हॉस्पिटल में एडमिट किया गया और लंबे ऑपरेशन के बाद महिला ने सेक्सटुपलेट्स यानि 6 बच्चों यानि 4 लड़के और 2 लड़कियों को जन्म दिया है और हर बच्चे का वजन 2 पाउंड से कम था। एक रिपोर्ट के मुताबिक, सभी बच्चे और उनकी मां स्वस्थ हैं। हालांकि, बच्चों को आईसीयू में रखा गया है। हजारा कॉलोनी के रहने वाले वहीद ने अपनी पत्नी जीनत को लेबर पेन के चलते गुरुवार को पंजाब के -शेष पृष्ठ दो पर

मोबाइल फोन पर बच्चों का पोर्न देखना अपराध नहीं : एससी

आज के सोशल मीडिया के जमाने में हर कोई अपना ज्यादा समय मोबाइल फोन पर गुजारना पसंद करता है। कई घरों में पैरेंट्स ने अपने बच्चों को भी मोबाइल फोन की सुविधा दे रखी है, जिसके कारण देखा गया है कि बच्चे फोन का गलत इस्तेमाल करते हैं। ऐसा भी कई बार देखा जाता है कि बच्चे सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते-करते समय से पहले बच्चे पोर्न देखना शुरू कर देते हैं। वहीं आज कल चाइल्ड पोर्नोग्राफी अपलोड करने और देखे जाने का मामला तेजी से बढ़ रहा है। चाइल्ड पोर्नोग्राफी देखने और अपलोड किए जाने के मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में अहम सुनवाई हुई, जिसके बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। *सुप्रीम कोर्ट ऑन चाइल्ड पोर्नोग्राफी* मामले में एनसीपीसीआर ने कहा है कि उनकी ओर से चाइल्ड पॉर्नोग्राफी के खिलाफ उठाए जा रहे कदमों पर राज्य सरकारों का रवैया लापरवाह है।

अदालत इस मामले में उचित आदेश जारी करें। उच्च न्यायालय ने 11 जनवरी को 28 वर्षीय एक व्यक्ति के खिलाफ अपने मोबाइल फोन पर बच्चों से संबंधित अश्लील सामग्री डाउनलोड करने के आरोप में आपराधिक कार्यवाही रद्द कर दी थी। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला की पीठ ने कहा कि बहस पूरी हो गई, फैसला सुरक्षित रखा गया। प्रारंभ में वरिष्ठ अधिवक्ता एच.एस. याचिकाकर्ता दो गैर सरकारी संगठनों की ओर से पेश हुए फुल्का ने कहा कि हमारे साथ-साथ प्रतिवादी नंबर 1 (चेन्नई के निवासी एस हरीश) द्वारा लिखित दलीलें दायर की गई हैं। सुनवाई के दौरान सीजेआई ने कहा कि किसी को सिर्फ अपने व्हाट्सएप इनबॉक्स पर रिसीव करना कोई अपराध नहीं है। जस्टिस पारदीवाला ने कहा कि आपने उनसे क्या करने की उम्मीद की थी? कि उन्हें इसे हटा देना चाहिए था? तथ्य यह है कि उन्होंने 2 साल तक इसे नहीं हटाया, यह एक अपराध है? पॉक्सो अधिनियम के प्रावधानों का अवलोकन करते हुए न्यायालय ने कहा कि साझा करने या प्रसारित करने का इरादा होना चाहिए, यह परीक्षण का मामला है। फुल्का ने एक कनाडाई फैसले का हवाला दिया और कहा कि जिस क्षण कब्जा साबित हो जाता है, जिम्मेदारी आरोपी पर आ जाती है। राष्ट्रीय बाल -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

हम 400 पार की बात करते हैं, तो कांग्रेस के पेट में दर्द होता है : अमित शाह

मथुरा (हि.स.)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भाजपा प्रत्याशी हेमा मालिनी के समर्थन में वृंदावन के प्रियाकांत जू मंदिर के पास वृंदावन में चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर तारीफ करते हुए भाजपा सरकार की उपलब्धियां गिनाईं और विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। इसके साथ तीसरी बार नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने की अपील की। वहीं, अमित शाह कार्यक्रम में पहुंचे ही थे तभी अचानक बाएं तरफ टेंट में लाइट के शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। आनन-फानन में पुलिस कर्मियों ने तत्काल आग को बुझाया। जब आग लगी तो हेमा मालिनी मंच पर भाषण दे रही थीं। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने हेमामालिनी की चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि एक ओर गरीब के घर में पैदा हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं तो दूसरी ओर चांदी के चम्मच के साथ पैदा हुए राहुल गांधी बाबा हैं। राहुल गांधी जहां थाइलैन्ड में छुट्टिया मनाते हैं। वहीं प्रधानमंत्री मोदी दीपावली तक में छुट्टियां नहीं लेते हैं। जनता को इन दोनों के बीच में तय करना है किंतु जनता ने स्पष्ट तौर से अपना मन कांग्रेस और सपा का सूपड़ा साफ करने का बना लिया है। पहले चरण का मतदान हो

चुका है, पहले चरण में कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो चुका है। दूसरे चरण में भी इस यात्रा को जारी रखते हुए, वृंदावन से काशी तक कमल को विजयी बनाना है। 70 वर्षों तक कांग्रेस ने अयोध्या के राम मंदिर को लटकाए रखा। पीएम मोदी ने 5 वर्षों में ही राम मंदिर का केस भी जीता, भूमिपूजन भी किया और प्राण प्रतिष्ठा भी की। कांग्रेस और सपा को प्राण-प्रतिष्ठा का निमंत्रण दिया गया, लेकिन वोट बैंक के लालच में ये नहीं गए। गृहमंत्री ने कहा कि पीएम मोदी ने देश को समृद्ध किया है। देश के अर्थतंत्र को 11वें नंबर से 5वें नंबर पर लाने का काम किया है। नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बना दो तो भारत दुनिया का तीसरे नंबर का सबसे बड़ा अर्थतंत्र बन जाएगा। ये मोदी की गारंटी है। उन्होंने कहा कि चौधरी चरण सिंह वो नेता थे। जिन्होंने किसानों की भूमि को सुरक्षित करने का काम किया। चौधरी साहब ने कांग्रेस, किसानों की भूमि बचाने के लिए छोड़ी थी। कांग्रेस ने इतने सालों तक उन्हें *भारत रत्न* नहीं दिया। चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देने का काम पीएम मोदी ने किया है। अमित शाह ने आगे कहा कि 2014 में पश्चिमी उत्तर प्रदेश में पलायन हो रहा था। सपा के गुंडे लोगों को परेशान कर रहे थे। लोग यूपी छोड़ कर जा रहे थे। 2017 में आपने भाजपा सरकार बनाई, सीएम योगी आदित्यनाथ ने कानून व्यवस्था को ठीक किया, जिसके बाद लोगों ने नहीं, गुंडों ने पलायन किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हम 400 पार की बात करते हैं, तो कांग्रेस के पेट में दर्द होता है। ये देश में झूठ फैला रहे हैं कि अगर भाजपा को 400 सीटें मिल गईं, तो ये आरक्षण खत्म कर देंगे। ये झूठों के सरदार हैं। कांग्रेस विकास विरोधी पार्टी है। सभा में मुख्य रूप से भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं बृज क्षेत्र प्रभारी संतोष सिंह, राष्ट्रीय अध्यक्ष रालोद जयंत चौधरी, मथुरा जिला प्रभारी अशोक कटारिया, सांसद प्रत्याशी हेमा मालिनी, राज्यसभा सांसद तेजवीर सिंह, कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मीनारायण, जिलाध्यक्ष निर्भय पांडे, लोकसभा प्रभारी श्याम भदौरिया, विधायक श्रीकांत शर्मा, राजेश चौधरी, मेघश्याम सिंह, पूरन प्रकाश, महापौर विनोद अग्रवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष किशन सिंह, भुवन भूषण कमल, क्षेत्रीय महामंत्री नगेंद्र सिकरवार, डॉ देवेंद्र शर्मा आदि मौजूद रहे। जनसभा का संचालन महामंत्री सुनील चतुर्वेदी एवं देवेश पाठक ने किया।

इलेक्शन सर्वे को फाइनेंस करती है भाजपा भरोसा करने की जरूरत नहीं : ममता

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को कहा कि जनमत सर्वेक्षण भाजपा द्वारा प्रायोजित होते हैं। उन्होंने लोगों से इन सर्वेक्षणों पर विश्वास न करने को कहा। मुख्यमंत्री ने शनिवार को मालदा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी चुनाव सर्वेक्षण पर विश्वास न करें। ये सभी भाजपा द्वारा प्रायोजित हैं। विधानसभा चुनाव में उन्होंने दावा किया था कि भाजपा 200 से अधिक सीटों पर जीत हासिल करेगी, पर ऐसा नहीं हुआ। इस बार भी भाजपा पश्चिम बंगाल में सफल नहीं होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस का इंडी ब्लॉक के साथ कोई गठबंधन नहीं है। उन्होंने कहा कि मैंने इंडी ब्लॉक के निर्माण में मुख्य भूमिका निभाई। लेकिन पश्चिम बंगाल में, मैंने भाजपा, कांग्रेस और माकपा को हाथ मिलाते देखा। आपको यहां उनमें से किसी को वोट नहीं देना चाहिए। उन्होंने सात चरण के लंबे चुनाव को एक विशेष राजनीतिक दल (भाजपा) को लाभ पहुंचाने की साजिश करार दिया।

रांची में होगी इंडी गठबंधन की बैठक, नहीं जाएंगी ममता

कोलकाता (हि.स.)। लोकसभा चुनाव के बीच विपक्षी दलों के इंडी गठबंधन की बैठक रांची में होने जा रही है। इसमें भी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी नहीं जाएंगी। रांची में सत्तारूढ़ पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) की ओर से बैठक का आयोजन किया गया है। इस बैठक के लिए देश के सभी विपक्षी राजनीतिक दलों को आमंत्रित किया गया है। बंगाल की सत्ताधारी पार्टी तृणमूल को भी न्योता दिया गया है। खासतौर पर ममता बनर्जी को बुलावा भेजा गया है लेकिन पार्टी ने स्पष्ट कर दिया है कि सभी बड़े नेता चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं। हालांकि तृणमूल कांग्रेस के प्रतिनिधि के तौर पर जोड़ासांको के तृणमूल विधायक विवेक गुप्ता को पार्टी प्रतिनिधि के रूप में भेजने का निर्णय लिया गया है। तृणमूल ने शनिवार को जानकारी दी है कि वह रविवार को रांची में होने वाली बैठक में पार्टी का प्रतिनिधित्व करेंगे।

कोर्ट ने खारिज की सिसोदिया की अंतरिम जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने दिल्ली आबकारी नीति मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज भ्रष्टाचार और धनशोधन के मामलों में आम आदमी पार्टी (आप) नेता मनीष सिसोदिया की जमानत याचिकाओं पर शनिवार को अपना आदेश सुरक्षित रख लिया। सीबीआई और ईडी की विशेष न्यायाधीश कावेरी बवेजा ने केंद्रीय जांच एजेंसियों और सिसोदिया के वकील की दलीलें सुनने के बाद अपना आदेश 30 अप्रैल के लिए सुरक्षित रख लिया। आम आदमी पार्टी के नेता ने लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार करने के वास्ते दोनों मामलों में अंतरिम जमानत याचिका भी दायर की है। हालांकि सिसोदिया के वकील ने शनिवार को अदालत को बताया कि नियमित जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित किए जाने के कारण वह याचिका निरर्थक हो गई है। सीबीआई तथा ईडी का आरोप है कि दिल्ली आबकारी नीति को संशोधित करते समय अनियमितताएं बरती गईं, लाइसेंस धारकों को अनुचित लाभ दिया गया, लाइसेंस शुल्क माफ कर दिया गया या कम कर दिया गया और सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी के बिना लाइसेंस दिए गए।

भारत से दोस्ताना संबंध चाहता है पाकिस्तान : मरियम नवाज

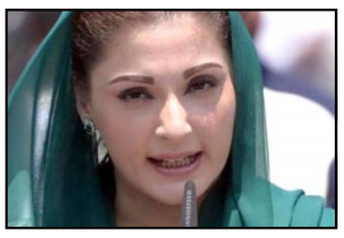

पंजाब (पाकिस्तान)। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने पड़ोसी देशों से संबंधों के बारे में अपने पिता और पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के बयानों का जिक्र किया है, जिनमें कहा गया था कि पड़ोसियों से न लड़ें, उनके लिए दोस्ती और अपने दिल के के दरवाजे खोलें। मामले से जुड़े जानकार मरियम नवाज के इस बयान को भारत के साथ पाकिस्तान के रिश्ते सुधारने की मंशा के तौर पर देख रहे हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक करतारपुर साहिब पहुंचे 3000 भारतीय सिख श्रद्धालुओं के सामने मरियम नवाज ने भारत के साथ रिश्ते सुधारने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि जब मैं मुख्यमंत्री बनी तो मुझे भारत और वहां के पंजाब प्रांत से बधाई संदेश मिले। मुझे लगा कि दोनों देशों के बीच कोई सीमा नहीं है। पंजाब के लोग चाहे वे भारत के हों या पाकिस्तान के, इन लोगों ने ये देखा कि पंजाब की एक बेटी मुख्यमंत्री बनी है। उर्दू और पंजाबी में दिए गए अपने दस मिनट के भाषण में उन्होंने भारत और पाकिस्तान के लोगों के बीच एक जुड़ाव होने की बात कही है।

इजरायल ने रफा पर फिर किया हवाई हमला, नौ की मौत

गाजा सीटि। गाजा के दक्षिणी राफाह शहर में इजरायली की ओर से किए गए हवाई हमले में करीब नौ फिलिस्तीनी नागरिक मारे गए। फिलिस्तीनी चिकित्सा सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि इजरायली सेना ने उत्तरी और मध्य गाजा पट्टी के कई इलाकों पर बमबारी तेज की। इसमें करीब नौ लोग मारे गए। जिनमें छह बच्चे शामिल हैं। बचावकर्मी अभी भी मलबे में दबे लोगों की तलाश कर रहे हैं। नगर पालिका के एक बयान के मुताबिक इजरायली हवाई हमले में गाजा पट्टी के मध्य दीर अल-बलाह शहर में स्थित सबसे बड़ी फार्मास्युटिकल फैक्टरी नष्ट हो गई। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटों में इजरायली हमलों में 37 लोगों की मौत हुई है, जबकि 68 लोग घायल हो गए हैं।

आचार संहिता के दौरान 784 करोड़ रुपए की अवैध शराब, नकदी एवं अन्य वस्तुएं जब्त

जयपुर (हि.स.)। लोकसभा आम चुनाव-2024 के क्रम में 16 मार्च से 20 अप्रैल के बीच राजस्थान में अलग-अलग निगरानी एवं सतर्कता एजेंसियों ने 784 करोड़ रुपए मूल्य से अधिक की अवैध शराब, नशीली दवाएं, नकद राशि आदि जब्त की है। भारत निर्वाचन आयोग के चुनाव को धन-बल, नशे तथा मुफ्त वस्तुओं के प्रलोभन के जरिए प्रभावित होने से रोकने के उद्देश्य के क्रम में अवैध वस्तुओं के परिवहन और भण्डारण पर यह धरपकड़ की जा रही है। इस अवधि में सर्वाधिक 37 करोड़ रुपए से अधिक की जब्ती चूरू जिले में हुई है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि प्रदेश में आदर्श आचार संहिता के प्रभावी होने के बाद से 784.73 करोड़ रुपए मूल्य की अवैध नकद राशि, नशीली दवाएं (ड्रग्स), शराब, कीमती धातुएं तथा मुफ्त वितरण की जाने वाली वस्तुओं (फ्रीबीज) आदि की जब्ती की गई है। इस अवधि में अलग-अलग एनफोर्समेंट एजेंसियों ने 7 जिलों में 30 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की वस्तुएं पकड़ी हैं। अब तक सर्वाधिक जब्तियां चूरू जिले में हुई हैं, जिनमें 37.06 करोड़ रुपए मूल्य की वस्तुएं शामिल हैं। गुप्ता के अनुसार, 16 मार्च से 20 अप्रैल तक पाली, डूंगरपुर, दौसा, उदयपुर, झुंझुनू और गंगानगर जिलों में विभिन्न स्थानों पर क्रमशः 36.48 करोड़ रुपए, 36.35 करोड़ रुपए, 34.03 करोड़ रुपए, 33.41 करोड़ रुपए, 30.17 करोड़ रुपए और 30.02 करोड़ रुपए मूल्य की अवैध वस्तुएं अथवा नकद राशि जब्त हुई हैं। इस क्रम में, भीलवाड़ा, बाढ़मेर, जयपुर, जोधपुर, चितौड़गढ़, बीकानेर, अलवर, बांसवाड़ा, नागौर, हनुमानगढ़, टोंक, प्रतापगढ़ और राजसमन्द जिलों में भी 20-20 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की वस्तुएं जब्त की गई हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि पकड़ी गई सामग्री में 38.23 करोड़ रुपए की अवैध नकद राशि के साथ ही 83.37 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की नशीली दवाएं, 37.73 करोड़ रुपए से अधिक कीमत की अवैध शराब शामिल है।

पृष्ठ एक का शेष

10वीं का रिजल्ट...

91.2 फीसदी उत्तीर्ण प्रतिशत के साथ चिरांग शीर्ष प्रदर्शन करने वाला जिला रहा। इसके बाद नलबाड़ी 88.1 फीसदी और बक्सा 86.9 फीसदी थे। इसके साथ ही, उदालगुड़ी जिले में सबसे कम उत्तीर्ण प्रतिशत 60.9 फीसदी दर्ज किया गया। असम बोर्ड 10वीं की परीक्षा में प्रज्ञा अकादमी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, जोरहाट के अनुराग दलै ने 593 नंबरों के साथ टॉप किया है। शंकरदेव शिशु विद्या निकेतन, बिश्वनाथ चरियाली की झरना सैकिया ने 590 अंकों के साथ दूसरा स्थान हासिल किया है। इसी के साथ 91.2 प्रतिशत के साथ चिरांग शीर्ष प्रदर्शन करने वाला जिला रहा। इसके बाद नलबाड़ी (88.1 प्रतिशत) और बक्सा (86.9 प्रतिशत) का रिजल्ट अच्छा रहा। उदालगुड़ी जिले का रिजल्ट सबसे कम 60.9 प्रतिशत रहा। इसके अतिरिक्त बोर्ड द्वारा इस बार परिणामों को अलग-अलग श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है। उत्तीर्ण होने वालों में सामान्य: 76.6 प्रतिशत, ओबीसी 76.6 प्रतिशत, एमओबीसी 75.1 प्रतिशत, एससी 70.3 प्रतिशत, एसटी (हिल्स) 78.9 प्रतिशत, एसटी (प्लेन) 79.1 प्रतिशत तथा चाय बागान (टीजी) के 51.5 प्रतिशत छात्र इस बार परीक्षा में उत्तीर्ण हुए हैं।

मां और बेटे ने ...

भी काफी चर्चाएं हुई हैं। मैट्रिक में मां-बेटे ने एकसाथ सफलता हासिल की है। बेटे मुशर्रफ आलम ने हाईस्कूल की परीक्षा में प्रथम श्रेणी में सफलता हासिल की जबकि मां लुतुफा बेगम ने हाई स्कूल परीक्षा परिणाम में दूसरा स्थान हासिल किया। मां और बेटा एक साथ पढ़ते थे। एक ही किताब मां और बेटे ने पढ़ी। हालांकि, उनके बेटे मुशर्रफ ने दिन में छह घंटे पढ़ाई की लेकिन मां ने घर का काम करने के बाद मिले समय में ही अध्ययन करके स्वागुरी और विश्वनाथ का नाम रोशन किया है।

मैट्रिक पास करने ...

लक्ष्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सबका राशन कार्ड बनाया जाएगा और सभी राशन कार्डधारक परिवार की एक महिला को अरुणोदय योजना के तहत मासिक राशि उपलब्ध करवाई जाएगी। दो दिन पहले ममता बनर्जी द्वारा लगाए गए एक आरोप का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले 6 महीने के अंदर डिटेंशन कैंप, डी वोटर, नागरिकता, फॉरेन ट्रिब्यूनल आदि से संबंधित सारी समस्याओं का समाधान हो जाएगा। उन्होंने कहा कि चाय बागानों में पक्के रास्ते बनाए जाएंगे और हर घर में पेयजल की व्यवस्था की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत स्वयं जियो टैग के जरिए मकान दिए जाएंगे। सिलचर के भाजपा प्रत्याशी परिमल शुक्लबैद्य के विषय में मुख्यमंत्री ने कहा कि परिमल शुक्लबैद्य आबकारी तथा ट्रांसपोर्ट- दो विभागों के मंत्री हैं। राज्य सरकार को सबसे अधिक राजस्व की प्राप्ति इन्हीं दो विभागों से हो रही है। वहीं, मुख्यमंत्री ने कहा कि परिमल शुक्लबैद्य एक रुपए भी किसी से नहीं लेते हैं। रैली के दौरान मुख्यमंत्री के साथ मंच पर उम्मीदवार शुक्लबैद्य तथा भाजपा के वरिष्ठ नेता, विधायक एवं अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

भारत अब बड़े ...

में बोलते हुए सीजेआई ने कहा कि भारत अपनी आपराधिक न्याय प्रणाली में महत्वपूर्ण बदलाव के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि नए कानून तभी सफल होंगे जब जिन लोगों पर इन्हें लागू करने का जिम्मा है, वे इन्हें अपनाएंगे। सीजेआई ने कहा कि इन नए कानूनों ने आपराधिक न्याय पर भारत के कानूनी ढांचे को एक नए युग में बदल दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि पीड़ितों के हितों की रक्षा करने और अपराधों की जांच और अभियोजन को कुशलतापूर्वक चलाने के लिए बहुत जरूरी सुधार पेश किए गए हैं। बता दें कि देश की आपराधिक न्याय प्रणाली को पूरी तरह से बदलने के लिए नए कानून - भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1 जुलाई से लागू होंगे। हालांकि, वाहन चालकों द्वारा हिट-एंड-रन के मामलों से संबंधित प्रावधान तुरंत लागू नहीं किया जाएगा। तीनों कानूनों को पिछले साल 21 दिसंबर को संसद की मंजूरी मिल गई और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने 25 दिसंबर को अपनी सहमति दे दी। सीजेआई ने कहा कि तलाशी और जब्ती की ऑडियो-विजुअल रिकॉर्डिंग अभियोजन के साथ-साथ नागरिकों की नागरिक स्वतंत्रता की रक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण है। न्यायिक जांच तलाशी और जब्ती के दौरान प्रक्रियात्मक अनौचित्य के खिलाफ नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करेगी।

दूरदर्शन के लोगो ...

है कि दूरदर्शन ने अपने लोगो को भगवा रंग में रंग दिया है। मैं इसे चिंता के साथ देखते हुए महसूस कर रहा हूं कि यह अब प्रसार भारती नहीं बल्कि प्रचार भारती हो गया है। बता दें कि जवाहर सरकार ने 2012 से 2016 तक दूरदर्शन और ऑल इंडिया रेडियो की देखरेख करने वाली वैधानिक संस्था प्रसार भारती के सीईओ के रूप में कार्य किया था। उन्होंने एक वीडियो पोस्ट साझा करते हुए कहा है कि राष्ट्रीय प्रसारक ने अपनी ब्रांडिंग के लिए भगवा रंग चुना है और यह अनुचित है। उन्होंने इस कदम को आचार संहिता का उल्लंघन भी बताया। तृणमूल कांग्रेस सांसद ने अंदेशा जताया है कि यह रंग मतदाताओं को प्रभावित कर सकता है। इस बीच प्रसार भारती के वर्तमान सीईओ गौरव द्विवेदी ने जवाहर सरकार के आरोपों का जवाब दिया है। उनका कहना है कि यह नारंगी रंग है कि और चैनल के ग्राफिक्स को आकर्षक बनाने के लिए इस रंग का इस्तेमाल किया गया। उन्होंने यह भी कहा कि सिर्फ लोगो ही नहीं, बल्कि चैनल ने नई लाइटिंग और उपकरणों सहित अपने लुक और फील को भी अपग्रेड किया है।

पहले चरण के ...

के नागरिकों से अपील करता हूं कि आप एनडीए की जीत सुनिश्चित कर रहे हैं। मैं इसके लिए सभी को धन्यवाद देता हूं लेकिन जो लोग वोट नहीं देते, उनसे मैं कहना चाहूंगा कि आपको किसी को वोट देना चाहिए। वोट देने से पीछे न हटें। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश का जवान विपरीत माहौल में भी देश की रक्षा के लिए सीमा पर अपना कर्तव्य निभा रहा है। उसी प्रकार मतदाताओं को भी मतदान को कर्तव्य समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी वायनाड के अलावा अन्य सुरक्षित निर्वाचन क्षेत्र तलाश रहे हैं। 26 अप्रैल को वायनाड में मतदान के बाद राहुल गांधी दूसरी सीट तलाशेंगे, क्योंकि उन्हें अमेठी छोड़ना पड़ा। इसी तरह वे वायनाड भी छोड़ देंगे। उन्होंने सोचा नहीं होगा कि कांग्रेस की ऐसी हालत होगी। यह ऐसी स्थिति है कि जिस परिवार से कांग्रेस पार्टी चलती है, वह भी अपनी ही पार्टी को वोट नहीं दे सकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मैं राजनीति में नहीं था, चव्हाण परिवार उस समय से राजनीति में है। अशोक चव्हाण के पिता शंकरराव चव्हाण से एक बार चर्चा करने का मौका मिला था। तब मैं राजनीति में नहीं था। भले ही मैं एक आम आदमी था, शंकरराव चव्हाण ने मुझसे विनम्रतापूर्वक बातचीत की। राज्य और केंद्र में इतने महत्वपूर्ण पदों पर रहने के बाद भी, उनकी ऐसी विनम्रता देखकर मैं आज भी उनसे कुछ सीखने की कोशिश करता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि अशोक चव्हाण के उनके साथ आने से उनकी ताकत बढ़ी है। प्रधानमंत्री मोदी ने भाजपा नीत एनडीए गठबंधन के उम्मीदवारों को भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की।

महानदी में नाव ...

अचानक से पलट गई। नाव में बैठे लोग नदी में डूब गए, खुद को बचाने की कोशिश करने लगे, कुछ बचाव के लिए चिल्लाने लगे। आवाज सुनकर उस क्षेत्र में मौजूद मछुवारे उनको बचाने के लिए पहुंचे। लगभग 30 से ज्यादा लोगों को मछुवारों ने बचाया। सूचना मिलने पर पुलिस और आपदा रैपिड एक्शन फोर्स पहुंची। रेस्क्यू टीम द्वारा लोगों को ढूंढकर बचाया गया। बचाव कार्य के दौरान अब तक सात लोगों का शव बरामद किया जा चुका है। रेस्क्यू टीम के मुताबिक अब तक लगभग 48 लोगों को बचाया जा चुका है। रेस्क्यू टीम के साथ स्कूबा गोताखोरों को भी लगाया गया है। स्कूबा गोताखोर और रेस्क्यू टीम की खोज जारी है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को कहा कि वह हादसे से व्यथित हैं। उन्होंने शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदानएं व्यक्त की हैं। एक्स पर एक पोस्ट करते हुए उन्होंने कहा कि यह जानकार दुख हुआ कि ओडिशा के झारसुगुड़ा के पास महानदी में एक नाव पलट जाने के कारण कई लोगों की जान चली गई है। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। मैं प्रभावित लोगों के शीघ्र स्वास्थ्य होने की प्रार्थना करता हूं। घटना के मुख्यमंत्री ने इस पर शोक व्यक्त किया है। ओडिशा सरकार ने हादसे में मरने वालों के परिजनों को 4 लाख रुपए मुआवजे की घोषणा की है।

दुनिया की कोई ...

लोगों को दे देते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि सरकार ने भारत के सबसे अमीर अरबपतियों का 16 लाख करोड़ रुपए कर्ज माफ किया है। हमने किसानों का कर्जा माफ किया था, लेकिन केंद्र सरकार ने उद्योगपतियों का कर्ज माफ किया है। 22 सबसे अरबपतियों के पास जितना धन है, उतना देश के 70 करोड़ लोगों के पास है। ये अरबपति चीन का माल भारत में बेचते हैं। एक ओर मेक इन इंडिया का नारा दिया जाता है, दूसरी ओर जो लोग मेक इन इंडिया कर सकते हैं, ऐसे छोटे व्यापारी व कारीगरों को नोटबंदी और जीएसटी से खत्म कर दिया जाता है। केंद्र सरकार को मेक इन इंडिया नहीं, बल्कि मेक इन चाइना चाहिए। राहुल गांधी ने कहा कि जितना पैसा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उद्योगपतियों को दिया, उतना ही पैसा आईएनडीआईए गठबंधन गरीबों को देगा। अरबपतियों का कर्ज माफ होगा तो किसानों का भी माफ होगा। महालक्ष्मी योजना में हर गरीब परिवार से एक महिला को एक लाख रुपए प्रतिवर्ष देंगे। आशा और आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को दोगुना मेहनताना दिया जाएगा। 30 लाख सरकारी नौकरियां युवाओं को दी जाएगी। अग्निवीर योजना को रद्द किया जाएगा। परीक्षा के पेपर लीक करने वालों को कड़ी सजा दी जाएगी। प्राइवेट कंपनियों को पेपर चेक करने का काम बंद होगा। कांग्रेस नेता ने कहा कि पहली नौकरी पक्की योजना के तहत सभी स्नातकों को अप्रेंटिस का अधिकार दिया जाएगा। एक साल की अप्रेंटिसशिप को अधिकार बनाया जाएगा। इसमें सरकारी कार्यालयों, सरकारी कंपनियों और निजी कंपनियों में युवाओं का एक साल का प्रशिक्षण देकर एक लाख रुपए प्रतिवर्ष दिया जाएगा। एक साल बाद अच्छा काम करने पर युवाओं की नौकरी पक्की हो जाएगी। पहली बार किसानों को कानूनी एमएसपी दी जाएगी। मनरेगा की मजदूरी 400 रुपए की जाएगी। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, सांसद प्रमोद तिवारी, प्रदेश प्रवक्ता अभिमन्यु त्यागी आदि उपस्थित रहे।

पार्टी के ही नेता ...

आरोप है कि उनकी ही पार्टी के एक अन्य दबंग नेता देबाशीष बनर्जी ने उनके इलाके में अपना ऑफिस खोल लिया है। मोनालिसा साल 2020 में कांग्रेस छोड़कर टीएमसी में शामिल हुईं थी। टीएमसी पार्षद का आरोप है कि उन्हें नए ऑफिस के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई और पुराना ऑफिस होने के बावजूद नया ऑफिस खोला गया। कोलकाता का वार्ड 49 कोलकाता उत्तर लोकसभा सीट के तहत आता है। यहां से टीएमसी ने वरिष्ठ नेता और मौजूदा सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय को अपना उम्मीदवार बनाया है। सुदीप बंद्योपाध्याय के ऑफिस के नजदीक भी बीते हफ्ते मोनालिसा बनर्जी ने धरना प्रदर्शन किया था। दरअसल मोनालिसा बनर्जी के ऑफिस के बाहर सीसीटीवी कैमरा लगा दिया गया है, जिसका मोनालिसा विरोध कर रही हैं। मोनालिसा बनर्जी का कहना है कि उनके तमाम विरोध के बावजूद उनके क्षेत्र में नया ऑफिस खोल दिया गया और जब तक उनकी समस्या का समाधान नहीं हो जाता, तब तक उनकी भूख हड़ताल जारी रहेगी। सुदीप बंद्योपाध्याय ने इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। बंद्योपाध्याय ने कहा कि मुझे नहीं पता था कि कोई भूख हड़ताल कर रहा है। मैंने आरोप सुने हैं, लेकिन ये झूठे आरोप हैं। इस मामले में पार्टी नेतृत्व ही टिप्पणी कर सकता है।

पाकिस्तान में महिला ...

रावलपिंडी जिला अस्पताल में भर्ती कराया था। डॉक्टरों का कहना है कि करोड़ों लोगों में से किसी एक को सेक्सटुपलेट्स होता है। लेबर रूम में तैनात डॉक्टर ने बताया कि यह कोई सामान्य डिलीवरी नहीं थी, इसमें काफी जटिलताएं आईं। बच्चों को जन्म देने के बाद जीनत को थोड़ी दिक्कतें हुई हैं, लेकिन कुछ दिनों में स्थिति सामान्य हो जाएगी। इस चमत्कार के बाद से डॉक्टर और स्टाफ काफी खुश हैं। डॉक्टर ने कहा कि आखिरकार भगवान ने मां और बच्चों की जान बचा ली। रिपोर्ट के मुताबिक, 4.7 बिलियन लोगों में से किसी एक को ही सेक्सटुपलेट्स होता है।

मोबाइल फोन पर ...

अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता स्वरूपमा चतुर्वेदी ने कहा कि हमने डेटा के साथ अपना हस्तक्षेप आवेदन दायर किया है। हम कानून के अनुसार कार्रवाई कर रहे हैं और समन भेज रहे हैं, लेकिन समस्या यह नहीं है। तीन अलग-अलग खंड हैं। समस्या यह है कि वे (उच्च न्यायालय) बच्चों के इस्तेमाल के बजाय बच्चों द्वारा पोर्न देखने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, जो पूरी तरह से तथ्यों का गलत इस्तेमाल है। उन्होंने अपनी बात रखने के लिए एक घंटे का समय मांगा। सीजेआई ने कहा कि हां, बच्चे का पोर्नोग्राफी देखना अपराध नहीं हो सकता है, लेकिन पोर्नोग्राफी में बच्चे का इस्तेमाल किया जाना अपराध है। हस्तक्षेप की अनुमति है। आप सोमवार शाम 5 बजे तक अपनी लिखित दलीलें दाखिल कर सकते हैं। उसके बाद न्यायालय ने एसएलपी में फैसला सुरक्षित रख लिया। बता दें 11 मार्च को बेंच ने एसएलपी में नोटिस जारी किया था। कोर्ट ने चेन्नई के रहने वाले एस हरीश और तमिलनाडु पुलिस से भी जवाब मांगा था। 11 जनवरी, 2024 को मद्रास उच्च न्यायालय ने माना था कि केवल बाल पोर्नोग्राफी देखना या डाउनलोड करना सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 (आईटी अधिनियम) की धारा 67-बी के तहत अपराध नहीं बनता है। कोर्ट ने इंटरनेट पर पोर्नोग्राफी की लत और स्पष्ट यौन सामग्री आसानी से उपलब्ध होने के मुद्दे पर चर्चा की थी। न्यायालय ने कहा था कि अश्लील साहित्य देखने से किशोरों पर नकारात्मक परिणाम हो सकते हैं, जिससे उनके मनोवैज्ञानिक और शारीरिक स्वास्थ्य दोनों प्रभावित होंगे।

ट्रंप के खिलाफ ...

गया जहां उसने दम तोड़ दिया। जिस समय शख्स ने खुद को आग लगाई, उसी समय कोर्ट के अंदर पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप के केस पर सुनवाई चल रही थी। इस दौरान कोर्ट के बाहर बड़ी संख्या में मीडिया कर्मी भी मौजूद थे। घटना के बाद आए वीडियो फुटेज हैरान करने वाले हैं, आग लगाने के बाद मौके पर मौजूद सुरक्षा अधिकारी इधर-उधर भागते दिखे। घटना दौरान सीएनएन का कैमरा चल रहा था। मैक्सवेल अजारेलो खुद पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगाने से पहले पर्चे बांट रहा था। इस घटना के दौरान मीडिया कर्मियों के सामने समस्या खड़ी हो गई, क्योंकि कैमरे के सामने व्यक्ति ने आग लगाई थी और यह गंभीर मसला था, लेकिन नैतिकता के आधार पर जलते हुए व्यक्ति का वीडियो फुटेज नहीं दिखाया जा सकता था। इस दौरान सीएनएन एंकर लॉरा कोट्स ने घटना का फुटेज अपने दर्शकों को दिखाया। दूसरी तरफ रिपोर्टर एरिक शॉन बोल रहे थे, फॉक्स के कैमरे ने उस क्षण को कैद कर लिया। इसके बाद मीडिया नेटवर्क ने कुछ ही सेकंड के भीतर कटघरे में खड़े ट्रंप की एक तस्वीर पेश कर दी। रिपोर्टर ने कहा कि जो कुछ हुआ उसके लिए हम गहराई से माफी मांगते हैं। अधिकारियों और प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि शुक्रवार दोपहर करीब डेढ़ बजे कलेक्ट पॉन्ड पार्क इलाके में पहुंचे व्यक्ति के पास कुछ पर्चे थे। उन्होंने बताया कि व्यक्ति ने ये पर्चे इधर-उधर फेंके और फिर खुद को आग लगा ली अदालत के बाहर स्थित पार्क सोमवार को ट्रंप के खिलाफ मुकदमा शुरू होने के बाद से प्रदर्शनकारियों, पत्रकारों आदि के लिए निर्धारित स्थान रहा है।

आरोहण फाउंडेशन का नि:सुल्क चिकित्सा शिविर

गुवाहाटी। आज आरोहण फाउंडेशन एवं बी. प्रमोद तालुकदार मेमोरियल ओल्ड एज होम ने आठ डायग्नोस्टिक सेंटरों और क्लीनिकों के साथ मिलकर मुफ्त चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया। आरोहण फाउंडेशन की निदेशक डॉ. सीमा कश्यप ने कहा कि आरोहण फाउंडेशन की निदेशक डॉ. सीमा कश्यप बच्चों का अनमोल खजाना हैं। हर बच्चे का ख्याल रखना होगा ताकि कोई भी बूढ़े माता-पिता वृद्धाश्रम में न रहें। नई पीढ़ी के हर व्यक्ति को सामाजिक रूप से जागरूक होने की जरूरत है। समाज की बीमारियां दूर होनी चाहिए। बी। आठ डायग्नोस्टिक सेंटर और क्लीनिक में स्नेहा गोयल, एम शामिल हैं। बीबीएच. डॉ. अंकित पटेल, क्रिस्टी आन्या नामक दंत चिकित्सक आज की इस चिकित्सा सेवाओं का नेतृत्व कर रहे हैं।

कांग्रेस ने निर्दोष लोगों की हत्या की : मंत्री पीयूष हजारिका

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार के सूचना एवं जनसंपर्क आदि मामलों के मंत्री पीयूष हजारिका ने आरोप लगाया कि कांग्रेस निर्दोष लोगों की हत्या की है। वे शनिवार को मोरीगांव के धींग के मिकिरवीटा में एक रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि असम में कांग्रेस की सरकार 60 साल से थी। इन 60 वर्षों में कांग्रेस ने असम में केवल छह मेडिकल कॉलेज बनाए और हमने सात साल और 10 महीने असम में शासन किया, इन सात साल और 10 महीनों में हमने 18 मेडिकल कॉलेज बनाए। यह समझाते हुए कि हमें मेडिकल कॉलेज की जरूरत क्यों है, मंत्री ने कहा कि एक मेडिकल कॉलेज न केवल ईलाज के लिए होता है बल्कि मेडिकल कॉलेजों में डॉक्टर अध्ययन करते हैं। अगर हम डाक्टरी की पढ़ाई की व्यवस्था करते तो डॉक्टरों को मिकिरवीटा जैसे क्षेत्रों में भी भेज पाते। कांग्रेस के दिनों में असम में केवल 726 डॉक्टर थे। इसलिए हम ग्रामीण क्षेत्रों में डॉक्टरों को नहीं भेज पाए हैं। गांवों में लोगों को बीमारियों के साथ रहना पड़ता है।

मंत्री ने कहा कि इसके लिए केवल कांग्रेस सरकार जिम्मेदार है। अगर कांग्रेस ने मेडिकल कॉलेज बनाया होता तो आज हमारे यहां डॉक्टर होते। हमारे लोग आज कम उम्र में नहीं मरते। कांग्रेस निर्दोष लोगों की हत्यारी है। आज गांवों में कई लोगों को बिना इलाज के मरना पड़ा है क्योंकि कांग्रेस ने डॉक्टर नहीं बनाए। अपने भाषण में उन्होंने दोहराया कि कांग्रेस हत्यारी है। मंत्री ने पूछा कि क्या ऐसी कांग्रेस को वोट देने से कोई फायदा होगा। उन्होंने कहा कि असम में कल पहले चरण का मतदान हुआ। मैं इन दिनों पूरे असम में घूम रहा हूं, लोगों से बात कर रहा हूं-मैं कह सकता हूं कि भाजपा ने इन सभी पांच निर्वाचन क्षेत्रों में जीत हासिल करने जा रही है। उल्लेखनीय है कि असम में शुक्रवार को पहले चरण का मतदान हुआ। पहले चरण में असम के पांच निर्वाचन क्षेत्रों जोरहाट, डिब्रूगढ़, काजीरंगा, शोणितपुर और लखीमपुर में वोट डाले गए। बैठक में मंत्री पीयूष ने नगांव से निवर्तमान सांसद प्रद्युत बरदलै पर हमला करते हुए कहा कि कांग्रेस सांसद का पांच साल का कार्यकाल खत्म हो गया, लेकिन पांच साल में वह मोरीगांव, जागीरोड और लहरीघाट नहीं आए। कांग्रेस पार्टी ने उन्हें फिर से मैदान में उतारा है- इस बार मिकिरवीटा को छोडिए, मोरीगांव टाउन छोड़िए, जागीरोड, लहरीघाट, ढींग, रूपाही छोड़ दीजिए। कल लहरीघाट में अपनी उपस्थिति का उल्लेख करते हुए मंत्री ने कहा कि उन्होंने कल लहरीघाट में चार बैठकों में भाग लिया। प्रत्येक बैठक में आठ हजार से 10 हजार लोगों ने भाग लिया और उनमें से 80 प्रतिशत अल्पसंख्यक थे। यह पूछे जाने पर कि इस बार वे किसे वोट देंगे, लहरीघाट के लोगों ने कहा कि वे सिर्फ भाजपा को वोट देंगे। क्योंकि, कांग्रेस ने लहरीघाट के लोगों के लिए कुछ नहीं किया है। मंत्री ने कांग्रेस पर फिर से तंज कसते हुए कहा कि वह सूता और कंबल बांटने की पार्टी है। इस दौरान हजारिका ने जहां भाजपा सरकार की कई योजनाओं के बारे में बताया, वहीं पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यों की आलोचना की।

गुवाहाटी लोस सीट से दो उम्मीदवारों के नामांकन रद्द

गुवाहाटी (हिंस)। आगामी लोकसभा चुनाव में नंबर-5 गुवाहाटी सीट के लिए कुल 10 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किए थे। इन सभी के नामांकन पत्रों की जांच के अंत में, दो उम्मीदवारों, भारतीय राष्ट्रीय जनता पार्टी के नयन दास और एक निर्दलीय उम्मीदवार अर्पिता चौधरी के नामांकन पत्रों को चुनाव आयोग के संबंधित अधिकारियों ने रद्द कर दिया। जिन उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र स्वीकार किए गए हैं, उनमें भारतीय जनता पार्टी की बिजली कलिता मेधी, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की मीरा बोरठाकुर गोस्वामी, भारतीय गण परिषद के समद चौधरी, बहुजन महापार्टी के सेजान ग्यारी, एकम सनातन भारत पार्टी के अमिताभ शर्मा, वोटर्स पार्टी इंटरनेशनल दल के दीपक कुमार बोड़ो, निर्दलीय उम्मीदवार काजी नकीब अहमद और कर्नल गोकुल चंद्र सिंह शामिल हैं।

मुख्यमंत्री सरमा हमें विभिन्न तरीकों से परेशान कर रहे हैं : रकीबुल हुसैन

धुबड़ी (हिंस)। कांग्रेस के विधायक एवं धुबड़ी लोकसभा क्षेत्र से उम्मीदवार रकीबुल हुसैन ने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा पर आरोप लगाते हुए कहा है कि वह हमें विभिन्न तरीकों से परेशान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि डिब्रूगढ़ में लुरिनज्योति गोगोई और जोरहाट में गौरव गोगोई का जीतना तय है। इसके चलते मुख्यमंत्री परेशान हैं। रकीबुल ने शनिवार को धुबड़ी लोकसभा क्षेत्र के सरायखोला में एक चुनावी रैली की। चुनावी रैली में रकीबुल हुसैन ने मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा, एआईयूडीएफ पार्टी के अध्यक्ष एवं सांसद मौलाना बदरुद्दीन अजमल पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सरमा आग प्रज्वलित करते हैं तो बदरुद्दीन उस पर मिट्टी का तेल डालने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक समुदाय के लोग बदरुद्दीन को जानते हैं।

चार जून के बाद भाजपा-यूपीपीएल का नहीं रहेगा गठबंधन : हग्रामा महिलरी

बाक्सा (हिंस)। बोड़ोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) प्रमुख हग्रामा महिलरी ने दावा करते हुए कहा है कि 4 जून के बाद भाजपा-यूपीपीएल गठबंधन नहीं रहेगा। गोरेश्वर के कौरबाहा और गुरमऊ में आयोजित चुनावी सभाओं में भाग लेते हुए उन्होंने यह दावा किया। महिलरी ने शनिवार को दरंग-उदालगुड़ी लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत बीटीआर के गोरेश्वर परिषद निर्वाचन क्षेत्र में को बीपीएफ उम्मीदवार दुर्गा दास बोड़ो के लिए प्रचार किया। इसके बाद उन्होंने गोरेश्वर के कौरबाहा और गुरमऊ में चुनावी सभाओं में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने दावा करते हुए कहा कि दरंग-उदालगुड़ी में यूपीपीएल पार्टी समर्थक भाजपा को वोट नहीं देंगे। यूपीपीएल समर्थक बीपीएफ पार्टी को वोट देंगे। साथ ही कहा कि दरंग-उदालगुड़ी लोकसभा क्षेत्र के भाजपा उम्मीदवार दिलीप सैकिया का इस बार अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। महिलरी ने दावा किया कि दरंग-उदालगुड़ी और कोकराझाड़ लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में बीपीएफ की जीत निश्चित है।

धुबड़ी में हेरोइन और गांजा जब्त, तस्कर गिरफ्तार

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी पुलिस द्वारा अलग-अलग अभियानों के दौरान गांजा तथा हेरोइन जब्त किया गया। अभियान के दौरान एक तस्कर को भी गिरफ्तार किया गया। धुबड़ी पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसारन शीली दवाओं के विरुद्ध गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए एक अभियान में गोलकगंज थाने की एक टीम द्वारा एक ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से गांजा जब्त किया गया। धुबड़ी पुलिस के एक और नशीली दवाओं के विरुद्ध अभियान में भारी मात्रा में हेरोइन जब्त किया गया। आईसी कॉलेज टीओपी के नेतृत्व वाली एक टीम ने झगरारपार से एक तस्कर को गिरफ्तार किया।

भाजपा ने प्रदेश का चुनावी संकल्प पत्र किया जारी

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की असम प्रदेश इकाई ने आज लोकसभा चुनाव के लिए राज्य-स्तरीय संकल्प पत्र जारी किया। पार्टी अध्यक्ष भवेश कलिता ने प्रदेश भाजपा मुख्यालय *अटल बिहारी वाजपेयी भवन* में आयोजित एक समारोह में संकल्प पत्र का अनावरण किया। इस अवसर पर प्रदेश भाजपा महासचिव दिप्लुरंजन शर्मा, असम के मंत्री जयंत मल्लबरुवा, प्रदेश भाजपा के सह प्रभारी पवन शर्मा, समाचार विभाग के संयोजक देवान ध्रुवज्योति मोरल भी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि इससे पहले राष्ट्रीय मीडिया में अंग्रेजी और हिंदी माध्यमों में पार्टी के संकल्प पत्र का पहले ही अनावरण किया जा चुका है। मीडिया को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष कलिता ने कहा कि लोकसभा चुनाव के पहले चरण में जनता ने भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवारों को अभूतपूर्व समर्थन दिया है। पार्टी के सर्वे के मुताबिक, पांचों सीटों पर भाजपा उम्मीदवारों के भारी अंतर से जीत दर्ज की जाएगी। पहले चरण के चुनाव के बाद इस बार भाजपा ने दूसरे और तीसरे चरण के चुनाव के लिए कमर कस ली है। उन्होंने यह भी कहा कि मौजूदा लोकसभा चुनाव विपक्ष-रहित होगा और भारतीय जनता पार्टी 14 सीटें जीतने में सक्षम होगी। अध्यक्ष कलिता ने पहले चरण के चुनाव में भाग लेने और मतदान करने वाले प्रत्येक जागरूक नागरिक को धन्यवाद

दिया और समर्पित भाव के साथ चुनाव की प्रक्रिया में शामिल हर पार्टी कार्यकर्ता को भी धन्यवाद दिया। उधर, पार्टी की विचारधारा के साथ-साथ डबल इंजन सरकार के मजबूत कार्यों से आकर्षित होकर सुरेंद्र नाथ, सर जाकिर हुसैन, विजय रोंगहांग, सीए विजय अग्रवाल, प्रदेश कांग्रेस की गुवाहाटी जिला समिति के पूर्व पदाधिकारी सहित डेढ़ सौ से अधिक नेता और कार्यकर्ता औपचारिक रूप से भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। इस अवसर पर असम के मंत्री जयंत मल्लबरुवा, राज्य महासचिव दिप्लूरंजन शर्मा और पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे। पार्टी में नए लोगों का स्वागत करते हुए बरुवा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के पास लोगों और राष्ट्र की सेवा करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। भाजपा आम आदमी की पार्टी है, इसमें परिवारवाद के लिए कोई जगह नहीं है। जो लोग शामिल हुए वे आने वाले दिनों में पार्टी के सिद्धांत का पालन करके राष्ट्र निर्माण के कारण के लिए खुद को आत्मसमर्पण करेंगे। लोकसभा चुनाव पर टिप्पणी करते हुए मंत्री ने कहा कि लोगों ने मोदी की गारंटी पर विश्वास किया है। उन्होंने कहा कि पहले चरण में भारतीय जनता पार्टी पिछला रिकॉर्ड तोड़ेगी और सभी सीटें जीतेगी।

रंगिया : जिला निर्वाचन की सभी तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे प्रशासनिक अधिकारी

रंगिया (विभास)। लोकसभा चुनाव 2024 के दूसरे चरण में रंगिया निर्वाचन जिला के अंतर्गत 31नम्बर रंगिया और 32 नंबर कमलपुर विधानसभा क्षेत्र में आगामी 26 अप्रैल को मतदान कराया जाएगा। इसके लिए रंगिया निर्वाचन जिला सभी तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटा हुआ है। इन दोनों विधानसभा क्षेत्र में स्वच्छ और शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव संपन्न कराने के लिए रंगिया के महकमाधिपति तथा जिला निर्वाचन अधिकारी देवाशीष गोस्वामी के दिशानिर्देशों पर प्रशासन के सभी अधिकारी निर्वाचन की तैयारियों से जुड़ी सभी प्रक्रियाओं को पूर्ण करने की कवायद में लगा हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रंगिया निर्वाचन जिला के अंतर्गत 31 नंबर रंगिया और 32 नंबर कमलपुर

विधानसभा क्षेत्रों के अंतर्गत शहरी और ग्रमीण कुल भाग 476, शहरी और ग्रमीण कुल पीएसएलएस 294, क्रिटिकल पीएस 7, वेबकास्टिंग के लिए पीएस 262 सहित युवा मतदान केंद्र- संख्या 2, पीडब्ल्यूडी मतदान केंद्र- संख्या 1, सभी महिला मतदान केंद्र- संख्या 40, आदर्श मतदान केंद्र संख्या 4 पर मतदान कराया जाएगा। वहीं 31 नंबर रंगिया विधानसभा क्षेत्र मे इसबार मतदाताओं की कुल संख्या 209851 है जिसमें 106574 पुरुष मतदाता और 103277 महिला मतदाताओं का समावेश है। दूसरी ओर 32 नंबर कमलपुर विधानसभा क्षेत्र में कुल मतदाताओं की संख्या 182440 है जिसमें 91849 पुरुष मतदाता और 90591 महिला मतदाता चिह्नित किए गए हैं। इसके अलावा जिले मे 1023 सर्विस वोटर के अंतर्गत 31 नंबर रंगिया विधनसभा क्षेत्र मे 648 और 32 नंबर कमलपुर विधानसभा क्षेत्र मे 375 मतदाता शामिल हुए है। इसबार 80 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों, जरूरी सेवाओं में जुटे कर्मचारियों के अलावा संभावित लोगों को पोस्टल बैलेट से मतदान की सुविधा दी गई है ।

रंगिया : डोलिसा ने हासिल की सफलता

रंगिया (विभास)। शनिवार को हाई स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट परीक्षा (एचएसएलसी) के घोषित नतीजो में रंगिया की डोलिसा कलिता ने प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण होकर रंगिया सहित समूचे अंचल का नाम रोशन किया है। स्व. टंकेश्वर कलिता की पुत्री पिताहीन डोलिसा की इस सफलता पर स्थानीय लोगों में खुशी का माहौल व्याप्त है। रंगिया के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्रा तथा एक गरीब परिवार में जन्मी डोलीसा पांच विषयों में लेटर अंक प्राप्त करते हुए प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुई है।

भगवान महावीर के जन्म कल्याणक के उपलक्ष्य में प्रभात फेरी का आयोजन

गुवाहाटी। हर वर्ष की भर्ती इस साल भी भगवान महावीर के जनकल्याण के उपलक्ष्य में एक दिन पूर्व विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।शनिवार से शुरू हुए इस दो दिवसीय महोत्सव के प्रथम दिन पुखराज पांडया के संयोजन में स्थानीय फैंसी बाजार स्थित श्री दिगंबर जैन (बड़ा) मंदिर से प्रात: 6 बजे प्रभात फेरी निकाली गई। जिसमें बड़ी संख्या में सकल दिगंबर जैन समाज के पुरुषों, महिलाओं एवं बच्चों ने हिस्सा लिया। प्रभात फेरी नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए एटी रोड स्थित महावीर भवनन धर्म स्थल में पहुंची।जहां अन्य कार्यक्रम संपादित हुऐ।कार्यक्रम में आठगांव,केदार रोड, रिहाबाड़ी, दिसपुर, पांडु आदि चेतयाल्य के कार्यकारिणी के सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में संजय रारा (जुलूस संयोजक),श्री दिगंबर जैन यूथ फेडरेशन, श्री दिगंबर जैन

महिला समिति एवं सकल जैन समाज के सभी सदस्यों का सराहनीय सहयोग रहा। इस अवसर पर सुरेश कुमार बाकलीवाल,संजय कु. गंगवालन, मनोज विनायक्या, अशोक चौधरी आदि के संयोजन में जुलूस में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की गई। जिसमें बड़ी संख्या में समाज के लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर दिगंबर जैन समाज के मंत्री वीरेंद्र कु. सरावगी, जय कु. छाबड़ा, निरंजन कु. गंगवाल, किशोर कु. काला, विजय कु. गंगवाल, अशोक कु. छाबड़ा, रामचंद्र सेठी, ताराचंद ठोलिया आदि लोगों के अलावा काफी संख्या में समाज के सदस्य उपस्थित थे। यह जानकारी प्रचार प्रसार विभाग के मुख्य संयोजक ओम प्रकाश सेठी एवं ससंयोजक सुनील कुमार सेठी द्वारा एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई है।

रंगिया में कल से श्री हनुमान जन्मोत्सव का आयोजन

रंगिया। प्रति वर्ष की तरह इस वर्ष भी रंगिया के श्री श्री राधाकृष्ण मंदिर प्रांगण में हनुमान जन्म महोत्सव बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। इस वर्ष मंदिर प्रांगण में 55 वां आयोजन मंदिर संचालन समिति के अध्यक्ष महेश सीकरिया, महामंत्री प्रमोद अग्रवाल, कोषाध्यक्ष प्रदीप जाजोदिया के तत्वावधान मे महोत्सव आयोजक समिति के संचालन मे आगामी 22-23 अप्रैल 2024 को दो दिवसीय आकर्षक कार्यक्रमो के साथ किया जा रहा है। यह जानकारी महोत्सव आयोजक समिति के अध्यक्ष जितेन्द्र जाजोदिया, सचिव कैलाश छित्रका और कोषाध्यक्ष आशिश लुंडिया द्वारा दी गई है। उन्होंने बताया कि इस बार कार्यक्रम के अंतर्गत आगामी 22 अप्रैल सोमवार को प्रात: धार्मिक ध्वजारोहण के बाद अखंड रामायण पूजन एवं पाठ प्रारंभ, पुष्पाभिषेक, 108 दीप प्रज्ज्वलन, रात्रि कीर्तन (श्री बजरंग भजन मंडली, रंगिया द्वारा) के बाद वहीं मंगलवार 23 अप्रैल को अखंड रामायण पाठ समापन एवं आरती, भव्य श्रृंगार दर्शन, ज्योत प्रज्ज्वलन, रंगिया नरेश की महाआरती, पुष्पांजलि एवं प्रसाद वितरण व महाप्रसाद प्रारंभ, रंगिया नरेश की शोभायात्रा, सायं महाआरती एवं छप्पन भोग अर्पण तथा रात्रि भजन कीर्तन का आयोजन किया जाएगा। महोत्सव के सभी कार्यक्रमो मे सभी समाजबंधुओं से सहयोग व उपस्थिति की कामना मंदिर संचालन समिति व आयोजक समिति के साथ सुंदरकांड समिति रंगिया, रंगिया महिला मंडल, मारवाड़ी सम्मेलन, रंगिया शाखा, अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन, रंगिया समिति, मारवाड़ी युवा मंच, की अमृत शक्ति शाखा व रंगिया शाखा ने की है।

कामरूप में मतदाता जागरूकता के लिए *वोट शिखा* जागरूकता रैली निकली

रंगिया (विभास)। जिला आयुक्त और जिला चुनाव अधिकारी कीर्ति जल्ली ने आज कामरूप निर्वाचन क्षेत्र के 29वें पलाशबाड़ी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत हालीगांव हायर सेकेंडरी स्कूल, रामपुर के मतदान केंद्र से मतदाता जागरूकता मार्च *वोट शिखा* का शुभारंभ किया, जिसका आधिकारिक उद्घाटन किया गया। यात्रा के हिस्से के रूप में, जिला आयुक्त कीर्ति जल्ली और अन्य प्रतिभागियों ने हालीगांव हायर सेकेंडरी स्कूल से पास के दहाली प्राइमरी स्कूल के मतदान केंद्र तक *वोट शिखा* नामक जलती हुई लौ लेकर मार्च किया। जिला आयुक्त ने हालीगांव हायर सेकेंडरी स्कूल से वोट लौ को पास के दहाली प्राइमरी स्कूल के मतदान केंद्र तक ले गए और मतदान केंद्र पर बीएलओ पर्यवेक्षक को सौंप दिया। बाद में लौ को एक अन्य जुलूस द्वारा मतदान केंद्र से अगले मतदान केंद्र तक ले जाया गया। यात्रा आगामी 5 मई तक कामरूप निर्वाचन क्षेत्र के समरिया, बोको-छगांव, पलाशबाड़ी और हाजो-शुवालकुची विधानसभा क्षेत्रों में 965 मतदान केंद्रों को कवर करेगी। इस कार्यक्रम में स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों, बीएलओ पर्यवेक्षकों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, छात्रों, स्कूल प्रबंधन

और विकास समितियों के सदस्यों और स्थानीय लोगों सहित लगभग 200 लोगों ने भाग लिया। *वोट शिखा* यात्रा कामरूप निर्वाचन क्षेत्र के चार विधानसभा क्षेत्रों में 965 मतदान केंद्रों को कवर करेगी। *वोट शिखा* यात्रा 5 मई को कामरूप जिले के अमीनगांव में जिला आयुक्त कार्यालय में समाप्त होगी। प्रत्येक मतदान केंद्र पर बूथ स्तर के अधिकारी और बीएलओ पर्यवेक्षक, स्थानीय गणमान्य व्यक्ति, स्वयं सहायता समूह के सदस्य, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता आदि मौजूद रहेंगे और यात्रा मतदाताओं के बीच मतदाता जागरूकता संदेश देगी। यह कार्यक्रम कामरूप चुनाव जिले के स्वीप (व्यवस्थित मतदाता शिक्षा और चुनाव भागीदारी) कार्यक्रम के तहत और असम राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की कामरूप जिला मिशन प्रबंधन इकाई के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। अपने भाषण में जिला आयुक्त कीर्ति जल्ली ने स्वस्थ लोकतंत्र के लिए चुनावी प्रक्रिया में नागरिकों की सक्रिय भागीदारी की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य सभी वर्गों के बीच जागरूकता पैदा करना है। *वोट लौ* यात्रा को 965 मतदान केंद्रों तक ले जाया जाएगा ताकि सभी को आगे आने और आगामी 7 मई को अपने मतदान के अधिकार का प्रयोग करने का आग्रह किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वोट शिखा असम-मेघालय सीमा क्षेत्रों सहित कामरूप निर्वाचन क्षेत्र के सभी क्षेत्रों को कवर करेगा और मतदाता जागरूकता बढ़ाएगा और अधिक मतदाताओं को भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करेगा। यात्रा में जिला विकास आयुक्त और स्वीप (व्यवस्थित मतदाता शिक्षा और चुनावी भागीदारी) सेल के नोडल अधिकारी सुशांत कुमार दत्ता, पलाशबाड़ी राजस्व सर्कल की सर्कल अधिकारी हिमाद्री बोरा, बोको राजस्व सर्कल के सर्कल अधिकारी (संलग्न) और स्वीप के सहायक अधिकारी शामिल थे। इस मौके पर जिला विकास आयुक्त सुशांत कुमार दत्ता ने कहा कि देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने में प्रत्येक मतदाता का वोट अमूल्य है। बाद में, जिला आयुक्त कीर्ति जल्ली ने कोचपारा, मिर्जा में एक विकलांग मतदाता डिंपी बोरो से उनके आवास पर मुलाकात की और उनसे विकलांग मतदाताओं के बीच जागरूकता कार्यक्रम के हिस्से के रूप में मतदान में भाग लेने का आग्रह किया।

संपादकीय

मायावती का 'अलग राज्य'

बसपा प्रमुख मायावती ने चुनाव प्रचार के दौरान पश्चिमी उप्र को एक अलग, स्वायत्त राज्य बनाने का मुद्दा उछाला है। जब मायावती 2007-12 के दौरान उप्र की मुख्यमंत्री थीं, तब भी वह इस मुद्दे पर मुखर थीं। देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह और उनके बाद भी इसी भूक्षेत्र को 'हरित प्रदेश' नामक राज्य बनाने को आंदोलन और अभियान छेड़े गए थे। 'हरित प्रदेश' राष्ट्रीय लोकदल के महत्वपूर्ण मुद्दों में एक था। चूंकि पश्चिमी उप्र जाट, किसान, गुर्जर बहुल आबादी का क्षेत्र है, जिनका बुनियादी पेशा कृषि है, लिहाजा 'हरित प्रदेश' नाम देने की बार-बार बात कही गई, लेकिन अब मायावती ने जो मुद्दा उठाया है, उसकी भावुकता 'हरित प्रदेश' से न जुड़ कर राजनीतिक और चुनावी अधिक है। बसपा को आम चुनाव, 2024 में कोई बड़ा फायदा मिलेगा, ऐसे आसार नहीं हैं, क्योंकि मायावती राजनीतिक तौर पर उतनी सक्रिय भी नहीं हैं। किसी भूखंड, क्षेत्र का पुनर्गठन कर नया, अलग राज्य बनाना आसान नहीं है। अलग राज्य के लिए संस्कृति, भाषा और जन-आंदोलन का होना बेहद अनिवार्य है। भाषायी आधार पर राज्यों के पुनर्गठन का सिलसिला 1953 में शुरू हुआ, जब आंध्रप्रदेश को प्रथम भाषायी राज्य बनाने की प्रक्रिया आरंभ की गई। तत्कालीन मैसूर राज्य और मद्रास राज्य के हिस्सों को अलग कर 'आंध्रप्रदेश' नए राज्य का पुनर्गठन किया गया। 2013-14 में आंध्रप्रदेश का विभाजन किया गया और 'तेलंगाना' नया, अलग राज्य बनाया गया। राज्य पुनर्गठन आयोग भारत सरकार का एक संस्थान है, जो नया, अलग राज्य बनाने की प्रक्रिया सम्पन्न करता है। आयोग राज्यों के विभिन्न विवादों का भी निपटान करता है। अलग राज्य बनाने के पीछे राजनीतिक समर्थन ही पर्याप्त नहीं, एक स्वतंत्र प्रशासनिक ईकाई स्थापित करना ही मकसद नहीं, बल्कि भाषा और संस्कृति अहम कारक होते हैं। आंध्रप्रदेश को भाषायी आधार पर अलग राज्य बनाने के बाद ही समस्याओं का समाधान नहीं हुआ। राज्य पुनर्गठन आयोग ने इसी मुद्दे का व्यापक अध्ययन किया और 1955 में निष्कर्ष दिया कि अलग राज्य बनाने के लिए भाषायी ही सबसे सशक्त आधार है। राज्य सिर्फ एक प्रशासनिक ईकाई, एक अलग, स्वतंत्र सरकार ही नहीं है, वहां लोकतांत्रिक संस्थानों की प्रक्रिया और कार्यप्रणाली भी भावनात्मक हो। भाषा इस संदर्भ में इसका माकूल जवाब हो सकती है। प्रशासन के प्रभावों का भी सवाल है। कभी प्रभावशीलता प्रशासनिक ईकाई के आकार से भी तय होती है। करीब अढाई दशक पहले 'हरित प्रदेश' रालोद का सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा था। आज नहीं है। इसी दौर में भाषायी आधार और क्षेत्रीय इतिहास, संस्कृति के आधार पर अलग राज्यों की मांगें मुखर होने लगीं। नतीजतन झारखंड, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़ राज्य बनाए गए। उनके मूल राज्य-बिहार, उप्र और मध्यप्रदेश इतने विशाल राज्य थे कि विभाजन होने के बावजूद कुछ और अलग राज्यों की मांगें गूंजती रहती हैं। आवास और शहरी मामलों की संसदीय कमेटी की एक रपट में अनुमान लगाया गया था कि राष्ट्रीय जीडीपी में शहरी भारत की हिस्सेदारी 65 फीसदी है, लिहाजा शहरी प्रभुत्व राज्य में राजनीतिक आयामों और गतिशीलता को बदल सकता है। राज्य सरकार को जो टैक्स मिलता है, उस पर भी स्वायत्त नियंत्रण इसी वर्चस्व से तय होगा। पश्चिमी उप्र का मुद्दा अपेक्षाकृत आर्थिक रूप से कमजोर क्षेत्र का होगा। तेलंगाना भी खेती वाला क्षेत्र था, जिसके अपने आर्थिक मतभेद थे। आंध्रप्रदेश से आज भी ऐसे कई मतभेद सुलझ नहीं पाए हैं, लेकिन हैदराबाद पर तेलंगाना का नियंत्रण है, यह काफी महत्वपूर्ण है। 2021-22 में तेलंगाना ने अपना करीब 79 फीसदी राजस्व अपने कर-संग्रह से ही प्राप्त किया, जबकि आंध्रप्रदेश को ऐसा 50 फीसदी राजस्व ही मिल सका। मायावती के मुद्दे पर गौर करें, तो सबसे पहले राज्य पुनर्गठन आयोग इस पर कैसे विचार करेगा? केंद्रीय कैबिनेट का विचार क्या होगा? सबसे महत्वपूर्ण है कि उप्र की कैबिनेट और विधानसभा का विचार क्या रहता है? बेशक सामाजिक और सांस्कृतिक कारक किसी भी राज्य के पुनर्गठन के बुनियादी आधार होते हैं, लेकिन आर्थिक पक्ष बहुत जरूरी है।

देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह और उनके बाद भी इसी भूक्षेत्र को 'हरित प्रदेश' नामक राज्य बनाने को आंदोलन और अभियान छेड़े गए थे। 'हरित प्रदेश' राष्ट्रीय लोकदल के महत्वपूर्ण मुद्दों में एक था। चूंकि पश्चिमी उप्र जाट, किसान, गुर्जर बहुल आबादी का क्षेत्र है, जिनका बुनियादी पेशा कृषि है, लिहाजा 'हरित प्रदेश' नाम देने की बार-बार बात कही गई, लेकिन अब मायावती ने जो मुद्दा उठाया है, उसकी भावुकता 'हरित प्रदेश' से न जुड़ कर राजनीतिक और चुनावी अधिक है। बसपा को आम चुनाव, 2024 में कोई बड़ा फायदा मिलेगा, ऐसे आसार नहीं हैं, क्योंकि मायावती राजनीतिक तौर पर उतनी सक्रिय भी नहीं हैं। किसी भूखंड, क्षेत्र का पुनर्गठन कर नया, अलग राज्य बनाना आसान नहीं है। अलग राज्य के लिए संस्कृति, भाषा और जन-आंदोलन का होना बेहद अनिवार्य है। भाषायी आधार पर राज्यों के पुनर्गठन का सिलसिला 1953 में शुरू हुआ, जब आंध्रप्रदेश को प्रथम भाषायी राज्य बनाने की प्रक्रिया आरंभ की गई। तत्कालीन मैसूर राज्य और मद्रास राज्य के हिस्सों को अलग कर 'आंध्रप्रदेश' नए राज्य का पुनर्गठन किया गया।

भाजपा को चुनाव के नाम पर करोड़ों की रकम दी, भाजपा उनका नाम क्यों नहीं उजागर कर रही है

आखिर यूपी में क्या सियासी गुल खिलाएगी राहुल-अखिलेश की जोड़ी? इसे ऐसे समझिए

कमलेश पांडे

कांग्रेस की गारंटी का मतलब समाज के समस्त दबे-कुचले लोगों के परवरिश और उत्थान की बात, जैसा कि उसमें समाविष्ट किया हुआ है। साफ शब्दों में कहें तो किसान-मजदूर-कारीगर, युवा, महिलाएं, कुटीर-लघु कारोबारी आदि के हित। दूसरा, रामनवमी के दिन ही इंडिया गठबंधन के पहले संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस का आयोजन होने और इस दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा नेता अखिलेश यादव द्वारा देशवासियों और पत्रकारों को रामनवमी की बधाई देने का स्पष्ट मकसद है कि इंडिया गठबंधन सनातन मर्यादाओं की उपेक्षा अब नहीं करेगा। क्योंकि 2014 और 2019 का नजीर उसके सामने है।

उत्तरप्रदेश में पहले चरण के मतदान से दो दिन पहले यानी गत बुद्धवार को दिल्ली से सटे गाजियाबाद महानगर के कौशांबी स्थित फाइव स्टार होटल रेडिसन ब्लू सभागार में, गाजियाबाद लोकसभा क्षेत्र की इंडिया गठबंधन की कांग्रेस प्रत्याशी डॉली शर्मा के समर्थन में कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने जो संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित किया, उसके सियासी मायने स्पष्ट हैं। यहां के शानदार मंच से दोनों नेताओं ने भाजपा की मोदी सरकार के प्रति जो तल्खी दिखाई, उससे यह सवाल उभरकर सामने आया कि आखिर यूपी में क्या सियासी गुल खिलाएगी राहुल-अखिलेश की जोड़ी? आपको पता होना चाहिए कि यूपी में कांग्रेस-सपा गठबंधन होने के बाद पहली बार दोनों नेता एक साथ, एक मंच पर दिखाई दिए और पत्रकारों के लाख कुरेदने के बावजूद भी संतुलित और सधे हुए अंदाज में जो बातें कहीं, उसके राजनीतिक मायने स्पष्ट हैं। पहला यही कि कांग्रेस-सपा की यह युगलबंदी लंबी चलेगी। क्योंकि पीएम पैदा करने वाले इस प्रदेश से यदि भाजपा और एनडीए गठबंधन को खदेड़ना है, तो पीएम के हवा-हवाई मुद्दों की बजाए राहुल गांधी-अखिलेश यादव के जमीनी मुद्दों यानी कांग्रेस की गारंटी (जिसमें इंडिया गठबंधन के मुद्दों को समाविष्ट किया गया है) की बात पर जोर देना होगा। कांग्रेस की गारंटी का मतलब समाज के समस्त दबे-कुचले लोगों के परवरिश और उत्थान की बात, जैसा कि उसमें समाविष्ट किया हुआ है। साफ शब्दों में कहें तो किसान-मजदूर-कारीगर, युवा, महिलाएं, कुटीर-लघु कारोबारी आदि के हित। दूसरा, रामनवमी के दिन ही इंडिया गठबंधन के पहले संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस का आयोजन होने और इस दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा नेता अखिलेश यादव द्वारा देशवासियों और पत्रकारों को रामनवमी की बधाई देने का स्पष्ट मकसद है कि इंडिया गठबंधन सनातन मर्यादाओं की उपेक्षा अब नहीं करेगा। क्योंकि 2014 और 2019 का नजीर उसके सामने है। लिहाजा, 2024 में पुरानी गलतियों से सबक लेने की कोशिश की गई है। शुरुआत भी अच्छी है। तीसरा, इस प्रेस वार्ता में राहुल गांधी का यह कहना कि ये चुनाव विचारधारा का चुनाव है, काफी अहम है। उनके शब्दों में, 'एक तरफ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा लोकतंत्र और संविधान को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं, दूसरी तरफ कांग्रेस

नीत इंडिया गठबंधन देश में लोकतंत्र और संविधान को बचाने की लड़ाई लड़ रही है। इससे साफ है कि कांग्रेस अपने पुराने मुद्दे पर अडिग है और सावधानी पूर्वक नए मुद्दों से खुद को जोड़ रही है, जो अच्छी बात है। चतुर्थ, बकौल राहुल गांधी, इस चुनाव में 2-3 बड़े मुद्दे हैं। वह है महंगाई, बेरोजगारी और भागीदारी। लेकिन इसके बारे में ना तो प्रधानमंत्री बात कर रहे हैं और ना ही बीजेपी बात कर रही है। यही वजह है कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर सीधे हमला बोलते हुए कहा कि हमारे प्रधानमंत्री कभी मुद्दों पर बात नहीं करते। मुद्दों पर बात करने की बजाय कभी वह समुद्र की गहराईयों में चले जाते हैं, तो कभी वह आसमान में सी प्लेन पर चले जाते हैं। संभवतया जनता भी इस बात को समझने लगी है, जिससे यूपी में राहुल-अखिलेश का ग्राफ ऊंचा उठने के संकेत मिलने लगे हैं। पांचवां, राहुल गांधी ने कहा कि पीएम ने एक साक्षात्कार में इलेक्टोरल बॉन्ड को सही बताया और चुनाव में पारदर्शिता लाने के लिए इसे जरूरी बताया। यदि यह सच है तो इस सिस्टम को सुप्रीम कोर्ट ने रद्द क्यों किया? उन्होंने यह भी कहा कि जिन लोगों ने भाजपा को चुनाव के नाम पर करोड़ों की रकम दी, भाजपा उनका नाम क्यों नहीं उजागर कर रही है। उन्होंने पीएम मोदी पर तंज कसते हुए यहां तक कहा कि इलेक्टोरल बॉन्ड अपने आपमें दुनिया का सबसे बड़ा संगठित घोटाला है। इसमें सरकारी एजेंसी और बीजेपी नेतृत्व की दोनों भूमिका संदेहास्पद है। इस प्रकार इलेक्टोरल बांड सबसे बड़ा एक्सटॉर्शन है। पीएम मोदी भ्रष्टाचार के चैंपियन हैं। विपक्ष के नेता का ऐसा तेवर तभी दिखता है, जब सत्तारूढ़ सरकार का अवसान सुनिश्चित होने का फीडबैक कार्यकर्ता देते हैं। छठा, राहुल गांधी से पहले संवाददाता सम्मेलन की शुरुआत करते हुए अखिलेश यादव का यह कहना कि ₹मुझे खुशी है आज हम मिलकर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे हैं, बेहद अहम है।₹ उन्होंने तो साफ कहा कि यूपी में गाजियाबाद से लेकर गाजीपुर तक भाजपा का सफाया होने जा रहा है। भाजपा की हर बात झूठी निकली। न किसान की आय दोगुनी हुई, न युवाओं को रोजगार मिला, विकास के वादे भी अधूरे हैं। इलेक्टोरल बॉन्ड ने इनकी पोल खोल दी है। भाजपा भ्रष्टाचारियों का गोदाम बन गई है। लूट और झूठ भाजपा की पहचान बन गई है। इसलिए मोदी-योगी सरकार से मुक्ति के लिए सामूहिक प्रयास करने होंगे। कार्यकर्ताओं को तालमेल बिठाकर चलना होगा। सप्तम, अखिलेश यादव का यह कहना कि गाजियाबाद यानी पश्चिम उत्तरप्रदेश से चल रही हवा पूर्वी यूपी में गाजीपुर तक जाएगी और पूरे देश में बदलाव लाएगी। हमारा इंडिया गठबंधन गाजियाबाद से गाजीपुर तक क्लीन स्वीप करेगा। हमें पूरी उम्मीद है कि इस बार केंद्र में इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी, काफी अहम है। उनका यह कहना कि इस बार पश्चिम से बदलाव की हवा चली है। जनता भाजपा के झूठ और वादा खिलाफी से तंग आ चुकी है। इलेक्टोरल बॉन्ड ने भाजपा की बैंड बजा दी है। भाजपा भ्रष्टाचारियों का गोदाम बनकर रह गई है। उनकी इन बातों से साफ संकेत मिलता है कि उनके द्वारा शुरू किया हुआ पीडीए अभियान अपनी जमीनी पकड़ बना चुका है, जिसका आत्मविश्वास उनके शब्दों से झलक रहा है। कांग्रेस को भी इसका फायदा मिलेगा। अष्टम, आगामी चुनाव में सीटों की संख्या को लेकर पत्रकारों के सवालों के जवाब देते हुए राहुल गांधी का यह कहना कि पहले उन्हें लगता था कि बीजेपी 180 सीट जीत जाएगी, लेकिन अब उन्हें लग रहा है कि बीजेपी 150 सीटों पर सिमट जाएगी। इससे साफ जाहिर है कि मीडिया रिपोर्ट के उलट भी उनका जमीनी तंत्र सक्रिय है और उन्हें लगातार फीडबैक मिल रहे हैं। तभी तो उन्होंने कहा कि ₹हर राज्य से रिपोर्ट मिल रही है कि हम अच्छा कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश में हमारा गठबंधन बहुत मजबूत है और हम अच्छा करेंगे।₹ नवम, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने साफ कहा है कि गठबंधन तीन प्रमुख मुद्दों पर चुनाव लड़ रही है। इसमें पहला बेरोजगारी, दूसरा महंगाई और तीसरा भागीदारी है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में हर बार परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होता है जिससे लाखों युवा आहत होते हैं। इसलिए, जब गठबंधन की सरकार आएगी तो वह युवाओं को रोजगार देगी। वहीं, प्रत्येक परिवार की एक महिला को सालाना एक लाख रुपये देगी।

दृष्टि कोण

हवाइयां उड़ातीं हवाई टिकट की कीमतें... फिलहाल एयर टिकट की कीमत में कमी के आसार नहीं

भारत की इंडिगो एयरलाइन 1.47 लाख करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण के साथ दुनिया की तीसरी बड़ी विमानन कंपनी बन गई है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) के अद्यतन आंकड़ों के मुताबिक, यात्रियों की संख्या के हिसाब से भारत के विमानन क्षेत्र में इंडिगो एयरलाइन की 60.2 प्रतिशत की हिस्सेदारी है, जबकि दूसरे स्थान पर एयर इंडिया है, जिसकी हिस्सेदारी 12.2 प्रतिशत है। विगत छह महीनों में इंडिगो एयरलाइन के शेयर में 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। जबकि पिछले एक साल में इसके शेयरों ने निवेशकों को 102.55 प्रतिशत का प्रतिफल (रिटर्न) दिया है। पिछले महीने इसके शेयर ने निवेशकों को 18.25 प्रतिशत का प्रतिफल दिया है। इस साल एक जनवरी से अब तक इसके शेयर ने निवेशकों को 27.78 प्रतिशत का प्रतिफल दिया है। इंडिगो एयरलाइन ने दो फरवरी, 2024 को वित्त वर्ष 2023-24 के दिसंबर तिमाही के नतीजे की घोषणा की थी, जिसके अनुसार इंडिगो का शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 110.7 प्रतिशत बढ़कर 2,998 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले साल की समान तिमाही में इसने 1,422.6 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा दर्ज किया था। इतना ही नहीं, दूसरी तिमाही में भी इंडिगो ने 188.9 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा दर्ज किया था। विगत पांच वर्षों में पहली बार किसी भारतीय विमानन कंपनी ने किसी भी वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में मुनाफा दर्ज किया है, क्योंकि दूसरी तिमाही विमानन उद्योग के लिए कमजोर मांग वाला सीजन माना जाता है। इंडिगो का दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा एयरलाइन बनना निश्चित रूप से हर्ष एवं गौरव का विषय हो सकता है। यह शेयर बाजार में निवेश करने वाले निवेशकों के लिए भी खुशी की बात हो सकती है, क्योंकि इसके शेयर में निवेश करके निवेशकों ने काफी कमाई की है, लेकिन यह जरूरतमंद यात्रियों के लिए खुशी की बात कतई नहीं हो सकती है। मौज-मस्ती के लिए हवाई यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए एयर टिकट की कीमत ज्यादा मायने नहीं रखती है, लेकिन किसी बीमार का इलाज के लिए सफर करने या नौकरी में योगदान देने, जरूरी मीटिंग में शामिल होने, आदि के लिए यात्रा करने वालों के लिए लगातार एयर टिकट की कीमत में इजाफा परेशानी का कारण बन गया है। यात्रा वेबसाइट इक्सिगो के विश्लेषण से पता चला है कि एक से सात मार्च की तुलना में एक से सात अप्रैल की अवधि में कुछ

हवाई मार्गों पर किराया 39 प्रतिशत तक बढ़ गया है। इस अवधि में दिल्ली से बंगलूरू के बीच के उड़ानों के लिए एक तरफ का किराया 39 प्रतिशत तक बढ़ गया है, जबकि दिल्ली से श्रीनगर के हवाई किराये में 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो एयरलाइन के पास 320 से ज्यादा विमानों का बेड़ा है, जो हर दिन 1,900 से ज्यादा फेरे घरेलू और अंतरराष्ट्रीय शहरों में लगाते हैं। वर्ष 2024 में 150 नए विमानों को घरेलू उड़ान हेतु बेड़े में जोड़ा गया है। फिर भी यह घरेलू मांगों को पूरा करने में असमर्थ है। घरेलू यात्रियों की संख्या में वर्ष दर वर्ष के आधार पर 24 प्रतिशत की वृद्धि हो रही है। 2023 में घरेलू यात्रियों की संख्या 15.2 करोड़ से अधिक हो गई है। विमानन उद्योग मांग के अनुरूप क्षमता बढ़ाने में कई चुनौतियों से जूझ रहा है। घरेलू मार्गों पर भी बड़े विमानों का उपयोग हो रहा है। बावजूद इसके, मांग और आपूर्ति के बीच खाई बनी हुई है। इंडिगो को छोड़ दूसरी एयरलाइंस की उड़ानें गाहे-बगाहे रद्द होने और यात्री मांग में मजबूती के कारण हवाई किराये में 20 से 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो चुकी है। गर्मियों में घरेलू उड़ानों में यात्रियों को टिकट के लिए अधिक भुगतान करना पड़ रहा है। सभी एयरलाइंस के टिकटों की कीमत आसमान छू रही है। गर्मी की छुट्टियों में इसमें बढ़ोतरी का अंदेशा है। हालांकि, 18 से 24 महीने पहले भारत में एयर टिकट की कीमत काफी सस्ती थी। एयर टिकट की कीमत मांग और आपूर्ति के आधार पर तय होती है। वैसे, विमानन मंत्रालय के अधीन काम करने वाली संसदीय स्थायी समिति ने भी छुट्टियों और त्योहारों के दौरान एयर टिकट की कीमत वृद्धि पर रोक लगाने पर जोर दिया है। बावजूद इसके, एयर टिकट की कीमत में कमी के आसार नहीं हैं, क्योंकि आज बड़ी संख्या में विमान जमीन पर खड़े हैं और परिचालनगत समस्याओं की वजह से विमानों का परिचालन भी रद्द हो रहा है।

कुछ अलग

स्वास्थ्य पेय के नाम पर भ्रामक प्रचार

यह विडंबना है कि देश में नियामक कानून न होने की वजह से अनेक राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय कंपनियां बच्चों की सेहत बनाने के दावे के साथ मुनाफे का कारोबार करती रही हैं। जिसमें बोर्नविटा और इसी तरह के बहुराष्ट्रीय कंपनियों के पेय पदार्थ भी शामिल रहे हैं। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों को हाल ही में निर्देश दिया है कि बोर्नविटा और इसी तरह के पेय पदार्थों को स्वास्थ्य पेय श्रेणी से हटाया जाए। निश्चित रूप से इस कदम से ऐसे उत्पादों को लेकर पारदर्शिता सुनिश्चित करने और उपभोक्ता जागरूकता बढ़ाने की दिशा में सार्थक पहल हुई है। दरअसल, राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग की जांच के बाद सामने आया था कि खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के तहत स्वास्थ्य पेय की कोई आधिकारिक परिभाषा नहीं थी। जिसका फायदा कारोबारी कंपनियां अपने उत्पादों को स्वास्थ्यवर्धक बताकर उठाती रही हैं। कैसी विडंबना है कि जिस उत्पाद को कंपनियां स्वास्थ्यवर्धक बताकर वर्षों तक अभिभावकों से मुनाफा कमाती रही, वही उत्पाद बच्चों के लिये स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां भी पेश करता रहा है। वहीं दूसरी ओर इसी महीने की शुरुआत में, भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने भी खुलासा किया था कि डेयरी, अनाज या माल्ट आधारित पेय पदार्थों को स्वास्थ्य या ऊर्जा बढ़ाने वाले पेय के रूप में लेबल नहीं किया जाना चाहिए। दरअसल, स्वास्थ्यवर्धक व ऊर्जा बढ़ाने वाले पेय के नाम पर बड़ा गोरखधंधा होता रहा है। साथ ही स्वास्थ्यवर्धक पेय के नाम पर अतिरिक्त कीमत वसूली जा रही है। विश्वास किया जाना चाहिए कि भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण की सार्थक पहल के सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे तथा उपभोक्ताओं के दोहन की प्रवृत्ति पर अंकुश लगेगा। निश्चित रूप से तंत्र की काहिली और निगरानी करने वाले विभागों की मिलीभगत से यह खेल दशकों से बदस्तूर जारी था। देर से ही सही, तंत्र ने उपभोक्ता के हितों की रक्षा के लिये पहल की और विश्वास किया जाना चाहिए कि अन्य मामलों में भी उपभोक्ता हितों को बढ़ावा दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि स्वास्थ्यवर्धक बताकर बेचा जा रहा बोर्नविटा तब विवादों में घिर गया था जब इसके पोषण संबंधी दावों, खासकर इसमें मौजूद चीनी की मात्रा के बाबत सवाल पूछे गए थे। इस विवाद ने ही कालांतर ऐसे एनर्जी ड्रिंक्स की हकीकत का पुनर्मूल्यांकन करने की जरूरत बतायी। सवाल उठे कि कैसे ऐसे उत्पादों की बिक्री और लेबलिंग की जा रही है। हालांकि, बोर्नविटा ने इस प्रतिक्रिया और विवाद के बाद अपने उत्पाद में चीनी की मात्रा को घटाया था। लेकिन भ्रामक आधार पर स्वास्थ्यवर्धक की लेबलिंग के मुद्दे ने पूरे उद्योग जगत को अपने निशाने पर ले लिया। उल्लेखनीय है कि बाजार में 'एनर्जी ड्रिंक' शब्द विशेष रूप से कार्बोनेटेड और गैर-कार्बोनेटेड दोनों तरह के स्वाद वाले पानी आधारित पेय पदार्थों को संदर्भित करता है। विडंबना यह है कि इन पेय पदार्थों को अकसर स्वास्थ्य पेय के नाम पर बाजार में उतारा जाता है और सामान्य पेय पदार्थों की तुलना में इनकी कीमत अधिक रखी जाती है। जबकि इन पेय पदार्थों में चीनी की अधिक मात्रा स्वास्थ्य के लिये गंभीर चुनौती पैदा करती है। खासकर बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर चुनौतियां पैदा हो सकती हैं। जिसमें छोटी उम्र में मोटापा, मधुमेह और दांतों से जुड़े कई रोग पैदा हो सकते हैं। दरअसल, देश में इन उत्पादों को लेकर नियामक दिशानिर्देश के अभाव से इस समस्या को विस्तार मिला है।

देश दुनीया से

चुनावों में चुनौती बन रहा चीन

ताइवान के अनुभवों के जरिये इसकी भी पड़ताल की गई है कि इनसे निपटने में सरकारों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों को किन चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। माइक्रोसॉफ्ट का कहना है कि चीन सोशल मीडिया के जरिये कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) द्वारा बनाई गई राजनीतिक सामग्री वितरित करेगा, जो 'इन हाई-प्रोफाइल चुनावों में उसके हितों को लाभ पहुंचा सकता है', क्योंकि एआई से तेजी से मीम्स, वीडियो और ऑडियो सामग्रियां बन रही हैं। कंपनी ने जून, 2023 से चीन और उत्तर कोरिया में 'कुछ उल्लेखनीय साइबर रुझान देखे हैं, जो न केवल अपने परिचित लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, बल्कि अपने लक्ष्यों को हासिल करने के लिए अधिक जटिल प्रभावी तकनीकों का उपयोग करने का भी प्रयास करते हैं।'

हाल के वर्षों में, प्रौद्योगिकी और राजनीति का जुड़ाव तेजी से स्पष्ट होता जा रहा है, जिससे लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में संभावित हस्तक्षेप को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। माइक्रोसॉफ्ट ने चेतावनी दी है कि चीन भारत के लोकसभा चुनाव सहित कई अन्य चुनावों को प्रभावित करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का दुरुपोयोग कर सकता है। यह लेख इस मुद्दे के बहुआयामी आयामों को रेखांकित करता है और तकनीकी, राजनीतिक और मनोवैज्ञानिक निहितार्थों की खोज करता है। ताइवान के अनुभवों के जरिये इसकी भी पड़ताल की गई है कि इनसे निपटने में सरकारों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों को किन चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। माइक्रोसॉफ्ट का कहना है कि चीन सोशल मीडिया के जरिये कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) द्वारा बनाई गई राजनीतिक सामग्री वितरित करेगा, जो 'इन हाई-प्रोफाइल चुनावों में उसके हितों को लाभ पहुंचा सकता है', क्योंकि एआई से तेजी से मीम्स, वीडियो और ऑडियो सामग्रियां बन रही हैं। कंपनी ने जून, 2023 से चीन और उत्तर कोरिया में 'कुछ उल्लेखनीय साइबर रुझान देखे हैं, जो न केवल अपने परिचित लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, बल्कि अपने लक्ष्यों को हासिल करने के लिए अधिक जटिल प्रभावी तकनीकों का उपयोग करने का भी प्रयास करते हैं।' माइक्रोसॉफ्ट ने दावा किया है कि चीनी साइबर हमलावरों ने तीन लक्ष्य क्षेत्रों को चुना है- दक्षिण प्रशांत द्वीप समूह के देश, दक्षिण चीन सागर क्षेत्र में उसके क्षेत्रीय विरोधी और अमेरिकी रक्षा औद्योगिक आधार। चीनी अभियान एआई-जेनरेटेड या एआई-समर्थित सामग्री को परिष्कृत करना जारी रखते हैं। इन अभियानों के पीछे के खिलाड़ियों ने एआई-जनरेटेड मीडिया को बढ़ाने की इच्छा दर्शाई है, जो उनके रणनीतिक आख्यानों को लाभ पहुंचाता है, साथ ही वे वीडियो, मीम्स और ऑडियो सामग्री भी बनाते हैं। चीन, मतदाताओं को सबसे ज्यादा किस चीज से विभाजित किया जा सकता है, इस पर मतदान कराने के लिए फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट का इस्तेमाल कर रहा है, ताकि मतभेद पैदा हो सकें। वह संभवतः अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे को भी अपने पक्ष में प्रभावित कर सकता है। उत्तर कोरिया ने अपने सैन्य लक्ष्यों और गुप्तचर जानकारी संग्रह को वित्तपोषित करने और आगे बढ़ाने के लिए क्रिप्टोकरंसी लूट और आपूर्ति शृंखला को बाधित करने वाले हमलों को बढ़ा दिया है। इसने अपने कार्यों को अधिक प्रभावी और कुशल बनाने के लिए एआई का उपयोग करना भी शुरू कर दिया है। सॉफ्टवेयर दिग्गज माइक्रोसॉफ्ट ने चीन द्वारा एआई का इस्तेमाल कर भारत, अमेरिका और दक्षिण कोरिया सहित कई देशों में चुनावों को बाधित करने की आशंका से संबंधित जो चेतावनी जारी की है, वह चिंताजनक है। माइक्रोसॉफ्ट थ्रेट इंटेलिजेंस से मिली जानकारी के अनुसार, चीन आगामी प्रमुख चुनावों में विशेष रूप से अपने हितों को आगे बढ़ाने के लिए एआई द्वारा बनाई गई सामग्री का इस्तेमाल कर सकता है। माइक्रोसॉफ्ट थ्रेट एनालिसिस सेंटर (एमटीएसी) की रिपोर्ट इस आसन्न खतरे को रेखांकित करती है कि 'इस साल दुनिया भर में होने वाले प्रमुख चुनावों को देखते हुए, खासकर भारत, दक्षिण कोरिया और अमेरिका में, चीन अपने हितों को लाभ पहुंचाने के लिए एआई जनरेटेड सामग्री बनाएगा और उसका प्रचार करेगा।' माइक्रोसॉफ्ट की चेतावनी ताइवान में राष्ट्रपति चुनाव के दौरान चीन के कथित ट्रायल रन की खबरों के बाद आई है, जहां उसने जनवरी में एआई द्वारा बनाई सामग्री के जरिये दुष्प्रचार का प्रयास किया था। रिपोर्ट में स्टॉर्म 1376 नामक एक बीजिंग समर्थित समूह का उल्लेख है, जिसे स्पैमोफ्लाज या ड्रैगनब्रिज के नाम से भी जाना जाता है, जो ताइवानी चुनाव के दौरान अत्यधिक सक्रिय था। यह राजनीतिक परिणामों को प्रभावित करने के लिए चीन द्वारा प्रौद्योगिकी के उपयोग के मामले का अध्ययन करता है और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में तकनीकी हस्तक्षेप की क्षमता को रेखांकित करता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता द्वारा बनाई गई सामग्री जनमत को प्रभावित करने के लिए संज्ञानात्मक पूर्वाग्रहों और मनोवैज्ञानिक कमजोरियों का फायदा उठा सकती है। माइक्रो टार्गेटिंग और भावनात्मक संदेश जैसी तकनीकों का लाभ उठाकर, एआई एल्गोरिदम इको चैंबर्स बना सकता है, जो मौजूदा विश्वासों को मजबूत करता है और समाज को ध्रुवीकृत करता है।

आप का नजरीया

बदला सियासी डीएनए

हिमाचल में लोकसभा चुनाव से कहीं अधिक चिराग उपचुनावों में जल रहे हैं। नई रोशनी के समाधान में कांग्रेस की रणनीति सिद्धहस्त होने का जरिया खोजती-खोजती जहां पहुंच रही है, वहां भाजपा भी शह और मात के खेल में कई रहस्यों के साथ खड़ी है। जाहिर तौर पर लोकसभा चुनावों में विधायकों की भूमिका में चुनाव की उम्मीदवारी मंडी से शिमला तक कांग्रेस के पैमानों में ताजगी भर चुकी है और अगर यही आजमाइश कांगड़ा में भी विधायक को उतार दे, तो भाजपा के सामने अगली पारी की बारी मुश्किल परीक्षा पैदा कर सकती है। हिमाचल में राज्यसभा सांसद के चुनाव ने राजनीति का डीएनए बदला है। जो पहाड़ में पहले असंभव था, अब होने लगा है, यानी कांग्रेस की अवतार रही पिछली जीत अगर छिटक कर विरोधी पक्ष के घोंसले में फिर से सपने बुन रही है, तो यह हर हालत में नई आजमाइश है। जाहिर है बागी विधायकों ने खुद की स्वीकार्यता में संपूर्ण राजनीति का रक्त बदला है। भाजपा की नसों में पूर्व में रहे कांग्रेस के छह विधायकों के रक्त का मिलन जौहर दिखाता है या समाज का असमंजस बढ़ाता है, लेकिन जिस तरह का घटनाक्रम हिमाचल में घटित हुआ है, उससे भाजपा ने नित नया डीएनए खुद पर सवार कर लिया है। इसके परिणाम कितने सुखद और कितने आश्चर्यजनक होते हैं, इसका अंदाजा लगाना किसी भी पार्टी के लिए फिलहाल मुश्किल है। यह ऐसा प्रयोग है जहां पृष्ठभूमि के अंगार अग्रिम भूमिका में हैं। कांग्रेस का विरोध कर कांग्रेस से दरकिनार हुए छह पूर्व विधायकों को अब अपनी पगड़ी पर चढ़ा भगवा रंग बचाना है, तो पृष्ठभूमि से खींचकर किरदार बचाना है। अचानक दो परिदृश्य भाजपा के परिप्रेक्ष्य में जिलों के कद्दावर नेताओं की बेचैनी बढ़ाते हैं। मसलन हमीरपुर में भाजपा के बड़े नेता का कद देखते हुए सियासत अपना डीएनए जांच रही है। इस लोकसभा क्षेत्र में सबसे अधिक विध्वंस हुए हैं, इसलिए चरित्र बनाम चरित्र का अधिकतम प्रयोग यहीं हुआ है। कल इबारतें अगर बदलती हैं, तो भाजपा का पदानुक्रम यानी हाइअराकि भी नए सिरे से लिखी जाएगी। कांगड़ा में भी सुधीर शर्मा की पेशकश में महज एक उपचुनाव की समीक्षा नहीं होगी, बल्कि भाजपा की अनुशंसा में कई नकाब भी बदलेंगे। जो चरित्र कांग्रेस से निकलकर भाजपा में घर कर रहा है, उससे पारंपरिक पार्टी कितने प्रतिशत रहेगी, यह साबित करने की चुनौती है। जो भी हो, कांग्रेस से भाजपा में आकर बने प्रत्याशियों ने मूल पार्टी के ढांचे में कुछ रिक्तता अवश्य पैदा की, लेकिन हिमाचल के समाज के सामने वे भी निरपराध नहीं हैं। क्या पार्टियों के पीछे भागती जनता ही नेताओं के पीछे भाग रही है या नेताओं के कारण नागरिक समाज पार्टियों को अहमियत दे रहा है। पिछले कुछ समय से नेताओं ने अपने वजूद की खातिर अलग से दरबार सजाकर नित नए प्रयोग किए हैं। प्रदेश में राजेंद्र राणा, होशियार सिंह व प्रकाश राणा का उदय उनकी अपनी हस्ती से तराशा हुआ प्रतिफल था। ये पहले नेता बने, फिर पार्टियों ने आजमाया। इन्हीं उदाहरणों से कई नेताओं ने एनजीओ की तरह अपनी राजनीतिक दुकानदारी शुरू की है और ये सफल भी हो रहे हैं। भाजपा ने गैर परंपरागत परिपाटी शुरू करते हुए हिमाचल के नक्शे पर उपचुनावों की परिस्थिति में जो अपनाया वह असाधारण है, लेकिन जो गंवाया वह भी साधारण नहीं है।

कांग्रेस विकास विरोधी पार्टी, मोदी ने जो कहा कर दिखाया : शाह

कोटा (हिंस)। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि अगर आपने 2019 में कांग्रेस को वोट दिए होते तो कोटा पीएफआई का गढ़ बन जाता। मोदी को वोट दिया तो पीएफआई का सफाया कर दिया। कांग्रेस विकास विरोधी पार्टी है। गहलोत सरकार ने पांच साल तक ईआरसीपी को आगे नहीं बढ़ने दिया। भजनलाल सरकार ने तीन महीने में ही ईआरसीपी का काम आगे बढ़ा दिया। हर गांव-ढाणी में ईआरसीपी का पानी पहुंचाने की मोदी की गारंटी है। शाह शनिवार को कोटा में भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशी ओम बिरला के समर्थन में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले शाह भीलवाड़ा पहुंचे थे। यहां भाजपा प्रत्याशी दामोदर अग्रवाल के समर्थन में विजय संकल्प महासभा को संबोधित किया था। इस सभा के माध्यम से शाह ने भीलवाड़ा जिले की जहाजपुर, मांडलगढ़, आसींद, मांडल, शाहपुरा, सहाड़ा, भीलवाड़ा और बूंदी जिले की हिंडोली विधानसभा को साधा। यह सभा जहाजपुर विधानसभा क्षेत्र के शक्करगढ़ में हुई। शाह ने कहा कि हमने बहुमत का उपयोग गरीबी को हटाने में किया, देश को सुरक्षित बनाने में किया, अर्थतंत्र को 11वें से 5वें नंबर पर लाने में किया। जब तक भाजपा का एक भी कार्यकर्ता जिंदा है, हम आरक्षण को हटाने नहीं देंगे। ये कांग्रेस पार्टी वाले झूठ फैला रहे हैं। देश के अर्थतंत्र को दुनिया में तीसरे नंबर पर लाने का काम नरेंद्र मोदी करेंगे। जब 200 रुपए की मटकी भी लेने जाए तो टकोरा लगाकर देखते हैं तो फिर देश का खजाना किसे सौंपना है, इसका पूरा ध्यान रखकर वोट करना। बिरला को जिता कर लोकसभा भेजिए, हम कोटा-बूंदी को देश का नंबर 1 लोकसभा क्षेत्र बनाएंगे। शाह ने कहा कि गहलोत पूरा राजस्थान छोड़कर अपने बेटे को जिताने में लगे हुए हैं। हम 400 पार की बात करते हैं तो कांग्रेस के पेट में दर्द होता है। ये झूठ के सरदार है। उन्होंने कहा कि कोटा की साड़ी और कोटा स्टोन को दुनियाभर में जीओ टेग दिलाने का काम भी भाजपा ने किया है। राहुल बाबा कहते थे अनुच्छेद-370 मत हटाओ, खून

की नदियां बह जाएगी। ये मोदी की सरकार है, खून की नदियां तो छोड़ो, कंकड़ चलाने की मजाल नहीं है किसी की। शाह ने कहा कि कोटा-बूंदी वालों बिरला को दिया गया एक-एक वोट, सीधा मोदी के अकाउंट में जमा होने वाला है। पहले चरण में सभी सीटों पर कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया है। 25 सीटों पर हैट्रिक लगाने का काम कोटा-बूंदी वालों को करना है। गृहमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के पास ना नीति है, ना नीयत है, ना नेता हैं। मोदी को वोट दीजिए और अगले पांच साल में भारत को दुनिया में उचित सम्मान वाले स्थान पर पहुंचाएंगे। मैं गुजरात से आया हूं, थोड़ा जोर से बोलो.. मेरे साथ दोनों हाथों को उठाओ और विजय के संकल्प की मुट्ठी बांधकर नारा लगाओ... जय श्रीराम। शाह ने कहा कि तीन करोड़ नए घर बनाकर दिए जाएंगे। अब सिलेंडर रिफिल कराने की जरूरत नहीं पड़ेगी। पाइपलाइन लगाकर सीधे घर तक गैस पहुंचाई जाएगी। अमित शाह ने कहा कि जो लोग वोट बैंक के लालच से रामलला के दर्शन नहीं करते है, उसे देश की जनता कभी माफ नहीं करेगी। मोदी ने देश को सुरक्षित और समृद्ध करने का काम किया है। मोदी ने भारत को 10 साल में 11वें नंबर की अर्थव्यवस्था से 5वें नंबर पर पहुंचा दिया। नरेंद्र मोदी ने सबसे बड़ा काम 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन देने का किया। शाह ने कहा कि मोदी ने एक झटके से ट्रिपल तलाक को हटाया। नई संसद बनाई। कर्तव्य पथ बनाया। अंग्रेजों के कानून को हटाकर नया कानून बनाया। 80 करोड़ गरीबों के कल्याण के लिए काम किया। मुफ्त राशन दिया। 12 करोड़ शौचालय बनाकर माताओं-बहनों का सम्मान किया। 10 करोड़ लोगों को उज्ज्वला का कनेक्शन दिया। 14 करोड़ जनता को नल से जल दिया। राजस्थान के भीलवाड़ा में रैली को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि ये राहुल बाबा और उनकी बहन हर तीन महीने में विदेश में छुट्टियां मनाने जाते हैं। प्रियंका गांधी चुनाव के बीच थाइलैंड छुट्टी मनाकर आई हैं। दूसरी ओर 23 साल से दीपावली की भी छुट्टी न लेने वाले नरेंद्र मोदी हैं। एक ओर सोनिया का एजेंडा है कि मेरे बेटे राहुल बाबा को प्रधानमंत्री बनाओ। दूसरी ओर मोदी का एजेंडा है मेरे भारत को महान भारत बनाओ...पिछले 10 साल के अंदर मोदी ने जितने भी वादे किए, वो सभी वादे उन्होंने पूरे किए। शाह ने कहा कि राजस्थान 25 की 25 सीटें भाजपा को देने जा रहा है। कल जो चुनाव हुआ है, उसमें 12 की 12 सीटें नरेंद्र मोदी की झोली में जा रही हैं। अशोक गहलोत का बेटा भी बड़ी मार्जिन से हार रहा है।

ऑल इंडिया लेवल पर 61वीं रैंक हासिल करने वाली खुशहाली सोलंकी का किया सम्मान

बीकानेर (हिंस)। संघ लोक सेवा आयोग की ओर से जारी परिणाम में बीकानेर की खुशहाली सोलंकी ने ऑल इंडिया लेवल पर 61वीं रैंक हासिल की है। खुशहाली सोलंकी की इस सफलता पर माली सैनी सामूहिक विवाह संस्थान द्वारा सम्मानित किया गया। माली सैनी सामूहिक विवाह संस्थान के अध्यक्ष कन्हैयालाल भाटी ने बताया कि समाज की बालिका का आगे बढ़ना समाज की प्रगति का सूचक है। बालिकाएं आगे बढेंगी तो परिवार और समाज पूर्णत: समृद्ध व संपन्न बनेगा। इस दौरान मधु तंवर, ललिता गहलोत, जयश्री गहलोत, नीलू तंवर, निकिता गहलोत, साक्षी तंवर, छवि तंवर, मुरली गहलोत, प्रेम गहलोत, एडवोकेट हरीश तंवर, गौरीशंकर भाटी, मुरली पंवार व जगदीश तंवर आदि उपस्थित रहे। इस दौरान खुशहाली के पिता राजेश सोलंकी जो वर्तमान में चूरू में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में अधिशाषी अभियंता के रूप में पदस्थापित हैं तथा माता संगीता सोलंकी बीकानेर में आईजीएनपी में क्वालिटी कंट्रोल विभाग में अधिशाषी अभियंता है का भी सम्मान किया गया।

पंजाब निवासी बलदेव लड़ रहे है अनंतनाग राजौरी सीट से चुनाव

अनंतनाग (हिंस)। अनंतनाग राजौरी लोकसभा सीट से महबूबा मुफ्ती, मियां अल्ताफ लावरी, जफर इकबाल मंहास व मोहम्मद सलीम पर्रे सहित कुल 25 उम्मीदावार चुनाव मैदान में है जबकि इनमें एक उम्मीदवार ऐसा भी है जो कि गैर स्थानीय है। पंजाब निवासी बलदेव कुमार यहां से एक निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन दाखिल किया है। ज्ञात रहे कि धारा 370 के निरस्त होने के बाद केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर में लोकसभा चुनाव लड़ने वाले बलदेव पहले बाहरी व्यक्ति बन गए हैं। बलदेव कुमार पंजाब के मोहाली के रहने वाले है। आपकों बता दें कि उनके पास डोमिसाइल भी नहीं है क्योंकि वो यहां के रहने वाले नहीं है।

गहलोत आए या उनकी टीम, यह मजबूत गढ़ किसी से ढहने वाला नहीं : वसुंधरा राजे

बारां (हिंस)। पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने कहा है कि बारां झालावाढ़ लोकसभा क्षेत्र से उनका तीन पीढ़ियों का रिश्ता है। इसलिए इस क्षेत्र में अशोक गहलोत आए या उनकी पूरी टीम। उनसे इस क्षेत्र में कोई फ़र्क़ पड़ने वाला नहीं है। उनके परिवार का यह मजबूत गढ़ किसी से ढहने वाला नहीं है। उन्होंने कहा यह उनके लिए सुखद संयोग है कि उनके सामने यहां तीन पीढ़ी बैठी है। एक उनकी उम्र की। दूसरी दुष्यंत के समय की और तीसरी 18 वर्ष के नवमतदाताओं की। इन तीन पीढ़ियों का प्यार ही उनकी असली ताकत है, जिसे उनसे कोई नहीं छीन सकता। राजे बारां जिले के छबड़ा, छीपाबड़ौद और हरनावदाशाहजी में भाजपा प्रत्याशी दुष्यंत सिंह के समर्थन में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में बोल रही थी। उन्होंने कहा कि चाहे वो आज मुख्यमंत्री नहीं है, लेकिन इस क्षेत्र का विकास वैसा ही होगा जैसा उनके मुख्यमंत्री रहते हुआ है। पूर्व सीएम ने कहा ऐसे लोगों से दूर रहें जो राजनीति में विकास के लिए नहीं भ्रष्टाचार के लिए आए हैं और चुनाव लड़ रहें है। वे बोली इस क्षेत्र से उन्हें 35 वर्षों से आशीर्वाद मिल रहा है। इस कालखंड में उन पर कोई ऊंगली नहीं उठा सकता। उन्होंने इस अवधि में जो विकास किया है वो किसी से छिपा नहीं है। इस दौरान पूर्व मंत्री प्रताप सिंह सिंघवी, जिला अध्यक्ष नंद लाल सुमन, पूर्व जिला अध्यक्ष जगदीश मीणा, प्रभारी पारस जैन, सभी मंडल अध्यक्ष मौजूद रहे।

नवादा में बहिष्कार किए गए मतदान केंद्रों पर दोबारा नहीं पड़ेंगे वोट : प्रशांत

नवादा (हिंस)। नवादा के डीएम सह जिला निर्वाची पदाधिकारी प्रशांत कुमार ने कहा है कि नवादा जिले के गोविंदपुर विधानसभा क्षेत्र के कोइल्जा तथा दनिया मतदान केंद्र पर वोट बहिष्कार किए जाने के बावजूद भी दोबारा मतदान नहीं कराया जाएगा। जिला प्रशासन के सारी व्यवस्था के बावजूद अगर स्वैच्छिक तरीके से मतदान नहीं किया गया तो निश्चित तौर पर यह मतदाताओं की जिम्मेदारी बनती है। वे शनिवार को समाहरणालय के सभा कक्ष में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह बड़ी ही खुशी की बात है कि शांतिपूर्ण तरीके से मतदान संपन्न कराया गया। आज तक भी किसी अप्रिय घटना जिले के किसी कोने में घटित होने की सूचना नहीं आई है। उन्होंने कहा कि 6 विधानसभा वाले नवादा लोकसभा क्षेत्र में सबसे अधिक वोट रजौली विधानसभा क्षेत्र में 46 प्रतिशत पड़े हैं तथा सबसे कम वोट वारसलीगंज विधानसभा क्षेत्र

में 40.69 प्रतिशत पड़े। डीएम ने बताया कि बरबीघा विधानसभा क्षेत्र में 44.28 प्रतिशत, नवादा विधानसभा क्षेत्र में 43.14 प्रतिशत, हिसुआ विधानसभा क्षेत्र में 44.12 प्रतिशत, गोविंदपुर विधानसभा क्षेत्र में 41.3 प्रतिशत मतदाताओं ने अपना मताधिकार का प्रयोग किया है। डीएम ने बताया कि 20 लाख 6 हजार 124 मतदाताओं में से 8 लाख 66 हजार 0735 मतदाताओं ने अपना मताधिकार का प्रयोग किया है। जो कुल मिलाकर 43.02त्न है। लोकसभा क्षेत्र में 42.64 प्रतिशत पुरुषों ने अपना मताधिकार का प्रयोग किया है। वही 42.15 प्रतिशत महिलाओं ने भी अपना मताधिकार का प्रयोग किया है। डीएम ने बताया कि गांव से मतदान केंद्र काफी दूर पढ़ने के कारण दनिया 328 मतदान केंद्र पर मताधिकार का प्रयोग नहीं किया गया था। 3:30 बजे अपराह्न के करीब ग्रामीणों को समझाने बुझाने के बाद 20 मत दिए गए। वही गोविंदपुर प्रखंड के कोयलजा मतदान केंद्र पर मतदाताओं ने एक भी मत नहीं डाले। वहां भी सड़क निर्माण को लेकर मतदाता में आक्रोश था। डीएम सह जिला निर्वाची पदाधिकारी ने बताया कि चुनाव आयोग से बात किया गया है। चुनाव आयोग का स्पष्ट मानना है कि आयोग की ओर से चुनाव कराने की सारी व्यवस्थाएं सही तरीके से की गई है लेकिन अगर मतदाताओं ने अपने कारणों से मताधिकार का प्रयोग करना उचित नहीं समझा। यह जिला प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है। यही वजह है कि उन स्थानों पर दोबारा मतदान नहीं कराया जाएगा। डीएम ने मतदान प्रतिशत कम होने के एक सवाल के जवाब में कहा कि अगली बार ईन बातों का ख्याल रखा जाएगा। पत्रकारों ने सवाल किया कि बीएलओ ने मतदाता पर्ची घरों में नहीं पहुंचाया। जिस कारण मतदाताओं ने अपना वोट नहीं डाला। डीएम ने कहा निश्चित तौर पर इसे ध्यान में रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि गर्मी तथा लू की वजह से ही कम ही मतदाता घर से निकले लेकिन समाज में बेहतर तरीके से जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। प्रेस वार्ता में प्रभारी जिला जनसंपर्क पदाधिकारी संजय कुमार भी उपस्थित थे।

पलामू लोकसभा सीट पर तीसरे दिन भी नहीं हुआ कोई नामांकन, मात्र एक फार्म बिका

पलामू (हिंस)। लोकसभा चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया के तीसरे दिन शनिवार को पलामू लोकसभा सीट से एक भी नामांकन नहीं हुआ। मात्र एक फार्म की बिक्री हुई। एसयूसीआई (सी) से महेन्द्र बैठा ने नामजदगी के पर्चे खरीदे। तीसरे दिन भी नामांकन का पर्चा लेने के लिए निर्वाची पदाधिकारी सह उपायुक्त शशि रंजन कार्यालय में मौजूद रहे लेकिन निर्धारित अवधि के भीतर किसी उम्मीदवार ने नॉमिनेशन नहीं किया। उल्लेखनीय है कि गुरुवार से नामांकन शुरू है। पिछले तीन दिनों के दौरान सात नामांकन पत्र बिके हैं। नामांकन 25 अप्रैल तक चलेगा। नामांकन का पर्चा समाहरणालय में निर्वाची पदाधिकारी के समक्ष भरा जाएगा। इसे लेकर समाहरणालय और आसपास सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। पर्याप्त संख्या में महिला-पुरुष सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है, जो आने-जाने वालों पर नजर बनाए हुए हैं। नामांकन जांच यानी स्क्रुटनी 26 अप्रैल को और नाम वापसी की अंतिम तिथि 29 अप्रैल है। काउंटिंग की तिथि चार जून निश्चित है। 13 मई को चौथे फेज में पलामू के साथ लोहरदगा, खूंटी और सिंहभूम में भी मतदान कराया जाएगा। पलामू जिले में चौथे के साथ-साथ पांचवें चरण में भी चुनाव होगा। पांचवें चरण का मतदान 20 मई को निर्धारित है। पलामू के पांकी विधानसभा क्षेत्र के चतरा संसदीय क्षेत्र में पड़ने के कारण उसका चुनाव पांचवें चरण में होगा। पलामू संसदीय सीट के अंतर्गत छह विधानसभा क्षेत्र आते हैं जबकि चतरा के अंतर्गत चार विधानसभा क्षेत्र पड़ते हैं। मतदाताओं की बात करें तो इस बार के चुनाव में पलामू में 17 लाख 1327 मतदाता हैं।

पीएलएफआई एरिया कमांडर सहित दो गिरफ्तार

पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) (हिंस)। जिला मुख्यालय चाईबासा में पुलिस ने पीएलएफआई के एरिया कमांडर समेत दो उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। इनमें एरिया कमांडर सोमा हेंब्रम और बिरसा खंडाइत शामिल हैं। दोनों की गिरफ्तारी गोईलकेरा थाना क्षेत्र के चितिर पहाड़ी के पास से हुई। इनके पास से पुलिस ने दो एके 47, नौ मैगजीन, 188 राउंड गोली, 50 हजार रुपए और मोबाइल फोन बरामद किया है। एसपी आशुतोष शेखर ने शनिवार को कार्यालय में प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि गोईलकेरा थाना क्षेत्र के जंगली और पहाड़ी क्षेत्र में एरिया कमांडर सोमा हेम्ब्रम के कुछ सदस्यों के साथ भ्रमणशील है।

अखिलेश के पीडीए का अर्थ पारिवारिक डेवलपमेंट अथॉरिटी : भूपेंद्र

पश्चिम से लेकर पूरब तक सपा-कांग्रेस की हार सुनिश्चित

लखनऊ (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने अखिलेश यादव द्वारा चुनावी रैली में लगाए गए आरोपों पर करारा पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव पीडीए का नारा दे रहे हैं, जिसका असली अर्थ पारिवारिक डेवलपमेंट अथॉरिटी है। जिस तरह से उन्होंने अपने परिवारीजनों को टिकट बांटे हैं, उससे स्पष्ट है कि उनकी नीयत पीड़ित और दलितों के विकास की नहीं, बल्कि अपने परिवार के विकास को लेकर है। भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि सपा-कांग्रेस की पश्चिम से लेकर पूरब तक हार सुनिश्चित है। जनता जनार्दन पहले ही दो लड़कों और बुआ-बबुआ की जोड़ी को सिरे से नकार चुकी है। एक बार फिर वही पुरानी दो लड़कों

की जोड़ी यूपी आई है और फिल्म की शूटिंग कर रही है। लेकिन प्रदेश की जनता को रील नहीं रियल डेवलपमेंट चाहिए जो विगत 10 वर्ष में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और 7 वर्ष में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में मिल रहा है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि जनता जानती है कि ये किसानों का, युवाओं का और गरीबों का हक मारने वाले लोग हैं। ये सामूहिक नकल के हिमायती लोग हैं, नौकरियों में भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने वाले लोग हैं। अब यह भेष बदलकर जनता को बरगलाना चाहते हैं, लेकिन भूल रहे हैं कि 2014, 2017, 2019 और 2022 में जनता के आगे उनकी एक नहीं चली तो अब क्या चलेगी। भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि अखिलेश जानते हैं कि अकेले दम पर वह उत्तर प्रदेश में भाजपा का सामना नहीं कर सकते। इसीलिए वो दूसरे दलों के साथ गठबंधन कर रहे हैं, लेकिन अफसोस कि उन्होंने जिन दलों से गठबंधन किया है, उनका वजूद ही यूपी से खत्म हो चुका है।

यूपी बोर्ड : जेल में रहकर परीक्षा देने वालों का भी परिणाम रहा उत्साहजनक

प्रयागराज (हिंस)। हमारे प्रदेश में होनहारों की कमी नहीं है। जेल में रहकर भी अपने को संतुलित करना बड़ी बात होती है। जेल में विद्यार्थियों ने भी यूपी बोर्ड की परीक्षा दी और उनका रिजल्ट काफी उत्साहजनक रहा। हाईस्कूल की परीक्षा परिणाम में 97.80 एवं इंटरमीडिएट में 82.86 प्रतिशत रहा। यूपी बोर्ड के सचिव दिव्यकांत शुक्ल ने बताया कि हाईस्कूल की परीक्षा में कुल 26 जेलों में परीक्षा कराई गई थी। जिसमें 115 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया था। उसमें 91 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी और 89 परीक्षार्थी अर्थात 97.80 प्रतिशत उत्तीर्ण हुए। वहीं इंटरमीडिएट की आयोजित परीक्षा में कुल 27 जेलों में परीक्षा कराई गई। जिसमें 135 ने पंजीकरण कराया और 105 ने परीक्षा दी। जिसमें 87 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए। जेल में निरुद्ध कैदियों में सबसे ज्यादा पंजीकृत विद्यार्थी गाजियाबाद के रहे। हाईस्कूल में जहां 19 छात्र रहे वहीं इंटर की परीक्षा में 23 छात्र रहे। बोर्ड सचिव ने बताया कि इस प्रकार हाईस्कूल में 24 ने परीक्षा छोड़ दी और केवल दो छात्र अनुत्तीर्ण रहे। इसी प्रकार इंटरमीडिएट परीक्षा में कुल 30 कैदी छात्रों ने परीक्षा छोड़ दी और 18 बच्चे अनुत्तीर्ण रहे।

सपा विधायक इरफान सोलंकी के आगजनी मामले में आठवीं बार टला फैसला

कानपुर (हिंस)। महाराजगंज जेल में बंद सपा विधायक इरफान सोलंकी के खिलाफ दर्ज आगजनी के मामले में आठवीं बार शनिवार को फैसला टल गया। एमपी-एमएलए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश सत्येंद्र नाथ त्रिपाठी ने अब अगली तारीख 26 अप्रैल नियत की है। कोर्ट कुछ बिंदुओं पर बचाव पक्ष से लिखित में बहस करना चाहती है जिसको लेकर निर्देशित किया गया है। यानी 26 अप्रैल को भी फैसला नहीं आएगा और सिर्फ लिखित बहस अभियोजन और बचाव पक्ष की ओर से होगी। सीसामऊ सीट से सपा विधायक इरफान सोलंकी व उसके भाई रिजवान समेत एक दर्जन लोगों पर आरोप है कि अपने आवास के पास ही नजीर फातिमा के प्लॉट पर कब्जा करना चाहते थे। इसी को लेकर साजिशन आरोपितों ने प्लॉट पर बनी झोपड़ी में आग लगा दी थी। मामले की सुनवाई कानपुर एमपी-एमएलए कोर्ट में चल रही है और शनिवार को एक बार फिर कोर्ट ने फैसला यह कहते हुए टाल दिया कि कुछ बिंदुओं पर लिखित बहस की जरुरत है। कोर्ट ने अगली तारीख 26 अप्रैल नियत की है। हालांकि पिछली बार की भांति इस बार भी विधायक इरफान सोलंकी वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश हुए। वहीं उनके भाई रिजवान समेत अन्य आरोपी कोर्ट में सीधे पेश हुए। आगजनी मामले में अभियोजन और बचाव पक्ष की बहस एक मार्च को पूरी हो गई थी। इसके बाद कोर्ट ने फैसले के लिए 14 मार्च की तारीख नियत की थी। 14 को शरीफ और शौकत को नई जमानतें दाखिल करने के लिए समय दिया गया था और 19 मार्च की तारीख नियत कर दी गई थी। 19 मार्च को न्यायाधीश के अवकाश पर होने के कारण फैसला टल गया था और 22 मार्च की तारीख फैसले के लिए नियत की गई थी। 22 मार्च को कोर्ट ने दोनों पक्षों की दोबारा संक्षिप्त बहस सुनकर फैसले के लिए 28 मार्च की तारीख नियत की थी।

हमारा मुकाबला बीजेपी या उसकी ए-बी टीम से नहीं : उमर अब्दुल्ला

पुलवामा (हिंस)। नेकां ने देरि मुर्रन पुलवामा में एक सार्वजनिक रैली का आयोजन किया। रैली के दौरान पार्टी उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला, श्रीनगर लोकसभा सीट के प्रत्याषी आगा सईद रौहल्लाहा, जिला अध्यक्ष पुलवामा मोहि-उद-दीन मीर, पूर्व विधायक खलील बंद और असदुल्ला इलाही ने लोगों को संबोधित किया। रैली के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उमर अब्दुल्ला ने कहा कि हमारा मुकाबला अब बीजेपी और उसकी ए और बी टीमों से नहीं है, बल्कि दक्षिण कश्मीर में हमारे करीबी सहयोगियों में से एक से है।

कटिहार में नीतीश कुमार ने परिवारवाद को लेकर लालू यादव पर चलाया जुबानी तीर

कटिहार (हिंस)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को कटिहार के डुमरिया में एनडीए प्रत्याशी दुलालचंद गोस्वामी के पक्ष में जनसभा को संबोधित किया। नीतीश कुमार ने अपने भाषण में पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव पर जमकर जुबानी तीर चलाया। उन्होंने परिवारवाद को लेकर कहा कि भ्रष्टाचार के आरोप में लालू यादव जब मुख्यमंत्री पद से हटे तो उन्होंने अपनी पत्नी (राबड़ी देवी) को मुख्यमंत्री बना दिया, दो बेटा को मंत्री और अब दो बेटी को भी लोकसभा चुनाव लड़ा रहे हैं। उन्होंने लालू यादव पर तंज कसते हुए कहा कि भला इतना बच्चा कोई पैदा करता है क्या? मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले बिहार में जंगलराज कायम था। जब बिहार में एनडीए की सरकार बनी तो जंगलराज का खात्मा हुआ। अब यहां सात निश्चय कार्यक्रम के तहत शिक्षा, सड़क, अस्पताल, आवास सहीत सभी क्षेत्रों में विकास हुआ है। मुख्यमंत्री ने राजद पर मुसलमानों के साथ छल करने का आरोप लगाते हुए कहा कि एनडीए के शासन काल में बिना कोई भेदभाव के उन्होंने समाज के हर तबके के लिए काम किया।

आईएनडीआईए की सरकार बनी तो गरीब परिवार की एक महिला को देंगे एक लाख की राशि : राहुल गांधी

भागलपुर (बिहार) (हिंस)। राज्य के भागलपुर के सैंडिस कंपाउंड में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि इस बार के लोकसभा चुनाव में भाजपा को 150 से अधिक सीटें नहीं मिलने वाली है। यह चुनाव संविधान को बचाने का चुनाव है। उन्होंने कहा कि देश के अरबपतियों का मोदी सरकार ने 16 लाख करोड़ का कर्ज माफ कर दिया। आईएनडीआईए की सरकार बनेगी तो जितना कर्ज पूंजीपतियों का माफ किया गया, उतना कर्ज किसानों का भी माफ किया जाएगा। राहुल गांधी ने कहा कि यूपीए शासन काल में किसानों का कर्ज माफ हुआ था लेकिन भाजपा सरकार ने पूंजीपतियों का जितना कर्ज माफ किया उतनी राशि से कई बार किसानों का कर्ज माफ हो सकता है। उन्होंने कहा कि आईएनडीआईए की सरकार बनने के बाद गरीब परिवार की एक महिला सदस्य के खाते में एक लाख रुपए ट्रांसफर कर दिया जाएगा। हर महीने में 8, 500 रुपए डाल दिए जाएंगे। इस राशि का उपयोग महिला को परिवार की आजीविका चलाने के लिए करना होगा। राहुल ने कहा कि महालक्ष्मी योजना के तहत सारे गरीब परिवारों की लिस्ट निकाली जाएगी और उस परिवार से एक महिला चुनी जाएगी। उसी महिला के बैंक खाते में राशि ट्रांसफर की जाएगी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की अग्निवीर योजना को केंद्र में आईएनडीआईए की सरकार बनने के बाद खत्म कर देंगे। राहुल गांधी ने कहा कि मोदी सरकार ने हिंदुस्तान को बेरोजगारी का केंद्र बना रखा है। देश के युवा हर दिन सात-आठ घंटे इंस्टाग्राम और फेसबुक में लगे रहते हैं। मोदी सरकार ने देश में बेरोजगारी फैला दी है। इसलिए इंडिया अलायंस ने सत्ता में आने के बाद हर ग्रेजुएट और डिप्लोमा होल्डर के लिए पहली नौकरी पक्की करने की योजना बनाई है। राहुल ने कहा कि इस योजना के तहत हर ग्रेजुएट और डिप्लोमा होल्डर को अप्रेंटिस ट्रेनिंग का अधिकार दिया जाएगा। जैसे केंद्र सरकार ने मनरेगा का अधिकार दिया उसी तरह से अब हर ग्रेजुएट को पहली नौकरी का अधिकार देगी। इसके तहत निजी, पीएसयू और सरकारी क्षेत्र में युवाओं को नौकरी मिलेगी और एक साल अच्छा काम करने वाले युवाओं को परमानेंट जॉब मिलेगी। इस योजना से देश में प्रशिक्षित युवाओं की फौज खड़ी होगी। राहुल गांधी ने यह भी भरोसा दिलाया कि आईएनडीआईए की सरकार बनते ही पांच अलग-अलग तरीके के जीएसटी को खत्म कर एक टैक्स की व्यवस्था लागू की जाएगी। उन्होंने कहा कि कम से कम टैक्स की व्यवस्था की जाएगा। इसके अलावा मनरेगा, आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय में बढ़ोतरी के साथ ही न्यूनतम मजदूरी की दर भी बढ़ोतरी की जाएगी। बिहार इस बार अच्छे परिणाम आईएनडीआईए के पक्ष में देने का काम करेगा। साथ ही कहा कि बेरोजगारी, महंगाई, गरीबी, बिहार में निवेश का मुद्दा सबसे बड़ा है। बिहार में कारखाने लगने चाहिए। सभा को संबोधित करते हुए नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में पलायन का मुद्दा है। केंद्र सरकार बहाली नहीं निकाल रही है। सबसे ज्यादा बहाली सेना और रेलवे में निकलती थी, वह चौपट हो गया है। बीते 08-10 साल से रेलवे में कोई अच्छी बहाली नहीं निकली है। पहले चरण की 102 लोकसभा सीटों में संपन्न चुनाव के साथ ही बीजेपी-एनडीए की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। सभा में मुकेश साहनी के अलावा भागलपुर के महागठबंधन के कांग्रेस प्रत्याशी अजीत शर्मा, कटिहार के तारिक अनवर, पूर्णिया के बीमा भारती सहित डॉ. चक्रपाणि हिमांशु, कांग्रेस जिलाध्यक्ष परवेज जमाल, राजद जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर यादव, प्रवीण सिंह कुशवाहा आदि मौजूद थे।

विद्यालय में मनाई गई महावीर स्वामी की जयंती

भागलपुर (हिंस)। पूरनमल सावित्री देवी बाजोरिया सरस्वती शिशु मंदिर नरगा कोठी के वंदना सभागार में शनिवार को महावीर स्वामी की जयंती भैया बहनों द्वारा मनाई गई। कार्यक्रम का प्रारंभ विद्यालय के प्रभारी प्रधानाचार्य ममता जायसवाल एवं शिशु भारती के अध्यक्ष शाश्वत सौरभ ने दीप प्रज्ज्वलित कर एवं महावीर स्वामी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया।

मौके पर ममता जायसवाल ने कहा कि महावीर स्वामी की जयंती 21 अप्रैल को है। किंतु रविवार होने के कारण पूर्व संध्या पर आज भैया बहनों के द्वारा मनाया जा रहा है। महावीर स्वामी के जीवन एवं शिक्षाओं से भैया बहनों को प्रेरणा लेकर जीवन में उचित पथ पर चलना चाहिए। अहिंसा ही व्यक्ति का सबसे बड़ा धर्म है। प्रत्येक आत्मा स्वयं में सर्वज्ञ एवं आनंदमय है। सभी प्राणियों के प्रति दया का भाव रखना चाहिए। हर व्यक्ति सही दिशा में सर्वोच्च प्रयास करके देवत्व को प्राप्त कर सकता है। असली शत्रु व्यक्ति के भीतर है वह है क्रोध, घमंड, लालच, आसक्ति एवं नफरत। हमारे अंदर स्थित इन शत्रुओं पर विजय प्राप्त करना ही महावीर स्वामी के संदेश का पालन करना है। आज जयंती के अवसर पर अंग्रेजी सुलेख प्रतियोगिता भैया बहनों के बीच आयोजित हुई, जिसमें कक्षा अरुण से पंचक तक में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले भैया बहनों को अगले दिन प्रमाण पत्र एवं मैडल देकर सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर मनोज तिवारी, शशि भूषण मिश्र, अभिजीत आचार्य, अमर ज्योति, आभाष कुमार, गोपाल सिंह, शशिकांत गुप्ता, सुबोध ठाकुर, सुप्रिया कुमारी, कविता पाठक, ललित झा एवं रेणु कुमारी उपस्थित थे।

एलन मस्क ने खास वजह से किया भारत दौरा स्थगित, अब बता दी नई प्लानिंग

नई दिल्ली ।
दुनिया की सबसे बड़ी ईवी कंपनियों में से एक टेस्ला के सीईओ एलन मस्क की पहली भारत यात्रा को स्थगित करने की खबर कंफर्म हो गई है. इस खबर को खुद एलन मस्क ने अपने एक्स हैंडल पर कंफर्म किया है. एलन मस्क पहले 21 और 22 अप्रैल को भारत के दौरे पर आने वाले थे. जिसे फिलहाल के लिए कैंसल कर दिया गया है. एलन मस्क ने टेस्ला से जुड़े दायित्वों का हवाइस दौरे पर एलन मस्क टेस्ला के लिए मैन्युफैक्चरिंग यूनिट और सैटेलाइट कंयूनिकेशन से रिलेटिड योजनाओं का ऐलान करने वाले थे. खबर ये भी थी कि एलन मस्क भारत में 25 हजार करोड़ रुपए का निवेश करने की प्लानिंग कर रहे हैं।

एलन मस्क ने किया पोस्ट

एलन मस्क ने अपने एक्स हैंडल पोस्ट में कहा कि दुर्भाग्य से, टेस्ला दायित्वों के कारण भारत की यात्रा में देरी हो रही है. लेकिन मैं इस वर्ष के अंत में यात्रा के लिए बहुत उत्सुक हूं. जानकारी के अनुसार 23 अप्रैल को एलन मस्क ने टेस्ला के तिमाही नतीजे जारी करने हैं. ये डेट पहले से ही फिक्स थी. ऐसे में भारत विजिट के बाद तिमाही नतीजे लेट होने की संभावना थी. यही वजह है कि एलन मस्क ने भारत दौरे को टाल दिया है. साल के अंत तक वह कब तक आएंगे. अभी इस बारे में कोई जानकारी नहीं मिल सकी है।

विजिट में क्या करने वाले थे मस्क

अपनी भारत यात्रा के दौरान एलन मस्क भारत में 2 से 3 बिलियन डॉलर यानी 25 हजार करोड़ रुपए तक के निवेश का ऐलान करने वाले थे. जिसके तहत देश में एक मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगाने का ऐलान होने वाला था. साथ ही सैटेलाइअ कंयूनिकेशन पर भी एलन मस्क ने आवेदन किया हुआ था. जिस पर भी स्थिति स्पष्ट हो सकती थी और कोई बड़ा ऐलान मस्क की ओर से हो सकता था. इसके अलावा अपनी भारत यात्रा के दौरान, टेस्ला के सीईओ का भारतीय स्टार्टअप और स्पेस कंपनियों से मिलने का भी प्रोग्राम था।

10 अप्रैल को किया था पोस्ट

10 अप्रैल को मस्क ने ट्वीट कर कहा था कि वह पीएम मोदी से मिलने के लिए उत्सुक हैं. उससे पहले भारत सरकार ने एक नई ईवी पॉलिसी का भी ऐलान किया था. जिसमें विदेशी कंपनियों को भारत में मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगाने में काफी मदद मिलेगी. साथ ही विदेशी कंपनियों को कुछ ईवी पर कम इंपोर्ट ड्यूटी लेने का भी प्रस्ताव था. पिछले साल, मस्क ने घोषणा की थी कि उनकी कंपनी, टेस्ला संभवत: भारत में एक महत्वपूर्ण निवेश करेगी क्योंकि सरकार देश में विदेशी ईवी ब्रांडों को लुभाने पर विचार कर रही है।

न्यूज ब्रीफ

घरेलू शेयर बाजारों में पूरे हफ्ते गिरावट बनी रही, सेंसेक्स 73,088 और निफ्टी 22,147 पर बंद

मुंबई । बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में युद्ध की आशंका ही हावी रही। ईरान और इजरायल के तनाव के बीच बाजार में गिरावट देखने को मिली। एफआईआईएस ने जोरदार बिकवाली की, जिससे दुनिया भर के बाजारों में गिरावट नजर आई। घरेलू शेयर बाजारों में पूरे हफ्ते गिरावट बनी रही। बीते सप्ताह बुधवार को रामनवमी पर्व के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहने की वजह से पांच में से केवल चार दिन ही घरेलू शेयर बाजार में कारोबार हुआ। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को शेयर बाजार में भारी बिकवाली दिख रही है। इस दौरान प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स सेसेक्स और निफ्टी फिसल गए हैं। बीएसई का सेंसेक्स 757.55 अंकों की गिरावट के साथ 73,487.35 पर खुला और 845.12 अंकों की गिरावट के साथ 73,399.78 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 242.61 टूटकर 22,276.80 के स्तर पर खुला और 246.91 अंक टूटकर 22,272.50 पर बंद हुआ। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार को शेयर बाजार में एक बार फिर कमजोर शुरुआत हुई है। सेंसेक्स 346.34 अंकों की कमजोरी के साथ 73,071.29 पर खुला और 461.78 अंकों की बढ़त के साथ 72,938.00 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 93.35 अंक फिसलकर 22,179.15 पर खुला और 124.60 अंक फिसलकर 22,147.90 पर बंद हुआ। गुरुवार को बाजार के प्रमुख इंडेक्स हरे निशान पर कारोबार करते दिखे। सेंसेक्स 14.50 अंक फिसलकर 72,924.01 पर खुला और 454.69 अंकों की गिरावट के साथ 72,488.99 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 18.35 अंकों की बढ़त के साथ 22,166.25 पर खुला और -152.06 अंक टूटकर 21,995.85 पर बंद हुआ। लगातार पांचवें दिन प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स गिरावट के साथ कारोबार करते दिखे। शुक्रवार को सेंसेक्स करीब 600 अंक फिसलकर 72,000 पर खुला और 599.34 अंकों की बढ़त के साथ 73,088.33 पर बंद हुआ।

नारायण मूर्ति का 5 महीने का पोता बना करोड़पति, डिविडेंड के रूप में मिलेंगे 4.2 करोड़ रुपए

नई दिल्ली । इंफोसिस के संस्थापक एनआर नारायण मूर्ति के पांच महीने के पोते एकाग्र रोहन मूर्ति को

हाल ही में उनके दादा ने उन्हें 15 लाख शेयर तोहफ़े में दिए थे। अब इन शेयरों ने एकाग्र को करोड़पति बना दिया है। दरअसल, इंफोसिस कंपनी ने हाल ही में 28 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से बंपर अंतिम और स्पेशल डिविडेंड की घोषणा की है। यानी कि एकाग्र को इन शेयरों से कुल मिलाकर 4.20 करोड़ रुपये का फायदा होगा। इतनी कम उम्र में इतनी बड़ी रकम हासिल करने के चलते एकाग्र भारत की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी का सबसे कम उम्र का करोड़पति शेयरधारक बन गया है। गौरतलब है कि जब नारायण मूर्ति ने अपने पोते को 15 लाख शेयर गिफ्ट किए थे तब उनकी कीमत 240 करोड़ रुपये थी।

16 साल के निचले स्तर पर आया गेहूं का स्टाक, अधिकारी ने बताया किस वजह से आई कमी

नई दिल्ली। सरकारी गोदामों में रखे गए गेहूं का स्टॉक 16 सालों के अपने सबसे निचले स्तर पर आ गया है। भारतीय खाद्य निगम (एफसीआइ) के आंकड़ों पर गौर करें तो अप्रैल की शुरुआत में गेहूं का भंडार कुल 7.5 मिलियन टन (75 लाख टन) था, जो एक साल पहले के 8.35 मिलियन टन (83.5 लाख टन) से कम था। एक अधिकारी ने बताया कि गेहूं के स्टॉक में कमी आई है, क्योंकि मूल्य को स्थिर रखने के लिए एक करोड़ टन गेहूं खुले बाजार में बेचना पड़ा। पिछले एक दशक में, 1 अप्रैल को गेहूं का स्टॉक औसतन 16.7 मिलियन टन था। उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रयासरत है कि गेहूं का स्टॉक एक करोड़ टन से नीचे नहीं जाए। मुंबई स्थित एक डीलर ने कहा कि सरकार को इस साल किसानों से तीन करोड़ से 3.2 करोड़ टन गेहूं खरीद के अपने लक्ष्य को हरहाल में हासिल करना होगा ताकि अगले सीजन में स्टॉक का स्तर बफर मानक से ऊपर रहे। सरकार ने 2022 में गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। माना जा रहा है कि आम चुनाव के बाद सरकार शुल्क मुक्त आयात की अनुमति देने पर विचार कर सकती है। भारत 2022 और 2023 में अपने गेहूं खरीद लक्ष्य को हासिल करने में विफल रहा था, क्योंकि ज्यादा गर्मी की वजह से फसल का आकार छोटा हो रह गया था। वहीं रूस-यूक्रेन संघर्ष के कारण वैश्विक स्तर पर कमी होने के कारण मांग बढ़ी थी, इसके बावजूद भारत ने 2022 में गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। डीलर ने कहा, अगर सरकार आवश्यक मात्रा खरीदने में विफल रहती है... तो वह आम चुनाव के बाद शुल्क-मुक्त आयात की अनुमति देने पर विचार कर सकती है।

अदाणी पोर्ट्स ने अधिग्रहण के बाद कैसे देश के बंदरगाहों की विकास क्षमता का किया इस्तेमाल

नई दिल्ली।
देश के सबसे बड़े निजी पोर्ट ऑपरेटर अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एपीएसईजेड) ने इस महीने की शुरुआत में घोषणा की थी कि उसने (अंतर्राष्ट्रीय बंदरगाहों सहित) वित्त वर्ष 2023-24 में 42 करोड़ टन कार्गो हैंडल किया जो कंपनी की यात्रा में एक नया मील का पत्थर है।वर्ष दर वर्ष आधार पर यह 24 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि है, जिसमें घरेलू बंदरगाहों ने 40.8 करोड़ टन से ज्यादा का योगदान दिया।

कंपनी को पहली बार 10 करोड़ टन वार्षिक कार्गो थ्रूपुट हासिल करने में 14 साल लगे। वहीं, 20 करोड़ टन का आंकड़ा हासिल करने में अगले पांच साल तथा 30 करोड़ टन तक पहुंचने में तीन साल और लगे।

विशेष रूप से, नवीनतम 10 करोड़ टन का आंकड़ा दो साल से भी कम समय में हासिल किया गया है।

यह प्रभावशाली उपलब्धि कैसे हासिल हुई

एपीएसईजेड पिछले कुछ वर्षों में एकीकृत बंदरगाह इंफ्रास्ट्रक्चर सेवाओं के प्रदाता के रूप में उभरा है, जिसमें से गुजरात का मुंद्रा एसईजेड एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

आठ हजार हेक्टेयर से अधिक में फैला मुंद्रा इकोनॉमिक हब सबसे बड़े बहु-उत्पाद एसईजेड, मुक्त व्यापार एवं वेयरहाउसिंग क्षेत्र (एफटीडब्ल्यूजेड) और घरेलू औद्योगिक क्षेत्र के रूप में निवेश के विकल्प प्रदान करता है।

एपीएसईजेड के पहले बंदरगाह मुंद्रा पर 1998 में पहला जहाज आया था। तब से, कंपनी ने देश के पूर्वी और पश्चिमी तटों पर 15 बंदरगाहों और

टर्मिनलों का एक नेटवर्क बनाया है।

एपीएसईजेड वर्तमान में देश में सबसे बड़ा वाणिज्यिक पोर्ट ऑपरेटर है, जो देश की कार्गो आवाजाही में लगभग एक-चौथाई की हिस्सेदारी रखता है। देश के भीतरी हिस्सों में व्यापक कनेक्टिविटी के साथ गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, केरल, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और ओडिशा के सात समुद्र तटीय राज्यों में घरेलू बंदरगाहों पर इसकी उपस्थिति काफी विस्तृत है।

बंदरगाहों पर सुविधाएं नवीनतम कार्गो-हैंडलिंग इंफ्रास्ट्रक्चर से लैस हैं जो न केवल श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ है बल्कि भारतीय तटों पर आने वाले सबसे बड़े जहाजों को हैंडल करने में भी सक्षम है।

कंपनी के अनुसार, वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान, पूरे भारत के एक-चौथाई से अधिक कार्गो वॉल्यूम को एपीएसईजेड बंदरगाहों के माध्यम से भेजा गया था।

एपीएसईजेड के प्रबंध निदेशक करण अदाणी के अनुसार, नवीनतम 10 करोड़ टन का आंकड़ा दो साल से भी कम समय में हासिल किया गया है। यह परिचालन दक्षता बढ़ाने और उद्योग में शीर्ष बंदरगाह ऑपरेटर के रूप में हमारी स्थिति बनाए रखने की दिशा में हमारी प्रतिबद्धता और जारी प्रयासों का एक प्रमाण है।

ओडिशा के भद्रक जिले में धामरा बंदरगाह इस क्षेत्र में ड्राई कार्गो शिपमेंट के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बन गया है। दस साल पहले यह केवल 1.4 करोड़ टन कार्गो हैंडल करता था लेकिन आज इसकी क्षमता 4.2 करोड़ टन से अधिक हो गई है।

इस बंदरगाह पर केपसाइज जहाज (सबसे बड़े ड्राई कार्गो शिप) भी लंगर डाल सकते हैं, और ओडिशा, झारखंड तथा पश्चिम बंगाल के उद्योगों को आपूर्ति प्रदान कर सकता है।

धामरा में 50 लाख टन क्षमता का तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) टर्मिनल भी है जो असम, बिहार, ओडिशा, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल की आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद करता है। कृष्णापट्टनम बंदरगाह अंतर्राष्ट्रीय मानकों का एक हर मौसम में ऑपरेट करने वाला, विश्व स्तरीय गहरे पानी का बंदरगाह है। यह पूरे वर्ष चौबीसों घंटे केपसाइज जहाजों को हैंडल करने में सक्षम है। इसमें अत्याधुनिक बुनियादी ढांचा, मशीनीकृत हैंडलिंग सिस्टम और समर्पित भंडारण यार्ड हैं जो थोक और ब्रेक बल्क कार्गो के लिए स्वच्छ और संदूषण मुक्त हैंडलिंग सुविधाएं प्रदान करते हैं। इसकी वर्तमान क्षमता 7.5 करोड़ टन है, जो चार साल पहले 6.4 करोड़ टन के मुकाबले उल्लेखनीय वृद्धि है। पुडुचेरी में कराईकल बंदरगाह बिजली संयंत्रों और सीमेंट कारखानों के पास है। वित्त वर्ष 2022-23 में इसने लगभग एक करोड़ टन कार्गो हैंडल किया और 2023-24 में यह आंकड़ा 1.3 करोड़ टन तक पहुंच गया। आठ बंदरगाहों - मात्रा के हिसाब से पोर्टफोलियो का 84 प्रतिशत - ने वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी के लिए दोहरे अंक की वृद्धि प्रदान की। दहेज बंदरगाह खंभात की खाड़ी में स्थित एक गहरे पानी वाला, मल्टी-कार्गो बंदरगाह है। यह रणनीतिक रूप से अंतर्राष्ट्रीय समुद्री मार्गों पर स्थित है और गुजरात, महाराष्ट्र तथा मध्य प्रदेश के घने औद्योगिक केंद्रों तक आसान पहुंच प्रदान करता है। यह इसे भारत के उत्तरी और पश्चिमी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में काम करने वाले कार्गो हब के लिए पसंदीदा बंदरगाह बनाता है। प्रमुख बंदरगाह मुंद्रा एक ही महीने (अक्टूबर 2023) में 1.6 करोड़ टन कार्गो को हैंडल वाला देश का पहला बंदरगाह बन गया। वास्तव में, मुंद्रा बंदरगाह से मिली सीख को कंपनी के स्वामित्व वाले अन्य सभी बंदरगाहों पर दोहराया गया है।

भारत ने ओपेक के साथ बातचीत में तेल की स्थिर कीमतों की आवश्यकता पर दिया जोर

नई दिल्ली।
पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने ओपेक महासचिव हैथम अल-घैस के साथ टेलीफोन पर बातचीत के दौरान कच्चा तेल बाजार में स्थिरता और समुचित कीमत के महत्व पर जोर दिया।आधे घंटे की बातचीत में वैश्विक तेल बाजारों में हालिया रुझानों और अस्थिरता तथा अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा स्थिरता पर उनके प्रभावों पर चर्चा हुई।

पुरी ने बातचीत के दौरान कहा कि दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में, भारत वैश्विक ऊर्जा बाजारों में संतुलन हासिल करने के प्रयासों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है।

भारत ओपेक के लिए दूसरा सबसे बड़ा आयातक है। वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान भारत ने ओपेक देशों से 120 अरब डॉलर के कच्चे तेल, एलपीजी, एलएनजी और पेट्रोलियम उत्पादों का आयात किया।

इजरायल द्वारा ईरान के खिलाफ मिसाइल हमला शुरू करने की खबरों के बीच अंतर्राष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में तीन डॉलर प्रति बैरल की बढ़ोतरी हुई, जिससे भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने की आशंका बढ़ गई, जिससे कच्चे तेल के शिपमेंट में बाधा आ सकती है।

बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड की कीमत बढ़कर लगभग 90 डॉलर प्रति बैरल हो गई। अमेरिका का वेस्ट टेक्सास लगभग 85 डॉलर प्रति बैरल के आसपास था।

अमेरिकी भंडार बढ़ने और धीमी अर्थव्यवस्था के कारण चीनी मांग में गिरावट के कारण ब्रेंट क्रूड की कीमत लगभग 87 डॉलर प्रति बैरल तक गिर गई थी।

चूंकि भारत अपनी कच्चे तेल की आवश्यकता का 85 प्रतिशत से अधिक आयात करता है, वैश्विक तेल की कीमतों में तेज वृद्धि से देश आयात खर्च बढ़ सकता है और विदेशी मुद्रा के बड़े व्यय के कारण रुपया कमजोर हो सकता है।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में भारी गिरावट पाकिस्तान के भी हालात ठीक नहीं

नई दिल्ली ।
बीते सप्ताह विदेशी निवेशकों के भारतीय शेयर बाजार में बिकवाली से बीएसई सेंसेक्स 793 अंक टूट गया था। इसका असर देश के विदेशी मुद्रा भंडार पर भी दिखा है। बीते 12 अप्रेल को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 5.401 बिलियन डॉलर गिरकर 643.162 बिलियन डॉलर का ही रह गया है। इससे पहले, पांच अप्रैल को समाप्त सप्ताह में अपना भंडार 648.562 अरब डॉलर तक पहुंच गया था। पड़ोसी देश पाकिस्तान में भी हालात कुछ ठीक नहीं हैं। बीते 12 अप्रैल को समाप्त सप्ताह के दौरान वहां के विदेशी मुद्रा भंडार में कमी हुई है। यह ऑल टाइम हाई है। इससे पहले अक्टूबर 2021 में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचा था। रिजर्व बैंक की तरफ से जारी साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार आलोच्य सप्ताह के दौरान भारत की विदेशी मुद्रा आस्तियां में भी कमी हुई है। बीते 12 अप्रैल को समाप्त सप्ताह के दौरान विदेशी मुद्रा आस्तियां में 6.513 बिलियन की कमी हुई है। इन दिनों भारतीय रिजर्व बैंक सोने का स्टॉक बढ़ा रहा है। तभी 12 अप्रैल को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के स्वर्ण भंडार में बढ़ोतरी हुई है। इस सप्ताह गोल्ड रिजर्व में 124 मिलियन डॉलर की बढ़ोतरी हुई है। अब

अपना सोने का भंडार 55.798 बिलियन हो गया है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास रखे हुए देश के मुद्रा भंडार में भी कमी हुई है। पड़ोसी देश पाकिस्तान में इस समय विदेशी मुद्रा की जबरदस्त किल्लत चल रही है। हालात ऐसे हैं कि वहां काम की चीजें मंगाने लायक भी विदेशी मुद्रा का भंडार नहीं बचा है। इसलिए बेहद संभल कर आयात करना पड़ता है। बीते 12 मार्च को समाप्त सप्ताह के दौरान वहां का विदेशी मुद्रा भंडार 48 मिलियन डॉलर घट गया। इससे पहले बीते 22 मार्च को समाप्त सप्ताह के दौरान वहां के भंडार में बढ़ोतरी हुई थी। अब वहां 13.37 अरब डॉलर का ही विदेशी मुद्रा भंडार रह गया है।

जनवरी-मार्च तिमाही में विप्रो का मुनाफा आठ फीसदी घटकर 2,835 करोड़ रुपये रहा

बेंगलुरु।
वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में आईटी सॉफ्टवेयर क्षेत्र की दिग्गज कंपनी विप्रो का शुद्ध मुनाफा 7.80 प्रतिशत घटकर 2,834.6 करोड़ रुपये रह गया। इससे पहले वित्त वर्ष 2022-23 की समान तिमाही में कंपनी को 3,074.5 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था।

कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि गत 31 मार्च को समाप्त तिमाही में कंपनी का राजस्व 4.18 प्रतिशत गिरकर 22,208.3 करोड़ रुपये हो गया। बेंगलुरु स्थित कंपनी ने एक साल पहले इसी तिमाही में 23,190.3 करोड़ रुपये का समेकित राजस्व दर्ज किया था।

कंपनी का आईटी सेवा क्षेत्र का राजस्व 265.74 करोड़ डॉलर रहा, जो क्रमिक रूप से 0.1 प्रतिशत की वृद्धि और एक साल पहले की तुलना में 6.4 प्रतिशत की कमी है।

जारी आंकड़ों से पता चलता है

कि स्वैच्छिक नौकरी छोड़ने की दर 14.2 प्रतिशत थी। चौथी तिमाही में कंपनी के कर्मचारियों की संख्या में 6,180 और पूरे साल के दौरान 24,516 की कमी आई।

कंपनी ने अनुमान लगाया है कि 30 जून को समाप्त होने वाली तिमाही में स्थिर मुद्रा के संदर्भ में 1.5 प्रतिशत की से 0.5 प्रतिशत की बढ़त तक हो सकती है। विप्रो के सीईओ श्रीनि पल्लिया ने कहा कि 2023-24 आईटी उद्योग के लिए एक चुनौतीपूर्ण वर्ष साबित हुआ और व्यापक आर्थिक माहौल अनिश्चित बना हुआ है, हालांकि, मैं आगे आने वाले अवसरों को लेकर आशावादी हूं।

पल्लिया ने कहा कि कंपनी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ अपने ग्राहकों की जरूरतों को बदलने के साथ एक प्रमुख तकनीकी बदलाव की राह पर है क्योंकि वे प्रतिस्पर्धी लाभ और उन्नत व्यावसायिक मूल्य के लिए इसकी शक्ति का उपयोग करना चाहते हैं।

पल्लिया ने कहा, हमारे पास हमारे लक्ष्यों को साकार करने में मदद करने के लिए दुनिया भर में 2,30,000 से अधिक विप्रोइट्स की क्षमताएं, नेतृत्व और ताकत है। हालांकि हमें काफी काम करना है, मुझे विश्वास है कि अपने सामूहिक प्रयास के साथ मिलकर हम विकास के अगले अध्याय का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं।

पल्लिया ने इसी महीने कंपनी की बागडोर संभाली है। उनके पूर्ववर्ती थिएरी डेलापोर्टे ने अचानक सीईओ पद से इस्तीफा दे दिया था। ऐसी खबरें आ रही थीं कि विप्रो के प्रवर्तक उनके प्रदर्शन से खुश नहीं थे।

नेट प्रॉफिट 310 करोड़ रहा

जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के चौथी तिमाही के नतीजे घोषित,नेट इंटरेस्ट इनकम 280 करोड़ रही

मुंबई।
जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड ने फाइनेंशियल ईयर 2024 की चौथी तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। जनवरी-मार्च तिमाही में जियो फाइनेंशियल का नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 6 प्रतिशत बढ़कर 310 करोड़ रहा।

चौथी तिमाही में नेट इंटरेस्ट इनकम 280 करोड़ रही

मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज की नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी जियो फाइनेंशियल की चौथी तिमाही में नेट इंटरेस्ट इनकम 280 करोड़ रुपए रही। वहीं टोटल इंटरेस्ट इनकम 418 करोड़ रुपए और टोटल रेवेन्यू 418 करोड़ रुपए रहा।

इससे पहले तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में जियो फाइनेंशियल का नेट प्रॉफिट 293 करोड़ रुपए रहा था। वहीं तीसरी तिमाही में नेट इंटरेस्ट इनकम 269 करोड़ रुपए रही थी। वहीं टोटल इंटरेस्ट इनकम 414 करोड़ रुपए और टोटल रेवेन्यू 413 करोड़ रुपए रहा था।

जियो फाइनेंशियल का शेयर आज 370 रुपए पर बंद

जियो फाइनेंशियल सर्विसेज का शेयर 2.22 प्रतिशत की गिरावट के साथ 370 रुपए पर बंद हुआ। इसके साथ ही कंपनी का मार्केट कैप 2.35 लाख करोड़ रुपए पर आ गया है।

21 अगस्त को लिस्ट हुआ था जेएसएफ का शेयर

जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड की लिस्टिंग 21 अगस्त को हुई थी। यह बीएसई पर 265 रुपए और एनएसई पर 262 रुपए पर लिस्ट हुआ था। 19 जुलाई के कारोबारी दिन के अंत में जिन-जिन शेयरहोल्डर्स के पास रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर्स थे, उन्हें 1:1 के रेश्यो में जियो फाइनेंशियल के शेयर मिले थे। उदाहरण के लिए यदि किसी निवेशक के पास आरआईएल के 100 शेयर थे, तो उसे जेएसएफ के 100 शेयर दिए गए थे।

जुलाई में आरआईएल से अलग हुई थी कंपनी

रिलायंस का फाइनेंशियल सर्विसेज बिजनेस जुलाई महीने में अपनी मूल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड से अलग हुआ था। डीमर्जर के बाद प्राइस डिस्कवरी मैकेनिज्म के तहत जियो फाइनेंशियल के शेयर का भाव 261.85 रुपए तय हुआ था। कंज्यूमर और मर्चेंट लैंडिंग बिजनेस शुरू करने का प्लान जियो फाइनेंशियल का प्लान कंज्यूमर और मर्चेंट लैंडिंग बिजनेस शुरू करने का है। ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज की दिग्गज कंपनी मैक्वेरी ने पिछले साल अपनी रिपोर्ट में रिलायंस के फाइनेंशियल सर्विसेज बिजनेस को मार्केट ग्रोथ के मामले में पेटीएम और अन्य फिनटेक कंपनियों के लिए एक बड़ा खतरा बताया था।

पिछले साल मुकेश अंबानी ने किया था ऐलान

पिछले साल मुकेश अंबानी ने जियो फाइनेंशियल को एक अलग यूनिट बनाने का ऐलान किया था। उन्होंने इस बात की घोषणा करते हुए कहा था कि जियो फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी बेस्ड बिजनेस होगा।

ग्रेटर नोएडा खेल महोत्सव के प्रथम संस्करण का रंगारंग शुभारम्भ

ग्रेटर नोएडा।
द मंथन स्कूल, ग्रेटर नोएडा में ग्रेटर नोएडा खेल महोत्सव के प्रथम संस्करण की रंगारंग शुरुआत खेलो इंडिया के निदेशक अरुण कुमार गुप्ता, द्रोणाचार्य अवार्डी डॉ. अजय बंसल, मेजर जनरल दिलावर सिंह की उपस्थिति में हुई। मुख्य अतिथि खेलो इंडिया के निदेशक अरुण गुप्ता ने इस अवसर पर प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल में एक व्यक्ति जीतता है और बाकी सब सीखते है, इस तरह के आयोजन से जमीनी स्तर के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा का मौक़ा दिखाने का अवसर मिलता है। देश खेलों के क्षेत्र में एक लम्बी छलांग लगाने के लिए तैयार है और उस सबकी नींव इसी तरह के आयोजनों से बनती है। द्रोणाचार्य अवार्डी (हॉकी) डॉ. ए.के. बंसल और मेजर जनरल दिलावर सिंह ने प्रतिभागियों को प्रोत्साहन और समर्थन के अपने शब्दों से प्रेरित किया। इस अवसर पर मंथन स्कूल की प्रिंसिपल श्रीमती पूनम कुमार मेंदीरत्ता, मंथन स्कूल की सीओओ पूजा खुराना और पेफी के राष्ट्रीय सचिव डॉ. पीयूष जैन ने समावेशिता और सौहार्द का माहौल स्थापित करते हुए सभी उपस्थित लोगों का स्वागत किया। ग्रेटर नोएडा खेल महोत्सव में विभिन्न आयु वर्ग के प्रतिभागियों की रुचियों और प्रतिभा को ध्यान में रखते हुए ताईक्कांडो, कराटे, फुटबॉल, स्केटिंग, बास्केटबाल और बैडमिंटन सहित खेल प्रतियोगिताओं की एक विविध श्रृंखला पेश की गयी ।

दो दिनों के दौरान 1000 से अधिक स्कूली बच्चे मैत्रीपूर्ण लेकिन प्रतिस्पर्धी माहौल में प्रतिस्पर्धा करते हुए, खेल के प्रति अपने कौशल और जुनून का प्रदर्शन करेंगे। `ल आयोजनों के अलावा, राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी द्वारा पेफी के सहयोग से एक डोपिंग रोधी जागरूकता कार्यशाला का भी आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में 300 से अधिक छात्रों, एथलीटों, प्रशिक्षकों और अभिभावकों ने भाग लिया। कार्यशाला का उद्देश्य खेलों में स्वच्छ और निष्पक्ष खेल के महत्व के बारे में शिक्षित करना और जागरूकता बढ़ाना था। ग्रेटर नोएडा खेल महोत्सव न केवल युवा एथलीटों को अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करने के लिए एक मंच प्रदान करता है बल्कि ईमानदारी, अनुशासन और निष्पक्ष खेल के मूल्यों को भी बढ़ावा देता है। जैसे-जैसे यह आयोजन शुरू होगा, यह खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों की एक नई पीढ़ी को प्रेरित करेगा।

न्यूज ब्रीफ

धोनी जब मैदान में उतरते हैं गेंदबाज दवाब में आ जाते हैं, मैदान पर फैंस का शोर भी अतिरिक्त दबाव बनाता है

नई दिल्ली। आईपीएल में खेले गए मैच में चेन्नई के खिलाफ लखनऊ ने जीत दर्ज की। पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई ने 6 विकेट पर 176 रन का स्कोर बनाया। लक्ष्य का पीछा करने उतरे लखनऊ ने कप्तान केएल राहुल और क्विंटन डि कॉक की शानदार बल्लेबाजी के दम 19वें ओवर में ही 2 विकेट होकर लखनऊ ने जीत हासिल की। मैच खत्म होने के बाद लखनऊ के कप्तान केएल ने महेंद्र सिंह धोनी की बल्लेबाजी को लेकर बयान दिया। महेंद्र सिंह धोनी ने लखमऊ मैच में भी दमदार पारी खेली. 9 बॉल पर 3 चौके और 2 छक्के लगाकर 28 रन बनाए। केएल राहुल ने बताया कि महेंद्र सिंह धोनी जब मैदान में उतरते हैं उनका खौफ गेंदबाजों के अंदर होता है। केएल ने बताया कि जैस ही धोनी मैदान के अंदर आए तो हमारे गेंदबाज दवाब में दिखने लगे। धोनी के अंदर ऐसा कुछ है जो विरोधी गेंदबाजों पर हावी हो जाता है। जब धोनी बल्लेबाजी करने उतरते हैं तो उनके फैंस का जैसा शोर होता है उससे ही गेंदबाजों पर अतिरिक्त दबाव बन जाता है। चेन्नई की टीम को खाते में 15 से 20 रन तो इसी वजह से ही जुड़ जाते हैं। उन्होंने कहा कि मुकाबले में मुझे पता था कि चेन्नई टीम के स्पिनर हम पर दबाव बनाएंगे। मैंने उन गेंदबाजों का चयन कर रखा था जिनके खिलाफ आक्रमण करना है और यह काम भी किया। क्विंटन डि कॉक ने काफी अच्छी बल्लेबाजी की और बन नहीं आने दिया। इससे हम दोनों का ही काम आसान हो गया।

पावरप्ले में गेंदबाजी में सुधार की जरूरत : ऋतुराज गायकवाड़

लखनऊ। एलएसजी के खिलाफ सीएसके की टीम को अपने 7वें मैच में तीसरी हार का सामना करना पड़ा। मैच के बाद बात करते हुए चेन्नई के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने इस बात को स्वीकार किया कि उनकी टीम कम से कम 10-15 रन पीछे रह गई। ऋतुराज के अनुसार उनकी टीम बीच के ओवरों में तेजी से रन नहीं बना पाई, जिसके कारण वह एक अच्छा टोटल बनाने से चूक गए। ऋतुराज ने मैच के बाद कहा, मुझे पता है कि हमने काफी अच्छे तरीके से अपनी पारी को फिनिश किया। इससे बेहतर फ़िनिशिंग के बारे में सोचा भी नहीं जा सकता था। हालांकि, मुझे यह लगता है कि पावरप्ले के बाद हमने 14-15वें ओवर तक धीमी बल्लेबाजी की और निरंतर अंतराल पर विकेट गंवाते रहे। मुझे लगता है कि हमने 10-15 रन कम बनाए। साथ ही गायकवाड़ ने कहा कि पावरप्ले में गेंदबाजी में टीम को सुधार करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि वह उम्मीद कर रहे हैं कि उनकी टीम वापसी करेगी क्योंकि दोनों टीमें जल्द ही चेपॉक में फिर से खेलने वाली हैं। लखनऊ के खिलाफ एमएस धोनी ने 9 गेंदों में नाबाद 28 रन बनाकर सीएसके को 20 ओवरों में 176/6 के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। रवींद्र जडेजा द्वारा नाबाद 57 रन बनाकर सीएसके को मैच में बनाए रखने के बाद धोनी ने टीम को एक अच्छा फिनिश दिया। हालांकि, केएल राहुल (82) और क्विंटन डी कॉक (54) की 134 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप की मदद से लखनऊ ने चेन्नई को आठ विकेट से हरा दिया।

शिवम को मिल सकती है टी20 विश्वकप के लिए जगह : डिविलियर्स

जोहांसबर्ग । दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर एबी डिविलियर्स ने भारतीय टीम के युवा ऑलराउंडर शिवम दुबे की जमकर प्रशंसा की है। डिविलियर्स के अनुसार शिवम टी20 विश्वकप के लिए भारतीय टीम में जगह हासिल कर सकते हैं। शिवम ने इस सत्र में 60 के प्रभावशाली औसत से 242 रन बनाए हैं। स्पिनरों के खिलाफ उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। शिवम को अंतिम ओवर में रोकना गेंदबाजों के लिए बेहद कठिन हो जाता है। इस बल्लेबाजी ने इस सत्र में दो अर्धशतक लगाये हैं। इस प्रदर्शन से उन्हें टी20 विश्व कप के लिए भारत की टीम में जगह मिलना आसान कर दिया हैं। डिविलियर्स ने कहा हैं कि शिवम को भारत की टी20 मैच में होना चाहिए। शिवम टी20 विश्व कप टीम में जगह बना सकते हैं पर पहले से ही बहुत सारे खिलाड़ी होने से उन्हें अवसर में कठिनाई हो सकती है। उन्होंने कई अवसरों पर अच्छा प्रदर्शन किया है और उनका सीज़न शानदार रहा है। वह एक हिटर और एक शानदार क्रिकेटर हैं। डिविलियर्स ने कहा कि आरसीबी छोड़ने के बाद से उन्होंने बहुत लंबा सफर तय किया है।

एक-दूसरे को नॉकआउट करने उतरेंगे चेन्नइयन एफसी और एफसी गोवा

फतोर्दा, गोवा।
इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2023-24 के प्लेऑफ का रोमांच चरम पर होगा, जब एफसी गोवा फतोर्दा स्टेडियम में चेन्नइयन एफसी की मेजबानी करेगी। दोनों टीमें इस मुकाबले के लिए कमर कस चुकी हैं, क्योंकि विजेता सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी। हालिया फॉर्म: गौर्स ने अपने 22 मैचों में 45 अंक लेकर तालिका में तीसरे स्थान पर रहकर लीग चरण को समाप्त किया। गौर्स अपने पिछले पांच मुकाबलों में से चार जीतकर इस मैच में उतर रहे हैं। आईएसएल में रविवार को दोनों के बीच पिछले मुकाबले में एफसी गोवा ने चेन्नइयन एफसी को 4-1 से हराया था। दूसरी ओर, एफसी गोवा के खिलाफ झटका लगने के बावजूद, चेन्नइयन एफसी ने पूरे सीजन में जोरदार प्रदर्शन करके प्लेऑफ में जगह बनाई। चेन्नइयन एफसी ने अपने पिछले पांच मैचों में से तीन जीते हैं और विरोधियों के लिए कड़ी चुनौती पेश करने के लिए तैयार हैं। क्या है दांव पर एफसी गोवा: एफसी गोवा ने चेन्नइयन एफसी के खिलाफ पिछले छह मैचों में से पांच में जीत हासिल की है और उनमें से चार जीत में उसने क्लीन शीट बरकरार रखी है। गौर्स ने मरीना मचान्स के खिलाफ अपने पिछले 14 मैचों में से प्रत्येक में गोल किया है। चेन्नइयन एफसी के खिलाफ उनके 52 गोल आईएसएल में किसी भी टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा गोल हैं। उन्होंने दोनों के बीच पिछले मैच में शानदार प्रदर्शन किया था और सभी आगामी मैच में ऐसे प्रदर्शन के साथ आतिशबाजी की उम्मीद कर रहे होंगे। चेन्नइयन एफसी गौर्स के खिलाफ पिछला मैच हारने से पहले, चेन्नइयन एफसी ने आईएसएल में अपने तीन आखिरी मुकाबलों में से प्रत्येक में दो या अधिक गोल किए थे। मरीना मचान्स एफसी गोवा के खिलाफ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित रहते हैं। हेड कोच ओवेन कॉयल ने एफसी गोवा के अपने समकक्ष मैनोलो मार्कुएज के खिलाफ भी गोल किया। अपनी पिछली 4-1 हार से पहले, स्कॉटिश कोच की जीत की दर मार्कुएज के खिलाफ केवल 20 प्रतिशत थी, जिससे पता चलता है कि मार्कुएज ने पिछले कुछ वर्षों में कॉयल की टीम पर लगातार दबदबा बनाने का तरीका ढूंढ लिया है। आगामी मैच में एफसी गोवा के खिलाफ मरीना मचान्स अपनी अग्रिम पंक्ति पर भरोसा करेंगे। उदाहरण के लिए, जॉर्डन मरे ने प्रति मैच 5.15 द्वंद्व जीते हैं, और आगामी मैच में उनका योगदान चेन्नइयन एफसी के लिए महत्वपूर्ण होगा। एफसी गोवा के स्पेनिश हेड कोच मैनोलो मार्कुएज ने प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में टीम को प्लेऑफ में समान महत्व देने की जरूरत पर कहा, यह सच है कि एफसी गोवा कभी भी प्लेऑफ में चैंपियन नहीं रहा है।

पूरन को डाक्टरों ने दी थी क्रिकेट छोड़ने की सलाह

नई दिल्ली । वेस्टइंडीज के क्रिकेटर निकोलस पूरन आईपीएल में इस बार शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। पूरन ने लखनऊ सुपरजायंट्स की ओर से खेलते हुए कई अच्छी पारियां खेली हैं। इसके साथ ही जरुरत पड़ने पर टीम की कप्तानी भी की है। पूरन ने वेस्टइंडीज की ओर से लंबे समय तक खेला है पर एक समय ऐसा भी था जब एक हादसे में उनके दोनो ही पैरों में फ्रैक्चर हो गया था। इसके बाद उन्हें डॉक्टरों ने खेल छोड़ने को कहा था। ये वाकया साल 2015 का है तब पूरन 19 साल के थे। पैर फ्रैक्चर होने के कारण वह करीब 18 महीने तक मैदान से दूर रहे थे। ऐसे कठिन समय पर गर्लफ्रेंड एलिसा ने उनका हौंसला बढ़ाया। एलिसा के सहयोग से पूरन का मनोबल बढ़ा और वह ठीक होने लगे। पूरन ने खुलासा सोशल मीडिया में किया था। पूरन ने साल 2020 में एलिसा से शादी की। इसके बाद उनका करियर तेजी से आगे बढ़ने लगा। इस सत्र में पूरन ने लखनऊ की ओर से अच्छा प्रदर्शन करते हुए 6 मैचों में 223 रन बनाए हैं।

डिप्रेशन से उबरने के बाद आईपीएल में चमके आशुतोष

इस सीजन 200 के ऊपर स्ट्राइक रेट से बनाए हैं रन टीम के दूसरे टॉप स्कोरर

नई दिल्ली।
पंजाब किंग्स इंडियन प्रीमियर लीग में भले ही लगातार मैच हार रही हो, लेकिन टीम के युवा बैटिंग ऑलराउंडर आशुतोष शर्मा ने सबका दिल जीता है। मध्य प्रदेश के रतलाम के 25 साल के आशुतोष ने कई बार पंजाब को हार के मुहाने से जीत के रास्ते पर लौटाया था। फिलहाल आशुतोष इस सीजन पंजाब के दूसरे टॉप स्कोरर हैं। उनसे आगे शशांक सिंह हैं। टी 20 में सबसे तेज अर्धशतक बनाने वाले भारतीय हैं आशुतोष, युवी का रिकॉर्ड तोड़ा आशुतोष ने रेलवे के लिए 2023 में डेब्यू किया। पिछले साल अरुणाचल के खिलाफ आशुतोष ने किसी भारतीय खिलाड़ी द्वारा सबसे तेज अर्धशतक का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने युवराज के 12 गेंद के अर्धशतक को तोड़ते हुए 11 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने पारी में 12 गेंद पर 53 रन बनाए।

मप्र छोड़ रेलवे से खेल रहे आशुतोष क्रिकेट में करियर बनाने के लिए रतलाम से इंदौर सिर्फ आठ साल की उम्र में पहुंच गए। 10 साल की उम्र में वो अपना खाना खुद बनाया करते थे। आशुतोष बताते हैं कि शुरुआत में उनके पास खाने के पैसे भी नहीं होते थे, जिस वजह से वो अंपायरिंग किया करते थे। उनकी मदद एमपीसीए एकेडमी के कोच अमय खुरासिया ने की।

आशुतोष ने 2018 में टी-20 और 2019 में लिस्ट ए डेब्यू किया। हालांकि, मप्र में नए कोच की नियुक्ति के बाद उन्हें अगले साल टीम में जगह नहीं मिली। आशुतोष बताते हैं, नए कोच ने मुझे बिना कारण बाहर कर दिया। मैं उस दौरान सिर्फ जिम करता और होटल में रहता था। मैं डिप्रेशन में जा रहा था। मप्र से मौका न मिलने के बाद उन्होंने बेस चेंज कर लिया और रेलवे से जुड़ गए।

सेल ने ऑल इण्डिया पब्लिक सेक्टर हॉकी टूर्नामेंट भी जीता

नई दिल्ली।
स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने ऑल इण्डिया पब्लिक सेक्टर स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड द्वारा 15 से 18 अप्रैल तक भोपाल में आयोजित आल इण्डिया पब्लिक सेक्टर वॉलीबॉल टूर्नामेंट - 2024 जीतने का गौरव हासिल किया है। इससे पहले हाल ही में ऑल इण्डिया पब्लिक सेक्टर स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड द्वारा भुवनेश्वर में आयोजित आल इण्डिया पब्लिक सेक्टर हॉकी टूर्नामेंट में भी भारतीय खाद्य निगम को हराकर सेल चैंपियन बनकर उभरा था।

सेल ने ऑल इंडिया पब्लिक सेक्टर वॉलीबॉल टूर्नामेंट में ऑयल इंडिया को 3-0 से हराकर, इस टूर्नामेंट में चैंपियन का खिताब हासिल किया। इस टूर्नामेंट में कुल नौ पब्लिक सेक्टर यानि सेल, एलआईसी, बीएसएनएल, कोल इंडिया, निवेली लिग्नाइट कॉर्पोरेशन, ऑयल इंडिया, ईएसआईसी, बीएचईएल और नाल्को ने भाग लिया। सेल द्वारा लगातार जीती गई ट्रॉफियां, खेल और एथलेटिक प्रतिभाओं को व्यवस्थित रूप से बढ़ावा देने और आगे बढ़ाने के प्रति कंपनी के निरंतर समर्पण और प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं। कंपनी देश की उभरती खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए देश के विभिन्न स्थानों पर कई खेल अकादमियों को चलाती और उनका संचालन करती है। कंपनी खेल के बुनियादी ढांचे को विकसित करने और प्रतिभाओं को निखारने के अलावा खेल प्रतिभाओं को निखारने का अवसर प्रदान करने के लिए अपने संयंत्रों और इकाइयों में अंतर सेल खेल चैंपियनशिप भी आयोजित करती है। इसके अलावा, सेल स्टील प्लांट स्पोर्ट्स बोर्ड (एसपीएसबी) के तत्वावधान में सेल पूरे वर्ष विभिन्न खेल और खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन करता है।

ऋषभ को टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में देखना चाहते हैं ब्रॉड

नई दिल्ली ।
पूर्व क्रिकेटर स्टुअर्ट ब्रॉड ने कहा है कि विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में जरूर शामिल किया जाना चाहिए। ब्रॉड के अनुसार आईपीएल में विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक और शिवम दुबे के बेहतर प्रदर्शन को देखते हुए इन्हें भी टीम में जगह के लिए दावेदार माना जा रहा है पर उनका मानना है कि दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ की बात अलग है।

ब्रॉड ने कहा, भारतीय टीम के लिए चयन काफी कठिन होने वाला है। अभी भी कुछ ऐसे खिलाड़ी हैं जिनपर फैसला लेना है। ऋषभ ऐसे खिलाड़ी हैं जिनको लेकर बहुत बात हो रही है।

ब्रॉड ने आगे कहा, वह लंबे समय से खेल से दूर थे इसके बाद भी वह बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग काफी अच्छी कर रहे हैं। वह कप्तान है, विकेटकीपर है. वह तीसरे, चौथे और पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी कर सकता है। मैं उन्हें कुछ मैचों में इंपैक्ट प्लेयर के रूप में भी देखना चाहूंगा पर जिस प्रकार से उसने केकेआर के खिलाफ खेला उससे लगा कि इस खिलाड़ी को विश्वकप में खेलना चाहिए। उनकी मैच को लेकर समझ शानदार है और वह एक मैच विजेता हैं। अगर मैं चयनकर्ता होता तो मैं उनको विश्व कप दल में जरुर रखता। ऋषभ ने कार हादसे से उबरकर वापसी करते हुए अपनी पहले वाली लय हासिल की है। उसे सत्र में जबरदस्त बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग की है। इस बल्लेबाज ने 33 टेस्ट में 43.67 के औसत से 2271, 30 एकदिवसीय में 34.60 के औसत से 865 और 66 टी20 में 22.43 के औसत से 987 रन अब तक बाये हैं। ये ऐसा बल्लेबाज है जो सभी प्रारुपों में तेज शॉट खेलने में सक्षम है।

टिम डेविड और कीरोन पोलार्ड पर लगा जुर्माना

खेल भावना का उल्लंघन करने के लिए मैच फीस का 20 प्रतिशत फाइन लगा

नई दिल्ली।
मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज टिम डेविड और बैटिंग कोच कायरान पोलार्ड पर इंडिया प्रीमियर लीग के कोड ऑफ कंडक्ट के उल्लंघन की वजह से जुर्माना लगा है। दोनों पर मैच फीस का 20 प्रतिशत फाइन लगा है।

आईपीएल ने अपने बयान में कहा, 18 अप्रैल को मुल्लांपुर में पंजाब किंग्स के खिलाफ डेविड और पोलार्ड ने आईपीएल की आचार संहिता के आर्टिकल 2.20 के तहत लेवल 1 का अपराध किया। मुंबई इंडियंस के खिलाड़ी और कोच पर उनकी मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। दोनों ने अपराध स्वीकार कर लिया और मैच रेफरी की मंजूरी स्वीकार कर ली। आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए, मैच रेफरी का निर्णय अंतिम और बाध्यकारी है। हालांकि, बयान में यह नहीं बताया गया है कि अपराध क्या था।

टिम और पोलार्ड का वीडियो वायरल

टिम और पोलार्ड का एक वीडियो वायरल हो रहा है। माना जा रहा है यह जुर्माना उसी गलती के लिए लगा है।

पंजाब के खिलाफ मुंबई की पारी के 15वें ओवर में अर्शदीप सिंह की एक गेंद ऑफ स्टम्प के बाहर थी। तब सूर्यकुमार 67 रन पर खेल रहे थे और उन्होंने इस गेंद पर शॉट मारने की कोशिश की, लेकिन बॉल काफी बाहर थी। अंपायर ने वाइड करार नहीं दिया, इसे लीगल डिलीवरी माना। हालांकि, देखा गया कि स्ट्ठ के डगआउट में बैठे मार्क बाउचर ने सूर्यकुमार को इशारा किया कि यह वाइड है। साथ ही पोलार्ड के साथ टिम डेविड को सूर्या से रिव्यू लेने का आग्रह करते देखा गया।

हार्दिक पंड्या पर 12 लाख का जुर्माना

मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या पर 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया। मुल्लांपुर में पंजाब किंग्स इलेवन के खिलाफ मैच में स्लो ओवर रेट के चलते पंड्या पर जुर्माना लगाया गया था। आईपीएल ऑफिशियल्स ने कहा कि इस सीजन टीम मुंबई की यह पहली गलती थी, इसलिए आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट के अनुसार सबसे न्यूनतम दंड दिया गया है।

सलाह

इस कारण से रात में रोता है आपका बच्चा

बच्चे अकसर रोते हैं, हर उम्र में बच्चों का रोना आम बात है। छोटे बच्चों के रोने का कारण हैं कि वे अपनी बात को सही तरह से कह नहीं पाते, जिससे अपनी बात को कहने के लिए रोने का सहारा लेते हैं। बच्चों के रोने का कम्यूनिकेशन से गहरा तल्लुक है। वैसे बच्चे के रोने के और भी कई कारण हो सकते हैं जिसे आपको समझना चाहिए। लेकिन सवाल ये उठता है कि बच्चे रात में क्यों रोते हैं। अचानक बच्चे नींद में उठकर रोना क्यों शुरू कर देते हैं। आपके साथ भी कभी ऐसा अनुभव हुआ होगा आपका बच्चा अचानक नींद से जागकर रोना शुरू कर देता है। आपको बच्चों के सोने के पैटर्न को समझना चाहिए। इतना ही नहीं जैसे-जैसे बच्चे बड़े होते जाएं आपको उन कारणों को भी जानना चाहिए कि आपके बच्चे के साथ ऐसा क्यों होता है। इतना ही नहीं बच्चे के स्वास्थ्य संबंधी सवालों के जवाब आपको पता होने चाहिए। ज्यादातर बच्चों के साथ ऐसा होता है कि वे नींद से जागकर रोने लगते हैं। ऐसा कई बच्चों के साथ बहुत ज्यादा होता है तो कईयों के साथ बहुत कम। आइए जानें बच्चे रात को क्यों रोते हैं।

बच्चे नींद में क्यों रोते हैं

- जब बच्चा इस दुनिया में जन्म लेता है तो वह अपने अनुभवों से दुनिया को महसूस करने लगता है। नया सीखने की प्रक्रिया में बच्चा चीजों को महसूस करने लगता है जिससे कई बार बच्चे को असहज भी महसूस होता है, नतीजन, बच्चा शुरूआती महीनों में अकसर नींद में असहज महसूस करता है। कई बार नवजात शिशुओं में छिकनें की समस्या होती है तो कई बच्चो के नींद में जगने की।
- कई बार बच्चे के रोने का कारण शारीरिक परेशानियां होती है। इतना ही नहीं कई बार बच्चे के आसपास का तापमान बहुत गर्म या फिर बहुत ठंडा होता है जिससे बच्चे की नींद में खलल पड़ने लगता है और बच्चा नींद से जगकर रोने लगता है।
- कई बार बच्चे के सोने की जगह ठीक नहीं होती यानी बच्चा सोते हुए सहज नहीं होता तो भी बच्चा नींद से जगकर रोने लगता है।
- थोड़े बड़े बच्चे बहुत लंबे समय तक नहीं सो पाते जिससे बच्चों को जल्दी ही भूख भी लग जाती है इसीलिए आधी रात को बच्चों को भूख लग सकती है और बच्चे भूख के कारण रोने लगते हैं। हालांकि कई बार मां के दूध पीने के बाद बच्चा फिर से आराम से सो जाता है, ऐसा स्थिति में ये भी हो सकता है कि बच्चा तुरंत दोबारा ना सोएं।
- कई बार बच्चा बिस्तर गीला कर देता है तो भी बच्चा रोने लगता है तो कई बार ऐसी स्थिति आ जाती है कि बच्चे को नींद में ही पेशाब आता है जिससे वह असहज हो जाता है और नींद में ही जोर-जोर से रोने लगता है। हालांकि ऐसी स्थिति में आप बच्चे के लिए डाइपर का इस्तेमाल कर सकते हैं।
- बहुत लंबे समय तक या नींद में बच्चे को गीला डाइपर परेशान कर सकता है जिससे बच्चा नींद से उठकर रोने लगता है।
- कई बार बच्चे असुरक्षित या फिर अकेला महसूस करते हैं जिससे अपने आसपास मां को ना पाकर अचानक नींद में रोने लगते हैं।
- कई बार बच्चे को डरावने सपने दिखाई देते हैं जिससे बच्चा अचानक डर जाता है और एकदम नींद से उठकर रोने लगता है।
- इसी तरह के और भी कई कारण है जिससे बच्चा नींद में उठकर अचानक रोने लगता है।

ये छोटे-छोटे टिप्स आपके शरीर से पसीने की बदबू को कर देंगे छूमंतर

गर्मियां आने वाली हैं और हर कोई इस दौरान पसीने की बदबू से परेशान रहता हैं। सिर्फ इतना ही नही कभी-कभी इस पसीने की वजह से हमें कई बार महफिल या ऑफिस में काफी शर्मिंदा भी होना पड़ता हैं। जिस वजह से हम कई तरह के परफ्यूम या डियोड्रेंट का सहारा लेते है लेकिन ये भी ज्यादा समय तक साथ नही देते.ऐसे में ये छोटे-छोटे टिप्स आपके शरीर से पसीने की बदबू को छूमंतर कर देंगे नारियल के तेल में लौरिक एसिड होता हैं जो कि बैक्टिरिया को मारने में बेहद मददगार होता हैं तो वहीं इसके इस्तेमाल से आपकी शरीर से बदबू नहीं आएगी।

दस घरेलू उपाय जो लीवर डिजीज से बचायें

लीवर शुगर, फैट और आयरन के चयापचय में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। साथ ही यह पित्तरस उत्पन्न करके शरीर में चर्बी को घटाता है। लीवर प्रोटीन तथा रक्त के थक्कों के उत्पादन में भी मदद करता है। इसलिए लीवर का स्वस्थ होना बहुत जरूरी होता है।

लीवर के लिए घरेलू उपाय

मानव पाचन तंत्र में लीवर एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। विभिन्न अंगों के कार्यों जिसमें भोजन चयापचय, ऊर्जा भंडारण, विषाक्त पदार्थों को बाहर निकलना, डिटॉक्सीफिकेशन, प्रतिरक्षा प्रणाली का समर्थन और रसायनों का उत्पादन शामिल हैं। लेकिन कई चीजें जैसे वायरस, दवाएं, आनुवांशिक रोग और शराब लिवर को नुकसान पहुंचाने लगती है। लेकिन यहां दिये उपायों को अपनाकर आप अपने लीवर को मजबूत और बीमारियों से दूर रख सकते हैं।

हल्दी

हल्दी लीवर के स्वास्थ्य में सुधार करने के लिए अत्यंत उपयोगी होती है। इसमें एंटीसेप्टिक गुण मौजूद होते है और एंटीऑक्सीडेंट के रूप में कार्य करती है। हल्दी की रोगनिरोधन क्षमता हैपेटाइटिस बी व सी का कारण बनने वाले वायरस को बढ़ने से रोकती है। इसलिए हल्दी को अपने खाने में शामिल करें या रात को सोने से पहले एक गिलास दूध में थोड़ी सी हल्दी मिलाकर पिएं।

पपीता

पपीता लीवर की बीमारियों के लिए सबसे सुरक्षित प्राकृतिक उपचार में से एक है, विशेष रूप से लीवर सिरोसिस के लिए। हर रोज दो चम्मच पपीता के रस में आधा चम्मच नींबू का रस मिलाकर पिएं। इस बीमारी से पूरी तरह निजात पाने के लिए इस मिश्रण का सेवन तीन से चार सप्ताहों के लिए करें।

आंवला

आंवला विटामिन सी के सबसे संपन्न स्रोतों में से एक है और इसका सेवन लीवर की कार्यशीलता को बनाये रखने में मदद करता है। अध्ययनों ने साबित किया है कि आंवला में लीवर को सुरक्षित रखने वाले सभी तत्व मौजूद हैं। लीवर के स्वास्थ्य के लिए आपको दिन में 4-5 कच्चे आंवले खाने चाहिए।

मुलेठी

लीवर की बीमारियों के इलाज के लिए मुलेठी का इस्तेमाल कई आयुर्वेदिक औषधियों में किया जाता है। इसके इस्तेमाल के लिए मुलेठी की जड़ का पाउडर बनाकर इसे उबलते पानी में डालें। फिर ठंड़ा होने पर छान लें। इस चाय रुपी पानी को दिन में एक या दो बार पिएं।

पालक और गाजर का रस

पालक और गाजर का रस का मिश्रण लीवर सिरोसिस के लिए काफी लाभदायक घरेलू उपाय है। पालक का रस और गाजर के रस को बराबर भाग में मिलाकर पिएं। लीवर की मरम्मत के लिए इस प्राकृतिक रस को रोजाना कम से कम एक बार जरूर पिएं।

सेब का सिरका

सेब का सिरका, लीवर में मौजूद विषैले पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है। भोजन से पहले सेब के सिरके को पीने से शरीर की चर्बी घटती है। सेब के सिरके को आप कई तरीके से इस्तेमाल कर सकते हैं- एक गिलास पानी में एक चम्मच सेब का सिरका मिलाएं, या इस मिश्रण में एक चम्मच शहद मिलाएं। इस मिश्रिण को दिन में दो से तीन बार लें।

सिंहपर्णी जड़ की चाय

सिंहपर्णी जड़ की चाय लीवर के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने वाले उपचारों में से एक है। अधिक लाभ पाने के लिए इस चाय को दिन में दो बार पिएं। आप चाहें तो जड़ को पानी में उबाल कर, पानी को छान कर पी सकते हैं। सिंहपर्णी की जड़ का पाउडर बड़ी आसानी से मिल जाएगा।

अलसी के बीज

फीटकॉस्टीटूएंट्स की उपस्थिति के कारण, अलसी के बीज हार्मोन को ब्लड में घूमने से रोकता है और लीवर के तनाव को कम करता है। टोस्ट पर, सलाद में या अनाज के साथ अलसी के बीज को पीसकर इस्तेमाल करने से लिवर के रोगों को दूर रखने में मदद करता है।

किचन की बदबू को इस तरह करें दूर

रसोई की साफ-सफाई का खास ध्यान रखना पड़ता है। अगर किचन ही साफ नहीं होगी तो घर के सदस्यों की सेहत पर भी इसका बुरा असर पड़ेगा। खाना बनाने के बाद रसोई में कुछ चीजों की महक रह जाती है,जिससे कुछ देर बाद बदबू आनी शुरू हो जाती है। इस बदबू से जी भी मचलाने लगता है। इस तरह की गंध को दूर भगाने के लिए आप कुछ घरेलू नुस्खों की भी मदद ले सकते हैं।

1. संतरे के छिलके का इस्तेमाल : सब्जी बनाने के बाद अगर रसोई से गंध आ रही है तो एक बाउल में 1 कप पानी डालकर इसमें संतरे के छिलके,1 इलायची और थोड़ी सी दालचीनी डालकर उबाल दें। इसके बाद इस पानी को 2 मिनट के लिए उबाल लें। इससे बदबू दूर हो जाएगी।

2. शूगर सोप: रसोई में सी फूड बनाने के बाद इसकी बदबू हाथों और किचन से जल्दी नहीं जाती। सी फूड बनाने के बाद किचन में शूगर सोप रख दें और हाथ भी इसी से धोएं।

3. सिरका : सिरका घर में हर तरह की बदबू को दूर करता है। रोजाना पानी में थोडा सा सिरका मिलाकर इससे पोछा लगाने से बदबू दूर भाग जाती है।

4. बेकिंग सोड़ा : जलने की दुर्गंध आने लगे तो इसके लिए बेकिंग सोड़े का इस्तेमाल कर सकते हैं। खाना बनाने वाली जगह पर थोड़ा-सा बेकिंग सोड़ा छिड़क दें।

5. नींबू पानी : फ्रिज की बदबू को दूर करने के लिए नींबू पानी से भरा कटोरा रख दें। इसे किचन में रखने से भी बदबू भाग जाती है।

सलाह

दांतों को शेप में लाये ब्रेसेस के विकल्प

टेढ़े-मेढ़े दांतों को सीधा करने के लिए या इनके बीच के खाली जगहों को भरने के लिए अगर आप ब्रेसेस पसंद नहीं करते हैं तो कई दूसरे विकल्प भी मौजूद हैं।

ब्रेसेस के विकल्प

बुरा दिखना किसी को पसंद नहीं होता और अच्छे दिखने के लिए हर कोई बहुत से एफर्ट्स लगाता है। अच्छे दिखने में सबसे ज्यादा भूमिका निभाते हैं हमारे दांत, क्योंकि जब हम मुस्कुराते हैं तब पॉजिटिविटी दिखती है। लेकिन जिसके दांत अच्छे न हो तो वह मुस्कुराने में हिचकेगा। ऐसे में उनको सुंदर बनाने किए कई लोग ब्रेसेस का उपयोग करते हैं। लेकिन मैटल के ब्रेसेस का उपयोग करने से कई लोग घबराते हैं। ऐसे में वो लोग ब्रेसेस के अलावा अन्य उपाय भी अपना सकते हैं। इसके दूसरे विकल्पों के बारे में यहां जानें।

रिटेनर्स: इसे किसी भी वक्त दांतों में लगाया जा सकता है और दांतों से निकाला जा सकता है। ये दांतों को सही पोजिशन में लाने के लिए उपयोग में लाया जाता है। एसिक्स रिटेनर्स पूरी तरह से ट्रांसपैरेंट होता है जो दांतों के ऊपर लगाया जाता है। लेकिन इसका इस्तेमाल तभी संतोषदायक है जब दांत ज्यादा टेढ़े-मेढ़े न हो। ये ज्यादा महंगे नहीं होते और इन्हें पहनना बहुत आसान होता है।

हेडगियर या कैप: अगर आपके दांत ज्यादा खराब हैं और दिखने में बिल्कुल भी अच्छे नहीं लगते तब हेडगियर या कैप का उपयोग किया जाता है। इसका इस्तेमाल दांतों को सही शेप में लाने के लिए किया जाता है। इस क्रिया में ऊपर वाले दातों और मसूड़ों पर प्रेशर दिया जाता है। इसकी सबसे अच्छी बात है कि इसे दिन में कुछ घंटों के लिए ही पहना जाता है। अधिकतर लोग इसे रात में सोते वक्त पहनते हैं। लेकिन एक बात का हमेशा ध्यान रखें की इसे खेलते समय, खाते समय और ब्रश करते समय जरूर उतार दें।

क्लीयर अलाइनर: इनविज़अलाइन जो क्लीयर अलाइनर्स के तौर पर अधिक उपयोग में लाया जाता है। यह ब्रेसेस के विकल्प के तौर पर इस्तेमाल किया जाने वाला सबसे लोकप्रिय विकल्प है। इससे किसी भी प्रकार के दांतों को सही किया जा सकता है। इस क्रिया में डेंटिस्ट दांतों के अनुसार एक क्लीयर अलाइनर ट्रे सिरीज़ देते हैं जिसे दांतों के ऊपर लगाया जाता है। प्रत्येक अलाइनर को दिन में बीस घंटे दो हफ्ते तक के लिए पहनना जरूरी है। दो हफ्ते के बाद दूसरी ट्रे उपोयग में लाई जाती है। यह क्रिया सिरीज़ के खत्म होने तक अपनाई जाती है।

विनियर: विनियर पोर्सिलिन की पानी जैसी पतली परत होती है, जो दांतो के ऊपर लगा दी जाती है। दांत का नाप लेकर लैब में पोर्सिलिन या सिरेमिक की परत तैयार की जाती है। इसको दांतों में फिट करने से पहले दांतों के ऊपर से एनामल की एक परत हटा दी जाती है। दांतों के बीच की खाली जगह को भरने के लिए उपयोग में लाया जाता है और ये पांच साल तक कारगर होते हैं। पांच साल के बाद आपको इसे दोबारा लेने की जरूरत होगी।

बॉन्डिंग: अगर दांत पीछे हैं तो उन्हें आगे लाने के लिए, अगर दांत बाहर निकले हैं तो उन्हें पीछे ले जाने के लिए या टूटे-फूटे दांतो को शेप में लाने के लिए दांतों की बॉन्डिंग का इस्तेमाल भी किया जाता है। अगर कोई दांत पीछे है तो उसकी बॉन्डिंग कर एक लाइन में लाया जाता है। टूटे-फूटे दांतों को शेप में लाने के लिए दांत के रंग की कंपोजिट फीलिंग को दांत के ऊपर लगाया जाता है। यह सब विकल्पों में सबसे आसान और सस्ता विकल्प है।

परिवार को जोड़ती है डाइनिंग टेबल, साथ बैठ कर तो देखें

परिवार चाहे संयुक्त हो या एकल, परिवार के सभी सदस्यों का डाइनिंग टेबल पर मिल बैठ कर भोजन करने का अलग ही आनंद होता है। डाइनिंग टेबल आज पारिवारिक जीवन में आवश्यक व उपयोगी वस्तु बन गई है। आज के भागदौड़ भरे जीवन में सुख-दुख, प्यार-मुहब्बत या फिर शिकवे-शिकायत करने का स्थल डाइनिंग टेबल ही रह गई है।

सहभोज से परिजनों के बीच खुल कर बातें होने व हल्का-फुल्का हंसी-मजाक करने से मन हलका होता है। आपसी विश्वास बढ़ता है। एक दूसरे से सलाह-मशविरा करने से उलझनें व समस्याएं दूर होती हैं। इतना ही नहीं तनाव, मनमुटाव और असंतोष की स्थिति भी उत्पन्न नहीं होती।

डाइनिंग टेबल पारिवारिक जीवन को जोड़ने का माध्यम है। अलग-अलग बैठकर खाने से संबंधों में दूरी पैदा होती है। इससे परिवार बंटता है जबकि साथ खाने से एक दूसरे की रूचि का पता चलता है। भोजन के

बाद सबको खाने की संतुष्टि प्राप्त होती है उस सुखानुभूति का प्रभाव पाचन क्रिया पर पड़ता है जिससे भोजन सुपाच्य बन जाता है।

डाइनिंग टेबल व्यवस्थित व सुविधाजनक स्थान पर होनी चाहिए। रसोई के पास हो तो ज्यादा ठीक होगा इससे ऊर्जा, शक्ति व ताजगी बनी रहेगी। सजावट ऐसी होनी चाहिए कि खाने वालों की भूख को और बढ़ा दे। अगर परोसने वाले बरतन कलात्मक, चमकदार और करीने से सजाए गए हों, फूलदान पास रखा हो तो फिर कहना ही क्या। इससे मन-मस्तिष्क को कितना सुकून मिलेगा इसका अनुमान लगाया जा सकता है। सहभोज का परिवार के सदस्यों पर मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ता है। एक दूसरे की अच्छाइयां, कमजोरियां बातों ही बातों में उजागर हो जाती हैं तथा मन की पीड़ा व्यक्त करने से निराशा, कुंठा, अवसाद, एकाकीपन जैसी मानसिक समस्याओं की गुंजाइश पैदा नहीं हो पाती है क्योंकि मनमस्तिष्क से खुलेपन में बातचीत होती है। दूरियों को नजदीकियों में बदलने से वैचारिक स्वतंत्रता का एहसास होता है। डाइनिंग टेबल को मात्र काठ, प्लास्टिक, लोहे, बेंत का मूकाकार नहीं मानना चाहिए। इसमें तो पारिवारिक जीवन की धड़कन बसी होती है। परस्पर विश्वास, स्नेह, ममता, सहयोग, समानता आदि के मोती डाइनिंग टेबल पर जड़े होते हैं।

वर्कआउट से पहले और बाद में कैसा हो आपका डाइट प्लान!

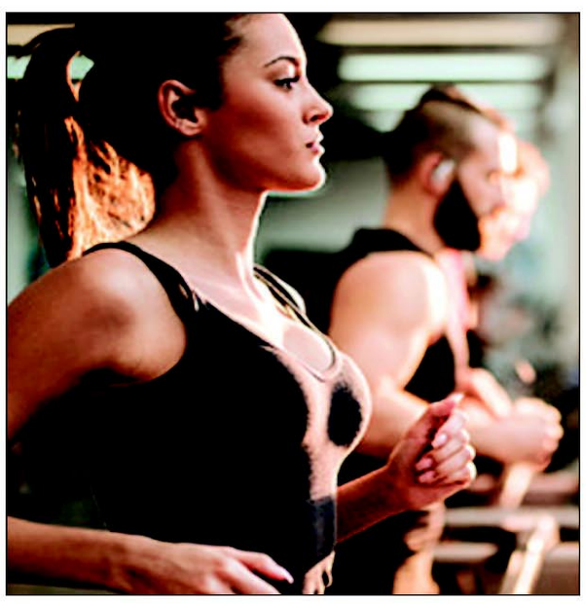

फिट रहने के लिए वर्कआउट के साथ-साथ अच्छी डाइट का होना बहुत जरूरी है। इसमें थोड़ी सी लापरवाही आपकी फिटनेस को और खराब कर सकती है, यहां तक कि आपको कई तरह की शारीरिक समस्या और कमजोरी का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि डाइट के पीछे कई तथ्यात्मक राज छिपे होते हैं। जो वर्कआउट करने वालों को फिट बनाते हैं। तो अगर आप भी जिम या किसी तरह का वर्कआउट करते हैं तो आज ही आप अपना डाइट प्लान तैयार कीजिए। इस लेख के माध्यम से हम आपको बताएंगे कि वर्कआउट से पहले और बाद में कैसा डाइट प्लान होना चाहिए।

वर्कआउट में क्यों जरूरी है डाइट

दरअसल, वर्कआउट से पहले और बाद की डाइट आपके दूसरे खानों की जगह ले लेता है, क्योंकि इसे खाने का एक विशेष कारण है। यह आपके वर्कआउट को प्रभावित करते हैं। वर्कआउट से पहले का खाना हमें यह भरोसा दिलाता है कि हमारे अंदर व्यायाम करने की पूरी एनर्जी है। साथ ही, परफॉर्मेंस बढ़ाने में भी मदद करता है। वहीं वर्कआउट के बाद का खाना सेहत के अनुकूल काम करता है। इन दोनों ही मील को सही तरीके से लिया जाए, तो स्वस्थ रहने का आधा खेल आप जीत जाएंगें। रोज ली जाने कैलोरी में ही काउंट होती है।

वर्कआउट से पहले

अगर आपके पास वर्कआउट से पहले एक घंटा और 30 मिनट हैं, तो आप कुछ प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और थोड़ा-सा फैट ले सकते हैं। सुबह के समय वर्कआउट कर रहे हैं, तो स्मूथी और कुछ हल्का ट्राई करें। आज सुबह में मैंने वर्कआउट से पहले एक कप दूध, थोड़े से बादाम, एक केला और एक सेब लिया। अगर मैं वर्कआउट से पहले सुस्ती महसूस कर रही हूं, तो इसमें एसप्रेसो मेरी मदद कर सकती है। जो कि रक्त में से वसा कोशिकाओं को निकालने में मदद करता है और ज़ोरदार वर्कआउट की क्षमता को बढ़ाता है। इसलिए वर्कआउट से पहले लेने के लिए बेस्ट है।

वर्कआउट के बाद

वर्कआउट के बाद प्रोटीन शेक ले सकते हैं। वर्कआउट के बाद खाने में बस पेय पदार्थ ही शामिल करते हैं। इनका लाभ यह होता है यह आसानी से पच जाते हैं। कि शेक को छोड़कर आप घर जाकर ही खा सकते हैं। कुछ लोग ऐसे में उच्च ग्लाइसमिक खाद्य पदार्थों को शामिल करते हैं, चिकन और चावल, भुनी फिश, आलू और हरी सब्जियां खाना पसंद करते हैं।

रेसिपी

भरवां बैगन

सामग्री

बैगन - 250 ग्राम, नमक - स्वादानुसार (3/4 छोटी चम्मच), हल्दी पाउडर - एक चौथाई छोटी चम्मच, लाल मिर्च पाउडर- एक चौथाई छोटी चम्मच, गरम मसाला पाउडर - एक चौथाई छोटी चम्मच, धनियां पाउडर - 1 1/2 छोटी चम्मच, सौंफ पाउडर-2 छोटे चम्मच, अमचूर पाउडर - आधा छोटा चम्मच, हरी मिच- 2 (बारीक कतरी हुई), अदरक-1 इंच लम्बा टुकड़ा (कद्दूकस किया हुआ), तेल-2 बड़े चम्मच, हींग -एक पिंच, जीरा एक चौथाई छोटी चम्मच, आल- 2 , हरा धनियां - एक बड़ा चम्मच

विधि

आलू छील कर पानी में डाल कर रख लीजिये. बैगन को अच्छी तरह पानी से धो लीजिये। एक प्लेट में नमक, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, गरम मसाला पाउडर, धनिया पाउडर, सौंफ पाउडर, अमचूर पाउडर, हरी मिर्च और अदरक सभी को अच्छी तरह मिला लीजिये. बैगन में मसाला भरने के लिये तैयार है। बैगन के उंडल निकाल कर, उंडल की ओर से 2 कट इस तरह लगाइये कि निचला भाग जुड़ा रहे. मसाला चम्मच की सहायता से कटे हुये बैगन में भर लीजिये। कढाई में तेल डालकर गरम कीजिये. गरम तेल में हींग और जीरा डाल दीजिये. जीरा भुनने के बाद, बैगन एक एक करके तेल में लगा दीजिये. ढककर धीमी गैस पर 8-10 मिनिट पकने दीजिये। अगर आप बैगन में आलू डाल रहे हैं, तो आलू को काट लीजिये. जीरा भुनने के बाद आलू और थोड़ा सा नमक (स्वादानुसार) कढ़ाई में डालिये. 3-4 मिनिट तक आलूओं को चमचे से चला कर भूनिये. चमचे की सहायता से आलू को किनारे से लगा दें और मसाले भरे बैगन बैगन एक एक करके बीच में लगा दीजिये। सब्जी को ढककर धीमी गैस पर 8-10 मिनिट तक पकने दीजिये. सब्जी को खोलें और चिमटे की सहायता से बैगन को पलट दीजिये। सब्जी को ढकिये और फिर से 5-6 मिनिट तक पकने दीजिये. अब सब्जी को खोलिये और देखिये कि यदि बीच में रखे बैगन सिक गये हैं, तो उन्हें किनारे से कर दीजिये, और किनारे रखे हुये बैगन कढ़ाई के बीच में लगा दीजिये। सब्जी को प्याले में निकाल लीजिये. हरा धनियां डाल कर सजाइये. भरवां बैगन, परांठे, चपाती या चावल किसी के साथ परोसिये और खाइये।

गुजराती चटपटी भाकरवड़ी

सामग्री

मैदा 1 कप, बेसन 1/4 कप
सूखा नारियल 1/4 कप
तिल 1/4 कप, लाल मिर्च पाऊडर 3 चम्मच
नमक स्वादनुसार, तेल

विधि

सबसे पहले मैदा में नमक और 1 चम्मच तेल डालकर गर्म पानी से आटा गूंथ लें और इसे तीन घंटे के लिए ढंक कर रख दें। अब एक अन्य कटोरे में सूखा नारियल, लाल मिर्च पाऊडर, तिल और नमक डाल लें। इन सारे मिश्रण को अच्छी तरह आपस में मिल ा लें। गूंथे हुए आटे की बड़ी और मोटी आकार में रोटी बेल लें। अब रोटी के ऊपर पहले से बनाया गया बेसन का मिश्रण डाल दें। रोटी को गोल करके रोल कर लें। रोटी को लपेट कर 10 मिनट के लिए साइड में रख दें। अब रोटी को तेल में डिप फाई कर लें। तलने के बाद इसे अपने मनपंसद आकार में काट लें। आपके गुजराती भाकरवड़ी तैयार है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**